01 मार्च 2025
शनिवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

तेजस्वी यादव का दावा... नीतीश नहीं बनेंगे 2025 में बिहार के सीएम

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

आपकी आवाज

नेपाल में भूकंप के झटके... बिहार के कई इलाकों में भी डोली धरती

एजेंसी/नई दिल्ली

नेपाल में शुक्रवार तड़के 6.1 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे पूरे हिमालय क्षेत्र में झटके महसूस किए गए। बिहार के पटना और आसपास के इलाकों में भी झटके महसूस किये गये। समाचार एजेंसियों के अनुसार, भूकंप नेपाल के सिंधुपालचौक जिले के भैरब कुंडा के आसपास सुबह करीब 2.36 बजे आया।

6.1 तीव्रता का भूकंप तीव्र माना जाता है और इससे विशेष रूप से भूकंप के केंद्र के पास महत्वपूर्ण क्षति हो सकती है, जिसमें इमारतों का हिलना और दरारें बनना शामिल है। शुक्रवार की भूकंपीय गतिविधि की सीमा का अभी तक पता नहीं चल पाया है और अब तक किसी नुकसान या हताहत की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। बिहार में देर रात करीब ढाई बजे भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटके किशनगंज से पटना तक बड़े हिस्सों में भी महसूस किए गए। इलाकों में भूकंप के झटके महसूस होने के बाद लोग घबरा गए और अपने-अपने घरों से बाहर आ गए। हालांकि, इसके चलते किसी प्रकार के नुकसान की कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

उत्तराखंड के चमोली में बर्फ का पहाड़ गिरा, 57 मजदूर दबे, 32 बचाए गए

- हिमस्खलन के कारण प्रभावित इलाके का रास्ता बंद, रेस्क्यू ऑपरेशन में आ रहीं मुश्किलें
- आईटीबीपी और बीआरओ की टीमें राहत व बचाव कार्य में जुटी

एजेंसी/चमोली

उत्तराखंड के चमोली जिले के माणा गांव में बर्फबारी के दौरान बड़ा हादसा हुआ है। बर्फ का एक बड़ा हिस्सा गिरने से 57 मजदूर दब गए। अब तक 32 मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है, जबकि बाकी को निकालने के लिए बचाव कार्य जारी है। हिमस्खलन के कारण प्रभावित इलाके का रास्ता बंद हो गया है, जिससे रेस्क्यू ऑपरेशन में मुश्किलें आ रही हैं। घटना की जानकारी मिलते ही आईटीबीपी और सेना के जवान मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। खबर लिखे जाने तक एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें भी घटना स्थल तक पहुंचने की कोशिश कर रही थीं।

बीआरओ कैंप के पास हाइवे निर्माण में लगे थे श्रमिक : पुलिस के अनुसार, हिमस्खलन सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के कैंप के पास हुआ। चमोली के जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने बताया कि इस हादसे में 57 मजदूर फंस गए हैं और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। अब तक 32 मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है और उन्हें माणा के पास सेना के कैंप में भेजा गया है। बीआरओ के कमांडर कर्नल अंकुर महाजन ने कहा कि सुबह 8 बजे हादसे की जानकारी मिली। मृतकों की संख्या अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन 32 लोग बचाए जा चुके हैं और कुछ को गंभीर चोटें आई हैं, जिनका इलाज किया जा रहा है।

हाईवे का सुधारीकरण और चौड़ीकरण का चल रहा कार्य

पिछले दो साल से माणा गांव-माणा पास (50.987 किमी) हाईवे का सुधारीकरण और चौड़ीकरण कार्य चल रहा है। जिसके लिए क्षेत्र में मजदूर रह रहे थे। ये मजदूर हाईवे चौड़ीकरण कार्य करने के बाद रात्रि विश्राम के लिए माणा पास एंट्री गेट के पास स्थापित कंटेनर में पहुंच जाते हैं। पिछले दो दिनों से बर्फबारी होने के कारण मजदूर इन्हीं कंटेनर में रह रहे थे। इनमें पौकलेंड, जेसीबी व अन्य मशीनों के ऑपरेटर भी रह रहे थे। शुक्रवार को सुबह करीब साढ़े छह बजे कुबेर पर्वत से मजदूरों के कंटेनर के ऊपर भारी मात्रा में हिमस्खलन हो गया। जिससे मजदूरों में अफरा-तफरी मच गई।

सीएम ने हादसे पर जताया दुख: उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने पर पोस्ट करते हुए भगवान बद्री विशाल से सभी श्रमिकों के सुरक्षित होने की प्रार्थना की। सीएम ने बताया कि हिमस्खलन के कारण निर्माण कार्य में लगे कई मजदूर दब गए हैं। आईटीबीपी और बीआरओ की टीमें राहत और बचाव कार्य में जुटी हैं।

खबरें फटाफट

रक्षामंत्री बोले... शिक्षा से वंचित न रहे कोई भी बच्चा

हैदराबाद। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को नई शिक्षा नीति को अपनाने की वकालत की। हैदराबाद में डीआरडीओ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि केंद्र और राज्य की संयुक्त जिम्मेदारी है कि हमारी आने वाली पीढ़ी को अच्छी शिक्षा मिले। कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। इसके अलावा भावी पीढ़ियां भविष्य और वैश्विक स्तर पर भी तैयार हों। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि शिक्षा का सार मन की एकाग्रता है, न कि तथ्यों को इकट्ठा करना। मुझे पता है कि भारतीय संविधान के तहत शिक्षा एक समवर्ती विषय है। यह सुनिश्चित करना केंद्र और राज्यों की संयुक्त जिम्मेदारी है कि हमारी भावी पीढ़ी को अच्छी शिक्षा मिले। कोई भी बच्चा अच्छी शिक्षा से वंचित न रहे और आने वाली पीढ़ियां न केवल भविष्य के लिए तैयार हों, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी तैयार हों। कहा कि हमारी युवा पीढ़ी को भविष्य के लिए और वैश्विक रूप से तैयार करना एक संयुक्त और राष्ट्रीय प्रयास होना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस ऐसा अवसर है जो न केवल वैज्ञानिकों की उपलब्धियों का स्मरण कराता है बल्कि युवा पीढ़ी को राष्ट्रीय विकास के लिए विज्ञान और नवाचार अपनाने के लिए प्रोत्साहित भी करता है।

बिहार विधानमंडल का बजट सत्र की शुरुआत, विपक्ष ने किया हंगामा

राज्य सरकार ने हमेशा सुशासन एवं न्याय के साथ विकास पर जोर दिया है: राज्यपाल

- राज्यपाल ने राज्य सरकार द्वारा किए विकास कार्यों और सरकार की योजना को सदन में रखा
- विपक्षी दलों के सदस्य लगातार करते रहे हंगामा

केटी न्यूज/पटना

बिहार विधानमंडल का बजट सत्र का आगाज शुक्रवार को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के अभिभाषण से हुआ। इस मौके पर दोनों सदनों के सदस्यों के साथ साथ बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नंदकिशोर यादव और विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह भी मौजूद थे। अभिभाषण में राज्यपाल ने राज्य सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों और आने वाले समय में सरकार की योजना को सदन में बारी-बारी से रखा। इस बीच विपक्षी दलों के सदस्य लगातार हंगामा करते रहे।

राज्यपाल ने दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन में जैसे ही अपना अभिभाषण शुरू किया विपक्ष के सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। जिसके बाद राज्यपाल ने कहा कि आपका प्रोटेस्ट दर्ज कर लिया गया है अब मुझे अपने संवैधानिक दायित्व को पूरा करने दें। फर भी विपक्ष ने बात नहीं मानी तो राज्यपाल ने मर्यादा में रहने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि स्वस्थ बहस और तर्क-वितर्क लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा है, लेकिन यह आवश्यक है कि चर्चा मर्यादित और परिणामपरक हो। मैं सभी सदस्यों से अपील करता हूं कि वे अपने बहुमूल्य सुझाव और विचार सदन में रखें ताकि जनहित में ठोस निर्णय लिए जा सके। साथ ही मैं सभी माननीय सदस्यों से अनुरोध करता हूं कि वे सदन में अनुशासन और शिष्टाचार बनाए रखें। किसी भी मुद्दे पर असहमति को तर्कसंगत और मर्यादित भाषा में प्रस्तुत किया जाए, जिससे सदन की गरिमा बनी रहे।

बिहार सरकार ने शुरू से ही वंचित वर्गों के लिए किया है काम

राज्यपाल ने कहा कि नई सरकार बनने के बाद से ही राज्य में स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में काफी विकास हुआ है। राज्य में बड़ी संख्या में सड़कों और पुल-पुलियों का निर्माण कराया गया है। राजधानी तक सुदूर इलाकों से पहुंचने का लक्ष्य पांच घंटा कर लिया गया है। सरकार ने बिहार में महिला सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया है। पंचायती राज, नगर निकायों में 50 प्रतिशत और सभी सरकारी नौकरी में आरक्षण दिया जा रहा है। पहले बिहार में स्वयं सहायता समूहों की संख्या काफी कम दी थी। अब समूहों की संख्या की 10 लाख 63 हजार हो गई है। इसमें जीविका दीदियों की संख्या एक लाख 41 हजार से अधिक है। बिहार सरकार ने शुरू से ही वंचित वर्गों के लिए काम किया। इन्हें मुख्य धारा में जोड़ने के लिए कई योजना चला रही है। राज्यपाल ने कहा कि मुस्लिम समुदाय के मदरसों को सरकारी सहायता दी जा रही है। इसमें पढ़ाने वाले शिक्षकों को सरकारी शिक्षक के अनुरूप वेतन दिया जा रहा है। राज्य में धान, गेहूं और मक्का का उत्पादन दोगुना हो गया है। मछली उत्पादन में बिहार आत्मनिर्भर हो गया है। राज्यपाल ने कहा कि सात निश्चय योजना के बारे में भी बात की।

वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया

उपमुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने विधानसभा में आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया। उन्होंने कहा कि 'वित्त वर्ष 2023-24 में राज्य सरकार का कुल खर्च दो लाख 52 हजार 82 करोड़ रुपए रहा। साल 2023-24 में योजना पर एक लाख एक हजार 83 करोड़ रुपए खर्च किए गए थे। सीएम नीतीश कुमार वाली सरकार का फोकस शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार पर है। इसी पर सरकार लगातार काम कर रही है।

वहीं बजट सत्र शुरू होने से पहले भाजपा के प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि बिहार के वित्त मंत्री सम्राट चौधरी की कुशल वित्तीय प्रबंधन के कारण बिहार के बजट का आकार तीन लाख करोड़ से अधिक का होने जा रहा है, जहां लालू राबड़ी राज्य में बिहार की बजट का आकार मात्र 22 हजार करोड़ रूपया हुआ करता था।

पत्नी के उत्पीड़न से परेशान हो मैनेजर ने कर ली आत्महत्या

आगरा का मामाला, वीडियो बना फंदे पर लटका

एजेंसी/आगरा

जौनपुर के सॉफ्टवेयर इंजीनियर अतुल सुभाष की तरह का एक मामला आगरा से सामने आया है। आगरा में एक मैनेजर ने अपनी पत्नी के उत्पीड़न से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। गले में फांसी का फंदा डालने से पहले मैनेजर ने एक वीडियो बनाया और फिर फंदे पर लटक कर अपनी जान दे दी। मैनेजर ने अपनी पत्नी के चरित्र पर शक और उत्पीड़न का आरोप लगाया है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। थाना सदर क्षेत्र की डिफेंस कॉलोनी के रहने वाले मानव शर्मा टीसीएस कंपनी में रिक्रूटमेंट मैनेजर के पद पर तैनात थे। मानव शर्मा का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह वीडियो 24 फरवरी का बताया जा रहा है। इसमें वह कह रहे हैं कि पुरुष की कोई सुनवाई नहीं होती है और वह अपनी पत्नी से तंग आकर आत्महत्या कर रहे हैं। गले में फांसी का फंदा डालकर और रोते हुए मानव शर्मा ने यह वीडियो बनाया है। इसमें वह बता रहे हैं कि वह अपनी पत्नी के उत्पीड़न से परेशान हो गए हैं। लगातार पत्नी टॉर्चर करती है और उन्होंने अपनी पत्नी के चरित्र पर शक होने की बात भी कही है। इस वीडियो के बाद मानव शर्मा ने फांसी के फंदे पर लटक कर आत्महत्या कर ली। अब वीडियो वायरल होने के बाद थाना पुलिस ने भी अपनी जांच तेज कर दी है।

कानून को मर्दों की रक्षा करनी चाहिए: मौत से पहले बनाये गए वीडियो में मानव कह रहे हैं कि लॉ शुड प्रोटेक्ट मेन... जज साहब मर्दों की रक्षा कीजिए, वरना कोई भी नहीं बचेगा, फिर किस पर इल्जाम लगाओगे। मानव वीडियो में अपने मम्मी-पापा से सूर्य बोलते नजर आ रहे हैं। वे कह रहे हैं कि अगर ऐसे ही चलता रहा तो कोई मर्द नहीं बचेगा। बता दें कि कुछ महीने पहले बनेगलुरु में सॉफ्टवेयर इंजीनियर अतुल सुभाष ने भी पत्नी की प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या कर ली थी। मरने से पहले उन्होंने भी डोमेस्टिक वायलेंस कानून पर सवाल खड़े किए थे।

उधर मानव की पत्नी निकिता शर्मा का भी बयान आया है। उन्होंने कहा कि मानव ने वीडियो में जो आरोप लगाए हैं वो मेरा पास्ट था। मेरे शादी से पहले की बात थी। शादी के बाद ऐसा कुछ भी नहीं था। जब उन्हें पता चला तो वे ड्रिंक करने लगे। मेरे साथ मारपीट भी करते थे। मैंने उन्हें कई बार फांसी लगाने से बचाया था।

पाकिस्तान: मदरसे में जुमे की नमाज के दौरान बम विस्फोट, 10 की मौत, 12 से अधिक गंभीर

एजेंसी/इस्लामाबाद

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा क्षेत्र में स्थित एक मस्जिद में उस वक्त जोरदार धमाका हो गया, जब वहां जुमे की नमाज पढ़ी जा रही थी। बताया जा रहा है कि उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के जामिया हक्कानिया मदरसे में हुए इस बम विस्फोट में दस लोगों की मौत हो गई। खैबर पख्तूनख्वा के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) जुल्फिकार हमीद ने पुष्टि की, अब तक दस लोगों की मौत हुई, जबकि 12 से अधिक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। वरिष्ठ धार्मिक नेता मौलाना हमीदुल हक हक्कानी भी विस्फोट में गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

एपी की रिपोर्ट के अनुसार, जिला पुलिस प्रमुख अब्दुल राशिद ने बताया यह विस्फोट खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के एक जिले अक्कोरा खट्टक में हुआ। अभी तक किसी भी समूह ने मदरसे के अंदर हुए इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि, तालिबान के प्रतिद्वंद्वी इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रांत (आईएसकेपी) या उसके सहयोगी समूह दाएश इस हमले के पीछे हो सकते हैं। शुरुआती जानकारी के अनुसार, आत्मघाती हमलावर शुक्रवार की नमाज के दौरान मस्जिद के मुख्य हॉल में मौजूद था और नमाज खत्म होते ही उसने खुद को उड़ा लिया। अस्पताल सूत्रों का कहना है कि हॉस्पिटल में लाए गए अधिकांश घायलों की हालत गंभीर है।

कोई भी व्यक्ति आर्थिक कारणों से न्याय से वंचित न हो: राष्ट्रपति

एजेंसी/गांधीनगर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि अपराधियों में पकड़े जाने और सजा मिलने का डर और आम लोगों में न्याय पाने का भरोसा अच्छी शासन व्यवस्था की पहचान है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कोई भी न्यायिक प्रणाली तभी मजबूत मानी जाएगी, जब वह वास्तव में समावेशी हो। मुर्मू गांधीनगर में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में बोल रही थीं। राष्ट्रपति ने कहा, हमारे देश में न्याय आधारित सामाजिक व्यवस्था को सर्वोत्तम माना जाता है। एनएफएसयू से स्नातक करने वाले छात्रों से आग्रह करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि कोई भी व्यक्ति आर्थिक कारणों से न्याय से वंचित न हो। उन्होंने कहा, परंपरा और विकास के तालमेल से हम एक विकसित देश बनने की प्रक्रिया में हैं, जो न्याय पर आधारित है।

महाकुम्भ के पुण्य स्नान से वंचित प्रदेश की जनता को मिला त्रिवेणी के जल से स्नान का अवसर

उत्तर प्रदेश में त्रिवेणी के जल की घर-घर होगी नि:शुल्क डिलिवरी

केटी न्यूज/प्रयागराज

प्रयागराज महाकुम्भ में इतिहास रचते हुए 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में पुण्य की डुबकी लगाई। इस पुण्य त्रिवेणी के जल की डुबकी से कोई छूट न जाए, सभी की आस्था और धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए योगी सरकार प्रदेश में किसी वजह से महा कुम्भ न पहुंच सके लोगों के लिए भी त्रिवेणी के जल से पुण्य स्नान का नायाब अवसर दे रही है। योगी सरकार ने निर्देश पर अग्नि शमन एवं आपात सेवा विभाग ने इसकी जिम्मेदारी संभाली है

प्रयागराज महाकुम्भ का पुण्य लाभ प्राप्त करने के लिए देश और दुनिया भर से 66 करोड़ 33 लाख लोग त्रिवेणी के तट पर महा कुम्भ में पहुंचे। इसके अलावा जेल में बंद बंदियों की आस्था और धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए भी पहली बार किसी सरकार ने उन्हें जेल के अंदर ही त्रिवेणी के पुण्य जल से स्नान का मौका दिया । प्रदेश की जेलों में बंद 90 हजार से अधिक कैदियों और बंदियों को इसका अवसर प्रदान करने की नायाब पहल के बाद प्रदेश में महाकुम्भ आने से वंचित रह गए लोगों के लिए भी सरकार ने पुण्य अर्जित करने का अवसर दिया। इसकी शुरूआत शुक्रवार को त्रिवेणी संगम में अग्नि शमन एवं आपात सेवा विभाग की तरफ से हुई है। महाकुम्भ के मुख्य अग्नि शमन अधिकारी प्रमोद शर्मा का कहना की शासन के निर्देश पर प्रदेश के 75 जिलों से महा कुम्भ आई दमकल का पानी खाली कराकर संगम के पवित्र जल को इनमें भरकर संगम से सभी जिलों के लिए रवाना कर दिया गया है। इस पुण्य जल से महा कुम्भ आने से वंचित रह गए लोग स्नान कर सकेंगे।

संगम का जल दमकल में भरकर सभी जनपद के लिए रवाना

यूपी के अग्निशमन तथा आपात सेवा ने प्रदेश के सभी 75 जनपदों में आज से संगम का जल पहुंचाने की नायाब पहल की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज पहुंचने पर निर्देश दिए थे कि जो लोग किन्हीं कारणों से महाकुम्भ में स्नान करने नहीं आ पाए हैं, उनके लिए सरकार संगम का जल भिजवाएगी। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप अब अग्निशमन तथा आपात सेवा ने संगम का जल दमकल में भरकर सभी जनपद के लिए रवाना कर दिया है। महा कुम्भ के मुख्य अग्नि शमन अधिकारी प्रमोद शर्मा का कहना है कि महाकुम्भ में 300 अधिक से दमकल प्रदेश के विभिन्न जिलों से मंगाई गई थी। इन सभी की जल धारण क्षमता अलग अलग है, लेकिन लगभग 5000 लीटर पानी एक दमकल में आता है। ऐसे में 5 लाख लीटर से अधिक संगम का जल इन दमकलों के माध्यम से यहां से भेजा जा रहा है।

बिहार में जल्द किया जाए सफाई कर्मचारी आयोग का गठन : मांझी

♦ पटना स्थित गांधी मैदान में हम पार्टी ने आयोजित किया दलित समागम

केटी न्यूज/पटना

पटना के गांधी मैदान में केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की पार्टी हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा की ओर से दलित समागम का आयोजन किया गया। खास बात यह रही कि इस कार्यक्रम में सीएम नीतीश कुमार समेत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के कई दिग्गज नेता पहुंचे। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने सीएम नीतीश कुमार और मंत्री विजय चौधरी का स्वागत किया। सीएम नीतीश कुमार ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सब यहां इस कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे हैं। मैं आप सबको बधाई देता हूं। आपका अभिवादन स्वीकार करता हूं। आप जल्दी बाजी कर रहे हैं, यह अच्छी बात नहीं है। वहीं दलित समागम समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री सह हम पार्टी के संरक्षक जीतन राम मांझी ने कहा कि एक बात हम अभी कहना चाहते हैं। बिहार के कोने-कोने से अपना समय बर्बाद करके हम लोगों को सुनने के लिए आए हैं। थोड़ा देर आप लोग रूके। हमारी एकता के लिए हम आए हैं। हम एकता को प्रदर्शित करने के लिए आए हैं। लोगों को पता चले कि लोग दिल से आए हैं या भाड़े पर आए हैं। आप समागम में आए हैं तो सबों की बात सुनकर के जाइए और सुनिए ही नहीं उसको अमल कीजिए। ताकि आगे आने वाला राजनीतिक में आपको फायदा हो। आज दलित की समस्या अनेक है सब कोई जानते हैं। आप कटोरा लेकर के घूमते हैं, लेकिन आज दलित की बात करने के लिए सुनने और समझने के लिए आए हैं। आप जल्दी बाजी कर रहे हैं, यह अच्छी बात नहीं है। जीतन राम मांझी ने लोगों से पूछा कि केंद्र में सफाई कर्मचारी आयोग है, लेकिन बिहार में क्यों नहीं है। जब हम मुख्यमंत्री थे तो सफाई कर्मचारी आयोग का मसौदा लाने का काम किए थे। हम जो कहना चाहते हैं, वह बात मुख्यमंत्री सुन रहे होंगे। अगर नहीं तो उनको सुनाइए। जैसे अन्य राज्यों में सफाई कर्मचारी आयोग का गठित किया गया है। वैसे इस समागम की मांग कि बिहार में सफाई कर्मचारी आयोग का गठन किया जाए। मांझी ने अपने समाज के लोगों से कहा कि अब राजनीति में एक होने की जरूरत है अगर एक नहीं होंगे तो हम लोग कटोरा लेकर के घूम रहे हैं। इसलिए 2025 के चुनाव में एक होकर के निर्णय लेने की जरूरत है। कौन लोग आगे बढ़ा हुआ है, जिसको सहयोग देने से दूसरे लोगों को हम समानांतर जा सकते हैं। अपना हक ले सकते हैं, वैसे लोगों के पक्ष में एक होकर के हमारा दलित समाज और सिर्फ समाज एक होकर के मतदान करेगा तो आगे आने वाले दिन में कोई भी प्रस्ताव हम बिहार सरकार से पास करा लेंगे।

बिहटा में नानी घर आए दो भाईयों की सोन नदी में डूबने से गई जान

केटी न्यूज/पटना

बिहटा के सोन नदी में दो सगे भाइयों की डूबने से मौत हो गई। यह घटना शुक्रवार सुबह मौदही गांव के पास हुई। दोनों बच्चे नदी में खेल रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। बच्चों को बचाने की कोशिश की गई, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। परिजनों का आरोप है कि अवैध खनन के कारण बने गड्ढों की वजह से यह दुर्घटना हुई। बिहटा थाना क्षेत्र के अंतर्गत मौदही गांव के पास सोन नदी में दर्दनाक घटना घटी। खेलते-खेलते दो मासूम बच्चे नदी में डूब गए। स्थानीय लोगों ने बच्चों को बचाने की कोशिश की। लेकिन वे नाकाम रहे। बच्चों की पहचान शिव शंकर कुमार के 8 वर्षीय बेटे विशाल कुमार और 10 वर्षीय बेटे अंकित कुमार के रूप में हुई है। दोनों बच्चे सगे भाई थे और चार-पांच दिन पहले ही अपने नानी घर आए थे। उनका घर नौबतपुर के करजा गांव में है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। गोताखोरों की मदद से दोनों बच्चों के शवों को नदी से बाहर निकाला गया।

बीजेपी न केवल जेडीयू, नीतीश को भी कमजोर करने में लगी है

तेजस्वी का दावा... नीतीश नहीं बनेंगे 2025 में बिहार के सीएम

♦ जेडीयू को अब पूरी तरह भाजपा कर रही है नियंत्रित
♦ आगामी चुनाव में बिहार की जनता महागठबंधन पर भरोसा जताएगी

केटी न्यूज/पटना

राजद नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बिहार बीजेपी अध्यक्ष दिलीप जायसवाल के बयान मुख्यमंत्री का चेहरा संसदीय बोर्ड तय करेगा पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। तेजस्वी ने दावा किया कि 2025 में नीतीश कुमार दोबारा बिहार के मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे। उन्होंने कहा कि जेडीयू को अब पूरी तरह भाजपा नियंत्रित कर रही है और नीतीश कुमार इस हकीकत से अनजान हैं। तेजस्वी का आरोप है कि बीजेपी न केवल जेडीयू, बल्कि खुद नीतीश कुमार को भी कमजोर करने में लगी हुई है। राजद नेता ने बीजेपी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पार्टी का असली एजेंडा संविधान को कमजोर करना और एजेंसियों का दुरुपयोग करना है। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी चुनावों में बिहार की जनता महागठबंधन पर भरोसा जताएगी।

राज्यपाल के अभिभाषण पर उठाए सवाल : राज्यपाल के अभिभाषण पर टिप्पणी करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि यह स्पष्ट नहीं हो रहा कि वह किस सरकार की बात कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के पास एक साल के कार्यकाल में कोई ठोस उपलब्धि नहीं है। बिहार आज भी पलायन और बेरोजगारी में शीर्ष स्थान पर है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल वही भाषण पढ़ते हैं, जो सरकार उन्हें उपलब्ध कराती है, और बजट सत्र में हकीकत को छिपाया जा रहा है।

दल-बदल पर कसा तंज : बिहार विधानसभा में विधायकों के दल-बदल पर तेजस्वी ने कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने कहा कि विधानसभा में अब नियम-कानूनों का पालन नहीं हो रहा और खुलेआम कानून की अवहेलना की जा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि विपक्षी विधायक सत्ता पक्ष में कैसे शामिल हो सकते हैं। सदन में लगातार व्हिप के उल्लंघन की घटनाएं सामने आ रही हैं, जो लोकतंत्र के लिए खतरा है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर तेजस्वी ने जताई खुशी तेजस्वी यादव ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया, जिसमें सुनील सिंह से जुड़े मामले में न्याय हुआ। उन्होंने कहा कि राजद उन विधायकों के खिलाफ कोर्ट नहीं जाना चाहता, जिन्होंने दल-बदल किया है, बल्कि चाहता है कि इस मामले का हल विधानसभा के अंदर ही निकले।

एनडीए फिर से नीतीश के चेहरे पर लड़ेगी विस चुनाव : दिलीप

पटना। बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन फिर से नीतीश कुमार के चेहरे पर ही चुनाव लड़ेगी। चुनाव के बाद सीएम भी नीतीश कुमार ही बनेंगे। यह बात बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कही है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि हमारा स्लोगन ही है 2025 में फिर से नीतीश। हमलोग उनके ही नेतृत्व में चुनाव लड़ेंगे। सीएम का चेहरा भी वहीं है। वहीं तेजस्वी यादव के निशांत कुमार के राजनीति में आने वाले बयान पर दिलीप जायसवाल ने कहा कि उनके (तेजस्वी यादव) पास कोई काम ही नहीं बचा है। जब निशांत कुमार ने खुद ही अपने पिता नीतीश कुमार को वोट देने की अपील कर रहे हैं तब कोई सवाल ही नहीं बचता है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल के इस बयान ने उन अटकलों पर विराम लगा दिया, जो गृह मंत्री अमित शाह के बयान के बाद शुरू हुआ था। दरअसल, गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार विधानसभा चुनाव में नेतृत्व को लेकर जैसे ही कहा कि यह अभी तय नहीं हुआ है और जब समय आएगा तो मीडिया को बता दिया जाएगा। तेजस्वी ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि जैसे आदमखोर होता है ना वैसे ही भाजपा आरक्षण खोर और आरक्षण चोर है। 17 महीनों के अल्प कार्यकाल में हमारे द्वारा जातिगत गणना के उपरांत दलितों-आदिवासियों और पिछड़ों-अतिपिछड़ों के लिए बढ़ाए गए। आरक्षण को बीजेपी-एनडीए की केंद्र सरकार ने संविधान की नौवीं अनुसूची में नहीं डाला और केस में फंसा दिया।

बदलेगा राशन वितरण का अनुपात, अब मिलेगा ज्यादा चावल

पटना। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत आने वाले लाभुकों के लिए मार्च 2025 से खाद्यान्न वितरण प्रणाली में बदलाव किया जाएगा। अब तक खाद्यान्न का वितरण 2:3 के अनुपात (गेहूं : चावल) में हो रहा था। लेकिन मार्च 2025 के वितरण चक्र से यह अनुपात बदलकर 1:4 (गेहूं : चावल) कर दिया जाएगा। अन्त्योदय अन्न योजना के लाभुकों को पहलेः 35 किलोग्राम खाद्यान्न (14 किलोग्राम गेहूं, 21 किलोग्राम चावल) अबः 35 किलोग्राम खाद्यान्न (07 किलोग्राम गेहूं, 28 किलोग्राम चावल) पूर्विकताप्राप्त गृहस्थी लाभुकों को पहलेः 05 किलोग्राम खाद्यान्न प्रति व्यक्ति (02 किलोग्राम गेहूं, 03 किलोग्राम चावल) अबः 05 किलोग्राम खाद्यान्न प्रति व्यक्ति (01 किलोग्राम गेहूं, 04 किलोग्राम चावल) मिलेगा।

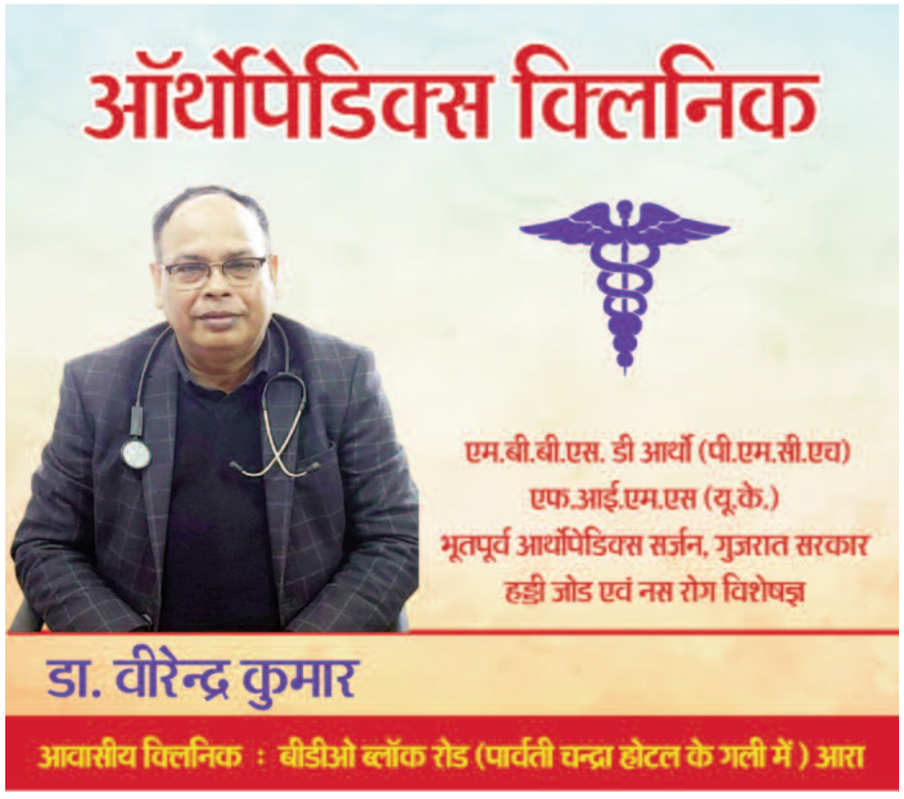

अनियंत्रित ट्रक ने 2 दोस्तों को कुचला, एक की मौत

सारण। सारण जिले के गडखा थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई तथा एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि अख्तियारपुर गांव निवासी इंद्रदेव प्रसाद गुप्ता का पुत्र समरेंद्र कुमार गुप्ता (27) मोटरसाइकिल से घर वापस लौट रहा था। इसी दौरान कमालपुर गांव के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 722 पर अनियंत्रित ट्रक ने मोटरसाइकिल को अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना में समरेंद्र की मौत हो गई तथा उसके साथ मोटर साइकिल पर बैठा दूसरा युवक धीरज कुमार साह घायल हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है।

निर्दलीय विधायक के आवास पर हमला, शंकर सिंह ने गोपाल मंडल और बीमा भारती पर लगाया आरोप

केटी न्यूज/पूर्णिया

पूर्णिया जिले के रुपौली विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय विधायक शंकर सिंह के पटना स्थित सरकारी आवास पर अज्ञात अपराधियों ने हमला किया है। बीती रात अपराधियों ने उनके घर के मुख्य गेट को तोड़ दिया और नेम प्लेट को क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना के समय विधायक अपने परिवार के साथ बाहर गए हुए थे। जब वे लौटे, तो उन्होंने यह नुकसान देखा। चौंकाने वाली बात यह है कि विधायक ने इस हमले का आरोप जदयू के विधायक गोपाल मंडल और पूर्व विधायक बीमा भारती पर लगाया है। विधायक शंकर सिंह ने कहा कि चुनाव में मिली हार से बौखलाई बीमा भारती के गुंडो ने उनके आवास के दोनों गेट पर लगे नेम प्लेट को पत्थर से तोड़ डाला। बीमा भारती को चुनौती देते हुए शंकर सिंह ने कहा है कि अगर हिम्मत है तो खुलकर सामने से हमला करें। साथ ही, यह भी कहा कि 2025 के भी विधानसभा चुनाव में भी वह जरूर लड़ेंगे। पुलिस बोली- दोषियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। विधायक शंकर सिंह ने इस घटना की लिखित शिकायत सचिवालय थाना में दर्ज कराई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। सचिवालय एसडीपीओ डॉ. अनु कुमारी ने बताया कि जल्द ही इस घटना में शामिल सभी दोषियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

नालंदा जिले के हरनौत प्रखंड के श्रीचंदपुर प्राथमिक विद्यालय में हुई घटना

मिड डे मील में अंडा और चावल खाने के बाद 80 बच्चे बीमार, अस्पताल में भर्ती

केटी न्यूज/नालंदा

नालंदा में स्कूल में एमडीएम में अंडा-चावल खाने के बाद 80 बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया। इस घटना से स्कूल और अभिभावकों में हड़कंप मच गया। नालंदा जिले में मध्याह्न भोजन के दौरान परोसे गए अंडा-चावल खाने के बाद 80 स्कूली बच्चे बीमार पड़ गए। यह घटना हरनौत प्रखंड के श्रीचंदपुर प्राथमिक विद्यालय में शुक्रवार को हुई, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। घटना के बाद बच्चों को तुरंत कल्याण विगहा रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की टीम ने उनका इलाज शुरू किया। बच्चों को अंडा खाने के कुछ ही देर बाद उल्टी, पेट दर्द और चक्कर आने जैसी शिकायतें होने लगीं। स्कूल प्रशासन ने स्थिति को गंभीरता से लेते हुए तुरंत स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों को सूचित किया और अस्पताल पहुंचाने के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था कराई। विद्यालय की शिक्षिका ऋतु कुमारी ने बताया कि दोपहर में मध्याह्न भोजन के तहत अंडा और चावल परोसा गया था। अंडा खाने के बाद कुछ बच्चों ने बेचैनी महसूस की और थोड़ी देर बाद उनकी तबीयत तेजी से बिगड़ने लगी। स्कूल स्टाफ ने तत्काल प्रशासन को सूचना दी और बीमार बच्चों को अस्पताल भिजवाया गया। अस्पताल में भर्ती बच्चों का इलाज कर रहे वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. राकेश रंजन ने बताया कि सभी बच्चों की स्थिति अब स्थिर है और खतरे से बाहर है। उन्होंने कहा कि बच्चों को फूड प्वाइजनिंग के लक्षण थे, जिनका इलाज किया जा रहा है। अभी स्थिति नियंत्रण में है और हम लगातार उनकी निगरानी कर रहे हैं। जिला प्रशासन को घटना की सूचना मिलते ही अधिकारी अस्पताल पहुंचे और बच्चों की स्थिति का जायजा लिया।

चिराग पासवान के विजन बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट को गांव-गांव तक पहुंचाना है लक्ष्य: अरुण भारती

- बक्सर में आयोजित हुई लोजपा की बैठक
- कार्यकर्ताओं ने किसी एक विस से चुनाव लड़ने की भरी हुंकार

केटी न्यूज/बक्सर

शुक्रवार को जिला मुख्यालय में लोजपा रामबिलास का बूथ स्तरीय नव संकल्प संवाद, सम्मान सह समीक्षा बैठक आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता व संचालन जिलाध्यक्ष सह पूर्व विधायक प्रत्याशी अखिलेश कुमार सिंह ने किया।

बैठक की शुरूआत में जिलाध्यक्ष ने मुख्य अतिथी व विशिष्ट अतिथी का गर्मजोशी से अंगवस्त्र, फूलमाला, टोपी व तलवार से सम्मानित किया।

इस समीक्षा बैठक में मुख्य अतिथी के तौर पर लोजपा रामविलास बिहार झारखंड के संगठन सह चुनाव प्रभारी व जमुई लोकसभा सांसद अरुण भारती, संगठन व चुनाव के सह प्रभारी खगड़िया लोकसभा सांसद राजेश वर्मा। विशिष्ट अतिथी के तौर पर राष्ट्रीय प्रवक्ता धीरेन्द्र कुमार मुन्ना व प्रदेश प्रवक्ता सह संगठन प्रभारी कुमार सौरभ सिंह भी शामिल हुए। समीक्षा बैठक में बक्सर जिला संगठन की जिला, प्रखंड, नगर, पंचायत व बुथ स्तरीय कमिटि की समीक्षा की गई।

समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए जमुई सांसद अरुण भारती ने कहा की लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान का विकसित बिहार बनाने वाला विजन बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट को हमारे एक-एक कार्यकर्ता गांव-गांव तक पहुंचा रहे है। बक्सर लोजपा रामविलास का संगठन बुथ स्तर तक काफी मजबूत है। उन्होंने कहा कि जिलाध्यक्ष अखिलेश कुमार सिंह के नेतृत्व में बक्सर काफी मजबूत है ।

वहीं, खगड़िया सांसद राजेश वर्मा ने भी कहा कि बक्सर में बुथ स्तर तक संगठन काफी मजबूत है। एनडीए गठबंधन के अंतर्गत लोजपा रामविलास बक्सर जिला में विधान सभा सीट निश्चित तौर पर लडेगी। उन्होंने कहा कि पुराने कार्यकर्ता जो वर्षों से पार्टी के प्रति समर्पण के भाव से कार्य कर रहे है, उनको ही प्राथमिकता दी जाएगी।

इस दौरान जिला लोजपा रामविलास के जिला प्रभारी ललन पासवान, जिला सह प्रभारी विजय सिंह यादव, प्रदेश सचिव संजय कुमार पासवान, विवेक पांडेय, नौशाद आलम, उरजेश राय, अर्जुन तिवारी, राजीव रंजन पासवान, अरुण कुमार पासवान, ठाकुर भानुशंकर सिंह, ओमप्रकाश मिश्रा, जनार्दन पासवान, अभिषेक पांडेय, रामजी राय, सुनिल बारी, जंगबहादुर पासवान, अलीशेर शाह, गिरदावल राजभर, तुफान राज पासवान, ओमप्रकाश पासवान, मनोज सिंह, विजय तिवारी, हरेराम चौबे, शैलेन्द्र तिवारी, विजय बहादुर सिंह, धर्मपाल पांडेय, संजीव राय, राहुल चौबे, रिंकू पांडेय, सुनील पासवान, सुरेन्द्र उपाध्याय, राजेश राम, राकेश दुबे, गोल्डी दुबे, अतुल पासवान, कृष्णा रजक, दीपक कुमार सिंह, ध्रूव पासवान, प्रवीण तिवारी, मुकुंद बारी, राजु पासवान, बिकास भगत, अप्पू चौबे, गोलु श्रीवास्तव, पपु कुमार पासवान, विष्णु कांत प्रियदर्शी, सुरेन्द्र राम सहित सैकड़ो कार्यकर्ता शामिल हुए।

पशुपालन व मत्स्य विभाग की समीक्षा के दौरान सख्त दिखे डीएम, दिए कई निर्देश

सुबह एवं शाम सभी भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारियों की ली जाये उपस्थिति : डीएम

- सिमरी के डुमरी व इटाढ़ी के उनवास में प्रथम वर्गीय पशु चिकित्सालय के लिए संबंधित सीओ को प्रस्ताव अनुमोदन का दिया निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को पशुपालन एवं मत्स्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में की गई। समीक्षा बैठक में जिला पशुपालन पदाधिकारी ने डीएम को बताया कि वर्तमान में विभाग द्वारा समेकित मुर्गी विकास योजना अंतर्गत तीन हजार क्षमता का ब्रायलर मुर्गी फार्म तथा पांच हजार एवं 10 हजार क्षमता का लेयर मुर्गी फार्म योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में विभाग द्वारा समेकित बकरी एवं भेड़ विकास योजना अंतर्गत 20 बकरी पर एक बकरा, 40 बकरी पर दो बकरा तथा 100 बकरी पांच बकरा क्षमता योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। समीक्षा के क्रम में प्रखंड केसठ में पशु चिकित्सक की उपस्थिति के संबंध में पूछने पर जिला पशुपालन पदाधिकारी ने बताया कि कार्यालय में एक भी कर्मी का पदस्थापन नहीं है, केवल एक भ्रमणशील पशु चिकित्सक है। जिला पशुपालन पदाधिकारी बक्सर को प्रखंड केसठ के चिकित्सालय का निरीक्षण एवं पदस्थापित भ्रमणशील पशु चिकित्सक के कार्यों की समीक्षा करने का निर्देश दिया गया।

डुमरी व उनवास में बनेगा प्रथम वर्गीय पशु चिकित्सालय : बैठक के दौरान जिला पशुपालन पदाधिकारी ने बताया कि प्रखण्ड सिमरी के डुमरी व इटाढ़ी के उनवास में प्रथम वर्गीय पशु चिकित्सालय के लिए दोनों जगहों के अंचलाधिकारी द्वारा भूमि चयनित कर प्रस्ताव अनुमोद के लिए भूमि सुधार उपसमाहर्ता बक्सर एवं डुमरांव को उपलब्ध कराया गया है। इस संबंध में प्रभारी पदाधिकारी जिला विकास शाखा बक्सर को निर्देश दिया गया कि जिला राजस्व शाखा बक्सर में अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक कार्रवाई करना सुनिश्चित करेंगे।

लाभुकों को 60 प्रतिशत अनुदान दिए जाने का प्रावधान है : समीक्षा के क्रम में जिला पशुपालन पदाधिकारी ने बताया कि विभाग द्वारा बकरी फार्म स्थापित करने के लिए लाभुकों का चयन हुआ है, जिसमें सामान्य कोटि के लाभुकों को 50 प्रतिशत एवं अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति कोटि के लाभुकों को 60 प्रतिशत अनुदान दिए जाने का प्रावधान है। उक्त योजना का लाभ लेने के लिए नियमानुसार ऑनलाईन आवेदन में चयनित लाभुकों द्वारा एकरारनामा किया जा चुका है एवं 60 दिनों के अन्दर कार्य पूर्ण किए जाने संबंधित जानकारी दी गई है। वित्तीय वर्ष 2016-17 से 2023-24 तक कुल 17 लाभान्वित पशुपालकों को लाभ हेतु चयनित किया गया है, जिसमें 16 लाभुकों को दोनों किस्तों की राशि का भुगतान किया जा चुका है। जबकि राजपुर प्रखंड के रसेन खुर्द निवासी अली मोहम्मद के द्वितीय किस्त की राशि का भुगतान लंबित है। डीएम ने निर्देश दिया कि विभागीय निदेर्शानुसार एक सप्ताह के अंदर द्वितीय किस्त की राशि का भुगतान कराना सुनिश्चित करें।

शेड निर्माण पर लाभुकों को दी जाती है पहली किस्त की राशि : जिला पशुपालन पदाधिकारी ने मुर्गी विकास योजना के संबंध में बताया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 में तीन हजार क्षमता के ब्रायलर पोल्ट्री फार्म की स्थापना के लिए पांच लाभुकों का चयन हुआ है एवं ऋण स्वीकृति का कार्य प्रक्रियाधीन है। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2018-19 से वर्ष 2022-23 तक कोई लक्ष्य प्राप्त नहीं है। जबकि स्व लागत योजना से शेड का निर्माण लाभुकों द्वारा किये जाने के बाद पहली किस्त की राशि दी जाती है। इसके लिए दो माह का समय विभाग द्वारा निर्धारित है, लेकिन पांच माह बीत जाने के बाद भी एकरारनामा के अनुसार अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गयी है, जो खेदजनक है। जिला पशुपालन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि एकरारनामा के अनुसार ससमय योजना का कार्य पूर्ण कराते हुए प्रतिवेदन उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। इसके बाद जिला मत्स्य पदाधिकारी ने मत्स्य विभाग की उन योजनाओं की जानकारी दी जिसका क्रियान्वयन किया जा रहा है।

जिला पशुपालन पदाधिकारी ने बैठक में जिलाधिकारी को दिगभ्रमित करने का किया प्रयास

जिले के सभी पशु चिकित्सालयों के कर्मियों के वेतन भुगतान एवं कार्यों की समीक्षा के क्रम में डीएम ने पाया कि प्रत्येक प्रखंड स्थित पशु चिकित्सालय में डाटा इन्ट्री ऑपरेटर एवं कार्यालय परिचारी का पदस्थापन है। जबकि जिला पशुपालन पदाधिकारी ने दिगभ्रमित करने का प्रयास किया है। वे केवल बैठक में उपस्थिति की औपचारिकता पूरी कर रहे है। डीएम ने जिला पशुपालन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि एक मार्च से सुबह 10 बजे एवं शाम पांच बजे जिले के सभी भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारियों की उपस्थिति ली जाय एवं प्रतिदिन उनके द्वारा किए गए कार्यों का प्रतिवेदन प्राप्त कर जिला गोपनीय शाखा को उपलब्ध कराया जाए। साथ ही निर्देश दिया गया कि प्रत्येक सप्ताह या 15 दिनों पर सभी पशु चिकित्सा पदाधिकारियों के कार्यों की समीक्षा एवं चिकित्सालयों का निरीक्षण कर जिला पशुपालन पदाधिकारी इसकी रिपोर्ट देंगे।

एक नजर

विवाहिता ने की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

बक्सर। जिले के धनसोई थाना क्षेत्र के सिसौंधा गांव में गुरुवार की देर शाम एक विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही धनसोई पुलिस मौके पर पहुंच मामले की जांच में जुट गई। आत्महत्या के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका, जिसके बाद पुलिस ने एफएसएल टीम को बुलाकर साक्ष्य इकट्ठा कराया। वहीं, शव को कब्जे में ले पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया है। पुलिस के अनुसार, मृतका कश्मीरा देवी (38) सिसौंधा गांव के राजू सिंह की पत्नी थीं। राजू सिंह काम के सिलसिले में बाहर रहते हैं, जबकि कश्मीरा अपनी सास और तीन बच्चों के साथ गांव में रह रही थीं। गुरुवार शाम उन्होंने अपने घर में पंखे की कुंडी से फांसी लगा ली। काफी देर तक जब घर के बच्चों ने उन्हें नहीं देखा तो खोजबीन की। मां को फंदे से लटका देख वे घबरा गए और शोर मचाया। शोर सुनकर ग्रामीण पहुंचे और तुरंत पुलिस को सूचना दी। थानाध्यक्ष ने बताया कि कश्मीरा की शादी करीब 20 साल पहले राजू सिंह से हुई थी। उनके तीन बच्चे 13 वर्ष की एक बेटी और 8 व 7 वर्ष के दो बेटे हैं। घर के अन्य सदस्य बाहर रहते हैं, जिससे कश्मीरा अपनी सास और बच्चों के साथ ही गांव में रहती थी। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आत्महत्या के पीछे के कारणों की जांच की जा रही है।

मुक्त कारागार में कैंप लगाकर बंदियों को दिलाएं वृद्धा पेंशन योजना का लाभ: डीएम

बक्सर। राज्य कारा एवं सुधार सेवाएं के महानिरीक्षक से प्राप्त निदेश एवं बिहार कारा हस्तक 2012 के नियम 262 के आलोक में मुक्त कारागार में शुक्रवार को बंदियों की शिकायतों के निवारण के लिए जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता बंदी दरबार का आयोजन किया गया। जिसमें कई बंदियों के द्वारा अपने असमय कारा मुक्ति हेतु अन्य जिला से मंतव्य आने में विलम्ब होने की स्थिति में जिलाधिकारी से अनुरोध किया गया। जिस पर जिलाधिकारी ने काराधीक्षक एवं प्राबेशन पदाधिकारी को संबंधित जिलो से समन्वय स्थापित कर बंदियों के असमय कारा मुक्ति से संबंधित मंतव्य प्राप्त करने संबंधी नियमानुसार कार्रवाई करने हेतु निदेशित किया। वहीं, एक दिव्यांग बंदी के द्वारा अपने परिवार के भरण-पोषण के संबंध में भी अनुरोध किया। जिसके आलोक में जिलाधिकारी ने मुक्त कारागार में कैम्प लगाकर वृद्धा पेंशन योजना से आच्छादित करने हेतु सहायक निदेशक जिला दिव्यांग सशक्तिकरण कोषांग एवं सहायक निदेशक जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग बक्सर को निदेशित किया गया। साथ ही, कुछ बंदियों ने अपने ईलाज के लिए हायर सेन्टर में भेजने हेतु जिलाधिकारी से अनुरोध किया। जिलाधिकारी ने सिविल सर्जन को मुक्त कारागार में विशेष कैम्प लगाकर बंदियों के स्वास्थ्य जांच करने का निर्देश दिया।

देशी शराब की खेप के साथ दो धराये, जेल

डुमरांव। कोरानसराय पुलिस ने देसी शराब की खेप के साथ अलग-अलग जगहों से दो तस्करों को धर दबोचने में सफलता पायी है। पुलिस ने इन तस्करों के पास से 31 लीटर देसी शराब बरामद किया है।

स्थानीय पुलिस ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कोरानसराय-चौंगाई मार्ग पर शराब की खेप को होम डिलीवरी करने जा रहा एक तस्कर धर पकड़ाया। जिसकी पहचान नावानगर के पनियारी गांव निवासी रघुवर पासवान के पुत्र वीरू पासवान के रूप में हुई है। पुलिस ने इसके पास से 21 लीटर देसी शराब बरामद किया है। वहीं दूसरी ओर मठिला गांव में छापेमारी कर दस लीटर देसी शराब के साथ तस्कर प्यारेलाल रजक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि दोनों तस्करों के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए उन्हें जेल भेज दिया गया।

शराब तस्करों पर रखें विशेष नजर: एसपी

केटी न्यूज/डुमरांव

एसपी शुभम आर्य शुक्रवार को चक्की थाना पहुंचे। उन्होंने थाना का निरीक्षण करने के साथ ही घंटो केस संबंधित फाइलों को खंगाला तथा कई बिंदुओं पर थानाध्यक्ष समेत संबंधित पुलिस पदाधिकारी को कई आवश्यक निर्देश दिए।

इस दौरान एसपी ने थानाध्यक्ष संजय पासवान को होली के मद्देनजर शराब तस्करों के खिलाफ विशेष अभियान चलाने को कहा। उन्होंने कहा कि चूकि यह थाना गंगा के किनारे है तथा यूपी की सीमा से सटा है, जिस कारण इस थाना क्षेत्र से शराब तस्कर यूपी से शराब की खेप लेकर आ सकते है। उन्होंने कहा कि होली का त्योहार नजदीक है, इस दौरान शराब तस्कर सक्रिय हो सकते है। इस पर लगाम लगाना पुलिस की जिम्मेवारी है। वहीं, उन्होंने लंबित कांडो का समय से निष्पादन करने, फरार वारंटियों व अपराधियों को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया।

एसपी ने कहा कि अपराध नियंत्रण के लिए अपराधियों की गिरफ्तारी व तस्करी के जीरो टॉलरेंस की नीति को कारगर बनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि चक्की थाना दियारा क्षेत्र का महत्वपूर्ण थाना है। उन्होंने कहा कि अब इस थाना को नया भवन मिल गया है तथा पुलिसकर्मियों को अब अपने कार्यों के निष्पादन में काफी सुविधा मिल रही है। एसपी ने कहा कि इसका फायदा क्षेत्र की जनता को भी मिलना चाहिए। उन्होंने थानाध्यक्ष समेत सभी पुलिस पदाधिकारियों से पुलिस पब्लिक फ्रेंडली को बढ़ावा देने को कहा और बताया कि आम जनता के सहयोग से ही अपराध व तस्करी पर लगाम लगाया जा सकता है। एसपी ने कहा कि थाना परिसर हमेशा चकाचक दिखना चाहिए। इसका प्रयास सभी को मिलकर करना चाहिए। निरीक्षण के दौरान डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी, थानाध्यक्ष संजय पासवान समेत कई अन्य पुलिस पदाधिकारी व पुलिसकर्मी मौजूद थे।

राज्य स्तरीय विज्ञान और गणित मेला में शामिल हुए जिले के कई छात्र-छात्राएं

मेले में बक्सर की बेटियों का रहा जलवा

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के मध्य विद्यालय नियाजीपुर, सिमरी की छात्राओं ने राज्य स्तरीय विज्ञान और गणित मेला सह प्रदर्शनी में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। छात्रा निधि कुमारी, दुर्गा कुमारी और शिक्षिका नेहा मिश्रा को राज्य शिक्षा एवं शोध संस्थान, पटना में गणित विषय में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया है।

जानकारी के अनुसार राज्य के विभिन्न जिलों से आए प्रतिभागियों के बीच बक्सर की छात्राओं के मॉडल को विशेष रूप से सराहा गया। इस कार्यक्रम का आयोजन एससीईआरटी पटना के तत्वावधान में मंत्रा फॉर चेंज और एजुकेशन एबव ऑल के सहयोग से किया गया था। कार्यक्रम का उद्घाटन शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने किया, जिन्होंने जिले के स्टॉल पर जाकर बच्चों के मॉडलों को देखा और उनकी सराहना की। इस अवसर पर बक्सर जिले की ओर से डायट व्याख्याता दिनेश कुमार सिंह, बिहार शिक्षा परियोजना के कार्यक्रम सहायक रवि भूषण सहनी, जिला तकनीकी टीम के सदस्य दुर्गमांगे और संदीप कुमार आर्य, मध्य विद्यालय हरपुर के शिक्षक राहुल कुमार, छात्रा कुसुम कुमारी और गौरी कुमारी भी उपस्थित रहे।

विज्ञान और गणित को रोचक और व्यावहारिक रूप से सीखने पर जोर देते हुए, जिला तकनीकी टीम के सदस्य दुर्गमांगे उपाध्याय ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य आलोचनात्मक चिंतन, सहयोग, रचनात्मकता और संवाद कौशल को विकसित करना है।

मध्य विद्यालय नियाजीपुर को राज्य स्तर पर सम्मानित होने पर डीईओ अमरेंद्र पांडेय और डीपीओ (समग्र शिक्षा) सारिक अशरफ ने प्रसन्नता व्यक्त की और लर्निंग टीम के उज्जवल भविष्य की कामना की। यह उपलब्धि न केवल विद्यालय के लिए, बल्कि पूरे बक्सर जिले के लिए गर्व का विषय है। डीईओ ने कहा कि नियाजीपुर की छात्राओं ने जिस प्रतिभा का प्रदर्शन किया है वह वाकई काबिले तारीफ है। उन्होंने छात्रों को बेहतरीन मॉडल बनाने में सहयोग के लिए लिए शिक्षिका नेहा मिश्रा की जमकर तारीफ की और कहा कि एक कुशल शिक्षक शिल्पकार सरीखा होता है। वहीं, डीपीओ समग्र शिक्षा मो. शारिक अशरफ ने कहा कि नियाजीपुर विद्यालय की बच्चियों का प्रदर्शन पूरे जिले के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि बक्सर के छात्रों में मेधा की कमी नहीं है, जरूरत है उन्हें तरासने वालों की। उन्होंने छात्राओं को तराशने के बेहतर प्रयास के लिए शिक्षिका नेहा मिश्रा की तारीफ भी की।

प्रकृति को बचाने और नदियों के संरक्षण में विज्ञान की भूमिका सबसे अहमः उप विकास आयुक्त

केटी न्यूज/बक्सर

♦ प्रकृति के संरक्षण के लिए नित नये आयाम स्थापित कर रहे हैं इंजिनियरिंग कॉलेज के छात्र

जिलाधिकारी सह जिला गंगा समिति के अध्यक्ष अंशुल अग्रवाल के निर्देश पर शुक्रवार को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2025 के अवसर पर जिला गंगा समिति बक्सर एवं राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय, बक्सर के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यायान प्रतियोगिता का विषय गंगा की स्वच्छता में विज्ञान एवं प्रकृति की भूमिका थी, जिसमें बक्सर इंजिनियरिंग के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ उप विकास आयुक्त डॉ. महेंद्र पॉल, वरीय अपर समाहर्ता सौरव आलोक, राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय के प्राचार्य आर एन राय, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी बक्सर, प्रतिमा कुमारी, जिला परियोजना पदाधिकारी जिला गंगा समिति, शैलेश कुमार राय आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। अतिथियों ने इस मौके पर पर्यावरण संरक्षण के उदेश्य से अभियंत्रण कॉलेज परिसर में पौधरोपण भी किया।

चुनौतियों से निपटने में काफी आसानी हुई है : अपने संबोधन में डीडीसी ने कहा कि नदियों का संरक्षण में विज्ञान की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। दिन प्रतिदिन विज्ञान के बढ़ते प्रारूप से हमे चुनौतियों से निपटने में काफी आसानी हुई है। आज के समय में एसटीपी इत्यादि के माध्यम से गंदे पानी को भी साफ किया जा रहा है। डीडीसी ने कहा कि हमें प्रकृति के संरक्षण के लिए विज्ञान का साकारात्मक उपयोग करना होगा। उन्होंने कहा कि विज्ञान वरदान और अभिशाप दोनों है। हमें इसके वरदान वाले पक्ष की तरफ मुड़ना होगा, तभी हम पर्यावरण को स्वच्छ बना सकते है। वहीं, वरीय उप समाहर्ता सह नोडल अधिकारी जिला गंगा समिति सौरव आलोक ने बताया कि विज्ञान के छात्रो को गंगा की स्वच्छता व प्रकृति संरक्षण के क्षेत्र में और भी नवीकरण सोच को अपनाने की जरूरत है। ताकि आम छात्र और लोग प्रभावित होकर गंगा की स्वच्छता और निर्मलीकरण अभियान में हिस्सा ले सकें। उन्होंने विज्ञान के छात्रों को इस विषय में और गहन शोध करने की नसीहत दी।

लोगों को जागरूक करने का कार्य करेंगे : राजकीय अभियंत्रण कॉलेज के प्राचार्य आर एन राय ने बताया कि हमारे छात्र प्रकृति से संरक्षण के लिए नये नये आयाम हासिल कर रहे है। आने वाले दिनों में गंगा की स्वच्छता के लिए भी अपने छात्रों के माध्यम से हम कई प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का कार्य करेंगे, ताकी लोगों में गंगा की सफाई के प्रति रूझान बढ़े। उन्होंने कहा कि गंगा की सफाई में सबका सहयोग जरूरी है। व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अंकित कुमार, द्वितीय स्थान सत्यमेव जयते एवं तृतीय स्थान विशाल कुमार ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले छात्रों को पुरस्कार राशि और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान उप विकास आयुक्त ने उपस्थित सभी प्रतिभागियों को गंगा की स्वच्छता व प्रकृति संरक्षण हेतु शपथ भी दिलायी।

खबरें फटाफट

होली को ले शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में सजने लगे कपड़ों के बाजार

डुमरांव। होली महापर्व आगामी 14 मार्च को मनाया जायेगा। इसकी तैयारी अभी से ही शुरू कर दी गयी है। स्थानीय शहर के कपड़ा मंडी में रंग-बिरंगी साड़ियां व रेडीमेड की दुकानें सजने लगी है। खरीदार अभी से ही अपनी पसंद के कपड़ो की खरीदारी कर रहे है। रंगों के पर्व को लेकर बाजार भी गुलजार होने लगे है। शहर के दुकानों पर कुर्ता, पैजामा, धोती, साड़ी, कुर्ती, सूट, सलवार के अलावे बच्चों के रंग-बिरंगे सूट टंग गये है। व्यवसायियों को भी उम्मीद हैं कि इस बार शादी-विवाह के मौसम के साथ ही होली का महापर्व मनाया जायेगा। जिसको लेकर करोबार बेहतर होने की आस जगी है। कारोबारी दिल्ली, कलकत्ता, सूरत, जयपुर आदि जगहों से हर वैराइटीज में मालों को मंगाकर स्टॉक करना शुरू कर दिए है। ग्राहक भी दुकानों पर सामानों की खरीदारी शुरू कर दी है। पर्व नजदीक आते ही बाजारों में चहल-पहल बढ़ने लगी है। बच्चे-बड़े अपने पसंद के कपड़ो की सलेक्शन करने में जुटे है। युवा वर्ग कपड़ों की खरीदारी कर टेलर वालों से नपवा रहे है।

अपर समाहर्ता ने की राजस्व संबंधी कार्यों की समीक्षा बैठक, दिए निर्देश

75 दिनों से अधिक लंबित दाखिल खारिज के मामलों की करें जल्द समीक्षाः एडीएम

♦ मार्च के अंत तक शत प्रतिशत लगान वसूली का दिया निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

अपर समाहर्ता कुमारी अनुपम सिंह की अध्यक्षता में राजस्व संबंधी कार्यों की समीक्षात्मक बैठक शुक्रवार को समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में की गई। बैठक में बक्सर व डुमरांव के भूमि सुधार उप समाहर्त्ता के साथ सभी अंचल अधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान जनवरी के लिए विभाग द्वारा जारी रैंकिंग में अंचल चौसा, सिमरी एवं ब्रह्मपुर तथा भूमि सुधार उप समाहर्त्ता बक्सर एवं डुमरांव का रैंकिंग संतोषजनक पाया गया। अंचल अधिकारी नावानगर एवं चौगाई का रैंकिंग क्रमशः 410 एवं 429 रहने पर अपर समाहर्ता ने नाराजगी जताई। अंचल अधिकारी, नावानगर एवं चौगाई को अगले माह में क्रमशः 250 एवं 140 रैंकिंग लाने का निर्देश दिया गया। सभी अंचल अधिकारियों को रैंकिंग में प्रगति लाने का निर्देश दिया गया। अंचल अधिकारी, नावानगर एवं चौगाई का रैंकिंग काफी खराब रहने के कारण शो-कॉज पूछने का निर्देश दिया गया।

डुमरांव अनुमंडल में संतोषजन नहीं है अभियान बसेरा- 2 की प्रगति : अभियान बसेरा-2 में चौसा राजपुर एवं इटाढ़ी का प्रगति संतोषजनक पाया गया। डुमरांव अनुमण्डल में अभियान बसेरा-2 की प्रगित अपेक्षानुरूप नहीं होने के कारण खेद व्यक्त करते हुए भूमि सुधार उप समाहर्त्ता डुमरांव को निर्देश दिया गया कि अभियान बसेरा-2 की समीक्षा करते हुए डुमरांव अनुमण्डल के सभी अंचलों में 80 प्रतिशत लैण्ड एलाटमेन्ट कराते हुए प्रगति लाने का निर्देश दिया गया।

लंबित दाखिल खारिज मामलों का करें शीघ्र निष्पादन : दाखिल-खारिज सभी सीओ को निदेशित किया गया कि 75 दिनों से ज्यादा वाले लंबित सभी मामलों का निष्पादन एक सप्ताह के अन्दर सुनिश्चित करेंगे। भूमि सुधार उप समाहर्त्ता बक्सर एवं डुमरांव को निर्देश दिया गया कि अगले माह की पांच तारीख तक 75 दिनों से ज्यादा वाले लंबित सभी मामलों का समीक्षा करते हुए निष्पादन कराना सुनिश्चित करेंगे।

शत प्रतिशत करें राजस्व की वसूली : भू-लगान समीक्षात्मक बैठक में पाया गया कि विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य के विरूद्ध कम वसूली की गयी है। माह फरवरी तक 85 प्रतिशत की वसूली की जानी थी। सभी अंचल अधिकारी को निदेशित किया गया कि कार्ययोजना बनाते हुए सभी जमाबन्दीधारी से शत-प्रतिशत लगान की वसूली सुनिश्चित करते हुए मार्च के अंत तक शत-प्रतिशत की वसूली सुनिश्चित करेंगे। भूमि सुधार उप समाहर्त्ता को निदेशित किया गया कि अंचल निरीक्षण के दौरान लगान वसूली की समीक्षा विशेष रूप से करना सुनिश्चित करेंगे। बक्सर जिलान्तर्गत कुल सरकारी भूमि का प्लाट 34483 में किसी भी अंचल द्वारा सत्यापन नहीं किया गया है। सभी अंचल अधिकारी को निर्देश दिया गया कि उक्त सभी प्लाट का सत्यापन करने का निर्देश दिया।

परिमार्जन प्लस के लंबित आवेदनों को देख कर एडीएम ने जताई नाराजगी

परिमार्जन प्लस की समीक्षा के क्रम में पाया गया कि सीओ एवं राजस्व कर्मचारी के स्तर पर ज्यादा आवेदन लंबित है। सभी अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि हल्कावार इसकी समीक्षा कर राजस्व कर्मचारियों के पास कितने आवेदन लंबित है, इसकी गणना कर शीघ्र निष्पादन कराना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही राजस्व कर्मचारी जो कार्य के प्रति लापरवाही बरत रहे है, उनसे स्पष्टीकरण कर अनुशासनिक कार्रवाई हेतु प्रतिवेदित करेंगे। बक्सर एवं डुमरांव डीसीएलआर को निर्देश दिया गया कि परिमार्जन प्लस पर लंबित आवेदन को समीक्षा कर निष्पादन कराना सुनिश्चित करेंगे। सरकारी भूमि से संबंधित अंचल ब्रह्मपुर 10 मौजा, अंचल बक्सर में सात मौजा, अंचल चौसा में दो मौजा एवं अंचल सिमरी में एक मौजा का पोर्टल पर इन्ट्री नहीं किया गया है। संबंधित अंचलाधिकारी को निर्देश दिया गया कि सरकारी भूमि का खतियान एवं भूमि उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में संबंधित भूमि सुधार उप समाहर्ता के माध्यम से अगले माह तक स्पष्ट प्रतिवेदन उपलब्ध कराएं।

एक नजर

बक्सर में 12.5 किग्रा गांजा के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार, कार भी जब्त

बक्सर। जिले के औद्योगिक थाना क्षेत्र से स्थानीय पुलिस ने गुप्त सूचना पर 12.480 किग्रा गांजे साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनकी बलेनो कार भी जब्त कर ली है। बताया जाता है कि गांजा की यह खेप उत्तर प्रदेश से बिहार के सारण जिले में ले जाई जा रही थी। गिरफ्तार तस्करों में दो यूपी के तथा एक छपरा का निवासी है। वहीं, पुलिस ने उनकी मोबाईल भी जब्त कर ली है। मिली जानकारी के अनुसार औद्योगिक थाने की पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि मादक पदार्थों के तस्कर वीर कुंवर सिंह सेतु के रास्ते एक बड़ी खेप लेकर जाने वाले है। जिसकी सूचना मिलने पर औद्योगिक थाने की पुलिस ने एनएच 922 पर निरंजनपुर पेट्रोल पंप के पास वहान चेकिंग अभियान शुरू कर दिया। वाहनों की जांच के दौरान एक बलेनो कार आती दिखाई दी। पुलिस ने जब उसे रूकवाया तो उसमें सवार लोगों की बेचैनी बढ़ गई। इसके बाद पुलिस ने जब तलाशी तो उसमें 12.480 किग्रा गांजा बरामद हुआ। कार से गांजा की खेप मिलने के बाद पुलिस ने उसमें सवार तीनों युवकों को गिरफ्तार करने के साथ ही कार को जब्त कर थाने लाई। गिरफ्तार तस्करों में यूपी के गाजीपुर जिले के बलेसर थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव निवासी अरविंद गुप्ता, इसी जिले के कस्माबाद थाना क्षेत्र के नोशपुर गांव निवासी अरमान अंसारी तथा बिहार के छपरा जिले के रिविलगंज गांव निवासी प्रिंस कुमार शामिल है। पुलिस ने तस्करों को मोबाईल भी जब्त कर लिया है तथा उनसे पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। औद्योगिक थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना पर यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि तस्करों से पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

आगामी 10 मार्च को विधानमंडल का घेराव करेंगे वित्त रहित शिक्षक व शिक्षकेत्तर कर्मी

♦ मांगों के समर्थन में वित्त रहित कर्मियों ने किया एक दिवसीय हड़ताल

केटी न्यूज/डुमरांव

वित्त रहित संयुक्त संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर नया भोजपुर स्थित एपी शर्मा भोज प्लस टू उच्च विद्यालय के सभी शिक्षक तथा शिक्षकेत्तर कर्मियों ने शुक्रवार को एक दिवसीय हड़ताल किया।

इस दौरान शिक्षक तथा शिक्षकेत्तर कर्मियों ने कहा कि राज्य सरकार वित्त रहित शिक्षा के प्रति उदासीन रवैया अपना रही है। जिससे उनका जीवन नारकीय हो गया है। कर्मियों ने कहा कि यदि 9 मार्च तक सरकार उनकी मांगों को पूरा नहीं करती है तो राज्यभर के सभी शिक्षक व शिक्षकेत्तर कर्मी 10 मार्च को विधानमंडल का घेराव करेंगे। पूरे राज्य में इसकी तैयारी की जा रही है। उनकी प्रमुख मांगों में वित्त रहित माध्यमिक विद्यालयों के निलंबित किए गए कोड का निलंबन वापस लेने, अनुदान के बदले वेतनमान देने, सात वर्षों के बकाए अनुदान का एकमुश्त भुगतान करने तथा शिक्षकों का सेवाकाल और पांच वर्ष बढ़ाने की मांग शामिल है।

इन मांगों के समर्थन में इस विद्यालय के सभी शिक्षक व शिक्षकेत्तर कर्मी हड़ताल पर रहे। उनका कहना था कि राज्य सरकार शीघ्र उनकी मांगों को पूरा नहीं करेगी तो निर्धारित तिथि को विधानमंडल के घेराव के बाद चरणबद्ध तरीके से आंदोलन किया जाएगा। हड़ताल में शामिल होने वाले कर्मियों में बीरेन्द्र सिंह, पीतांबर सिंह, बुद्धिराम सिंह, हरेन्द्र श्रीवास्तव, हरेन्द्र प्रसाद, मो. असगर खां, शहाबुद्दीन खां, मो. तारिक, मो. फारूक, मो. माज, रामजतन पांडेय, दुनमुन यादव, गोवर्द्धन वर्मा, अखिलेश प्रसाद आदि कर्मी शामिल रहे।

करतल ध्वनि के बीच महाकाल की हुई आरती

ब्रह्मपुर। स्थानीय प्रखंड अंतर्गत रघुनाथपुर तुलसी स्थान महाकालेश्वर प्रतिष्ठा महायज्ञ की पूर्णाहुति एवं महारुद्र भंडारे के बाद रात्रि में महाकाल की भव्य आरती हुई। पंडित राजूजी महाराज, पवन मिश्रा, विकास मिश्रा आदि विद्वान पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ महाकाल की स्तुति के पश्चात ढोल, मंजीरे और डमरू की करतल ध्वनि के बीच महाकाल की भस्म, धूप और 108 दीपों वाले दीप से भव्य आरती की गई।

आरती के समय पूरा मंदिर प्रांगण श्रद्धालु भक्तों से भर गया था। आरती के बाद हर हर महादेव और जय श्री महाकाल के नारों से पूरा मंदिर गुंजायमान हो गया था और तुलसी स्थान का माहौल शिवमय बन गया था। बता दें कि महाकालेश्वर प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ को लेकर पिछले साल दिनों से रघुनाथपुर और आसपास का माहौल भक्तिमय बना हुआ है। प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के दौरान लाखों भक्तों ने महाकाल के दर्शन, पूजन, कीर्तन और कथा का आनंद लिया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर राज प्लस टू उच्च विद्यालय में आयोजित हुई विज्ञान प्रदर्शनी

नमामि गंगे प्रोजेक्ट के तहत गंगा नदी की स्वच्छता पर छात्रों ने बनाए शानदार मॉडल

केटी न्यूज/डुमरांव

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर शुक्रवार को स्थानीय राज प्लस टू उच्च विद्यालय के प्रांगण मे गंगा स्वच्छता विज्ञान प्रदर्शनी के अंतर्गत विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस विज्ञान प्रदर्शनी में छात्रों ने नमामि गंगे प्रोजेक्ट कार्यक्रम के तहत गंगा जल को कैसे स्वच्छ किया जाए, इस पर मॉड्यूल बना प्रदर्शित किए। इसके अलावे हाइड्रोलिक ब्रिज एवं अन्य प्रोजेक्ट बनाकर छात्रों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इस प्रदर्शनी में छात्रों ने एक से बढ़कर एक मॉड्यूल बनाए थे। सबसे अधिक आकर्षक मॉड्यूल गंगा के स्वच्छता विषय पर था, जिसे देख शिक्षक तथा आगंतुकों ने भी छात्रों की प्रतिभा की जमकर सराहना की। शिक्षकों ने इस प्रदर्शनी में भाग लेने वाले छात्रों की जमकर तारीफ की। जिसमें प्रतिभागी के रूप प्रथम स्थान एनसीसी कैडेट अखिलेश कुमार द्वितीय एनसीसी कैडेट आदित्य कुमार एवं तृतीय स्थान अभिषेक कुमार ने स्थान प्राप्त किया। विजेता छात्रों को प्रशस्ति पत्र दिया गया। इसके अलावे सभी प्रतिभागियों को विद्यालय परिवार द्वारा सांत्वना पुरस्कार दिया गया। प्रदर्शनी के आयोजन से छात्रों में उत्साह का संचार कर गया था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वरीय शिक्षक ब्रजेश कुमार चौबे ने किया। प्रोजेक्ट निर्माण में विज्ञान शिक्षिका नफीसा नाज की भूमिका अहम रही। उन्होंने पिछले एक सप्ताह से इसकी तैयारी शुरू कराई थी तथा छात्रों को प्रेरित कर उनसे कई बेहतरीन मॉड्यूल बनवाए। इस प्रदर्शनी को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक अभयानंद प्रजापति, कृष्ण बिहारी प्रसाद, उमेश कुमार ओझा, डॉ. रंजन सिन्हा, सुमन कुमारी, अभिमन्यु प्रताप सिंह, राजेश कुमार गुप्ता, परमजीत राम, उपेन्द्र यादव, तेज प्रताप सिंह एवं कृष्ण कुमार ओझा ने सराहनीय भूमिका निभाई।

लोक सेवा प्रदायगी में बक्सर लगातार छह माह से पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान पर कायम

- समय सीमा के भीतर सेवा प्रदायगी, दायर अपीलों का निष्पादन, अधिरोपित दंड राशि की वसूली, और लोक सेवा केंद्रों के निरीक्षण जैसे मापदंडों पर आधारित

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार लोक सेवाओं का अधिकार अधिनियम 2011 के तहत आमजनों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण सेवाओं की प्रदायगी सुनिश्चित करने में बक्सर जिला ने फिर से अपनी प्रतिष्ठा कायम रखी है। जिले के जिलाधिकारी के उत्कृष्ट नेतृत्व और दूरदर्शी मार्गदर्शन के परिणाम स्वरूप, बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसाइटी, बिहार सरकार द्वारा जनवरी 2025 की जारी रैंकिंग में बक्सर जिला ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह रैंकिंग समय सीमा के भीतर सेवा प्रदायगी, दायर अपीलों का निष्पादन, अधिरोपित दंड राशि की वसूली, और लोक सेवा केंद्रों के निरीक्षण जैसे मापदंडों पर आधारित होती है। जनवरी 2025 में बक्सर को कुल 100 अंकों में से 89.998 अंक प्राप्त हुए। आम जनों को समय पर सेवा प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध जिलाधिकारी प्रत्येक माह लोक सेवकों के साथ समीक्षात्मक बैठक आयोजित करते हैं, जिससे लोक सेवाओं की प्रदायगी में लगातार सुधार सुनिश्चित हो। उन्होंने स्पष्ट

निर्देश दिया है कि सेवाओं में देरी या लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। समय सीमा का उल्लंघन करने पर संबंधित लोक सेवकों पर अधिनियम के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। यह उपलब्धि जिला प्रशासन की समर्पण और आम नागरिकों के प्रति उनकी सेवा भावना का प्रमाण है। यह सफलता न केवल जिले की प्रशासनिक क्षमता को दर्शाती है, बल्कि इससे जिलों के अन्य विभागों लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनाती है। नोडल पदाधिकारी, लोक सेवा अधिकार अधिनियम-सह-अपर समाहर्ता(विभागीय जांच) गिरिजेश कुमार ने कहा कि बक्सर जिला की यह निरंतरता यह सुनिश्चित करती है कि लोक सेवाओं की प्रदायगी में उत्कृष्टता बनाए रखते हुए, प्रशासन आम जनता के जीवन को सुगम और संतुष्टिपूर्ण बनाने के अपने लक्ष्य को सफलतापूर्वक पूरा कर रहा है। आम जन को नियत समय सीमा में सेवा दी जाये इसके लिए जिला स्तर पर भी एक सेल बना कर इसका सतत अनुश्रवन किया जाता है। विदित हो कि माह अगस्त से ही बक्सर जिला लोक सेवाओं का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत राज्य स्तर पर जारी रैंकिंग में प्रथम स्थान प्राप्त कर रहा है जो कि जिले के लिए गौरव की बात है।

बिहार लोक सेवाओं के अधिकार अधिनियम 15 अगस्त, 2011 से किया गया था लागू

बिहार लोक सेवाओं के अधिकार अधिनियम 15 अगस्त, 2011 से लागू किया गया और राज्य सरकार और इसकी एजेंसियों के लिए यह निर्धारित समय सीमा के भीतर लोगों को सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने के लिए अनिवार्य कर दिया था, विफल रहने पर सरकारी अधिकारी दंड के लिए उत्तरदायी हैं। इस अधिनियम के अंतर्गत सभी प्रखंड सह अंचल कार्यालय में सिंगल विंडो के तहत लोक सेवा काउंटर बनाए गए है जहां आम जन आसानी से ऑफलाइन आवेदन जमा एवं प्राप्त कर सकते है। वही इस अधिनियम की और सरल बनाते हुए ऑनलाइन माध्यम से भी आवेदन करने एवं प्रमाण पत्र प्राप्त करने को सुविधा प्रदान की गई है। नई व्यवस्था के तहत अब सभी पंचायत सरकार भवन-पंचायत भवन पर भी लोक सेवा अधिकार काउंटर खोले गए है। इस व्यवस्था के तहत आम जन अब अपने पंचायत से भी इन सेवाओं को जमा एवं प्राप्त कर सकते है।

कोईलवर थाना क्षेत्र के सकड्डी पेट्रोल पंप के समीप हुई घटना

तीन बाइक की आपस में भिड़ंत, एक युवक की मौत, तीन घंटा सड़क जाम

- मृतक गीधा थाना क्षेत्र के गीधा गांव निवासी चंद्रभोस पासवान का 22 वर्षीय पुत्र विशाल कुमार है
- आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर अड़े रहे
- पुलिस के काफी समझाने-बुझाने के बाद जाम को हटवाया
- डिवाइडर पार कराने के दौरान हुआ हादसा, टकराती चली गई बाइक

केटी न्यूज/आरा

आरा-पटना नेशनल हाईवे पर जिले के कोईलवर थाना क्षेत्र के सकड्डी पेट्रोल पंप के समीप शुक्रवार की शाम डिवाइडर पर कर रहे एक बाइक के चक्कर में तीन बायको की आपसी भिड़ंत हो गई हादसे में एक बाइक पर सवार एक की मौत हो गई। जबकि चचेरा भाई जख्मी हो गया। वहीं दो बाइक सवार दो युवक बालबाल बच गए। वही जख्मी युवक का इलाज कोईलवर सीएचसी में कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार मृतक गीधा थाना क्षेत्र के गीधा गांव निवासी चंद्रभोस पासवान का 22 वर्षीय पुत्र विशाल कुमार है एवं वह बी.ए.पार्ट वन का छात्र था। जबकि जख्मी उसी गांव के निवासी बुचुल पासवान का 19 वर्षीय पुत्र व मृतक का चचेरा भाई परदेशी पासवान है।

उधर घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर सकड्डी पेट्रोल पंप के शव को सड़क के बीच रख सड़क जाम कर दिया। आकर्षित ग्रामीणों द्वारा करीब डेढ़ घंटे तक सड़क को जाम रखा गया। सड़क जाम होने के कारण सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारे लग रही एवं आवागमन पूरी तरह ठप रहा। वहीं सड़क जाम की सूचना पाकर कोईलवर थानाध्यक्ष नरोत्तम चंद्र पुलिस बल के साथ वहां पहुंचे और लोगों को समझाने-बुझाने लगे। पुलिस के काफी समझाने-बुझाने के बाद जाम को हटवाया गया। इसके पश्चात पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया।

बताया जाता है कि विशाल कुमार अपने चचेरे भाई परदेशी पासवान के साथ बाइक से अपने गांव से सकड्डी बाजार बिरयानी खाने गया था। बिरयानी खाकर जब वह दोनों बाइक से वापस लौट रहे थे। लौट के क्रम में सकड्डी पेट्रोल पंप के समीप एक बाइक डिवाइडर से पार कर सड़क की दूसरी ओर आ रहा था। जबकि दूसरा बाइक विपरीत दिशा से आ रहा था। उसी दौरान सकड्डी पेट्रोल पंप के समीप तीनों बाइक में आपसी भिड़ंत हो गई। जिसमें एक बाइक पर सवार विशाल कुमार एवं परदेशी पासवान जख्मी हो गए। जबकि दो बाइक पर सवार दोनों युवक बालबाल बच गए। इसके बाद परिजन द्वारा विशाल कुमार एवं परदेशी पासवान को इलाज के लिए कोईलवर सीएससी ले आए। जहां चिकित्सक ने देख विशाल कुमार को मृत घोषित कर दिया। वही जख्मी उसके चचेरे भाई परदेशी पासवान का इलाज कोइलवर सीएससी में कराया जा रहा है।

बताया जाता है कि मृतक अपने दो भाई व एक बहन में बड़ा था। उसके परिवार में मां रिंकू देवी व एक भाई नवीन कुमार एवं एक बहन है। मृत छात्र के पिता पेशे मजदूर है। घटना के बाद मृत छात्र के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृत की मां रिंकू देव एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। विदित हो कि पिछले कुछ दिनों से एनएच पर लगातार सड़क हादसे हो रहे है। इसके पीछे यह माना जा रहा है कि सड़क पर चलने वाले नियमों की लगातार अनदेखी कर रहे है। जिसका परिणाम सामने आ रहा है कि आये दिन सड़क हादसे हो रहे है। वहीं प्रशासन की ओर से सख्त कदम नहीं उठाया जा रहा है।

युवा जदयू भोजपुर के जिला अध्यक्ष बने मोनू यादव

आरा। युवा जदयू के बिहार प्रदेश अध्यक्ष नीतीश पटेल ने जिला कमिटी की लिस्ट जारी किया। वहीं भोजपुर जिला से मोनू यादव को नवनियुक्त किया गया। मोनू यादव जनता दल यूनाइटेड में साल 2012 से ही पार्टी में सक्रिय रूप से बने हुए। छात्र जदयू से उनका राजनीतिक जीवन का शुभारंभ हुआ है छात्र जदयू के विभिन्न पदों पे रहने के बाद साल 2018 में हुवे विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में इनके नेतृत्व में जगजीवन कॉलेज के सभी पदों पर छात्र जदयू को जीत हासिल हुआ। उसके बाद 2018 से 2022 तक विश्वविद्यालय अध्यक्ष के पद पर कार्यरत रहे और छात्र में प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर भी रहे उसके बाद उन्होंने युवा जदयू में प्रदेश महासचिव के पद पर रहे।

शाहाबाद डीआईजी सत्य प्रकाश ने बिक्रमगंज थाने का किया निरीक्षण

केटी न्यूज/रोहतास

शाहाबाद प्रक्षेत्र के पुलिस उप महानिरीक्षक सत्य प्रकाश ने शुक्रवार को रोहतास के बिक्रमगंज थाने का निरीक्षण किया। थाना परिसर में उनका स्वागत गार्ड ऑफ ऑनर के साथ किया गया। डीआईजी ने रोहतास के पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार की उपस्थिति में थाने का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण भी किया। पुलिस उप महानिरीक्षक ने थाने के लंबित मामलों की समीक्षा की। इनमें कुर्की-जब्ती, गैर-जमानती वारंट और वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी से जुड़े मामले शामिल थे। थानाध्यक्ष और जांच अधिकारियों को इन मामलों के शीघ्र निपटारे के निर्देश दिए गए। डीआईजी की मौजूदगी में थाना परिसर में पूरे समय गहमागहमी रही। उन्होंने सभी पुलिस अधिकारियों के मामलों की गहन समीक्षा की।

रोहतास में रेप मामले में कोर्ट ने सुनाई 20 साल की सजा

रोहतास। रोहतास में व्यवहार न्यायालय ने शुक्रवार को 6 साल की बच्ची के साथ रेप मामले में अपराधी को सजा सुनाई। अपर सत्र न्यायाधीश छह सह विशेष न्यायाधीश पाक्सो अधिनियम रामजी यादव की अदालत ने दोषी सालिक चौधरी को 20 साल की कैद की सजा सुनाई है। दोषी को 50 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया गया है। अर्थदंड न चुकाने की स्थिति में उसे 6 माह की अतिरिक्त कैद काटनी होगी। दोषी महुअरी, बघैला का निवासी है। विशेष लोक अभियोजक जनक राज किशोरी के अनुसार, यह घटना 8 मार्च 2021 को बघैला थाना क्षेत्र में हुई थी। शाम 3 बजे आरोपी ने नाबालिग को बहला-फुसलाकर गेहूं के खेत में ले जाकर रेप किया था।

भोजपुर में शराब के साथ तीन को किया गिरफ्तार

आरा। मद्यनिषेध विभाग ने अवैध शराब के विनिर्माण के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाया। इसकी इमादपुर थाना अंतर्गत सोन नदी के दियारा क्षेत्रों में चल रहे अवैध शराब विनिर्माण के स्थलों पर छापेमारी की गई। इस छापेमारी के दौरान 20 से अधिक अवैध शराब भट्ठीयो को ध्वस्त किया गया तथा करीब 10 हजार लीटर अर्धनिर्मित शराब को विनष्ट किया गया। अभी तक अवैध शराब निर्माण में संलिप्त तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। छापेमारी टीम में सहायक अवर निरीक्षक आशीष कुमार तथा सहायक अवर निरीक्षक बल्केश्वर राम के साथ साथ मद्यनिषेध विभाग के ड्रोन स्क्वायड एवं डॉग स्क्वायड शामिल है।

बदमाशों ने मछली मारने गए मछुआरे को मारी गोली

केटी न्यूज/आरा

जिले के बिहिया थाना क्षेत्र के बरजा गांव स्थित गंगा नदी के किनारे गुरुवार की रात हथियारबंद बदमाशों ने मछली मारने गए मछुआरे को गोली मार दी। जख्मी मछुआरे को गोली दाहिने साइड गाल पर लगी है जो गर्दन में जाकर फस गई है। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जिसके बाद परिजन द्वारा उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार जख्मी अधेड़ कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के पीपरपाती गांव निवासी स्व.राम किशुन चौधरी के 50 वर्षीय पुत्र मैनेजर मल्लाह है। वह पेशे से मल्लाह है एवं मछली मारने का काम करते हैं। घटना को लेकर गांव में आसपास के इलाके में सनसनी मच गई है। वहीं घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में जुट गई है। इधर मैनेजर मल्लाह ने बताया कि वह खवासपुर गांव निवासी व अपने दोस्त दसई मल्लाह के साथ बरजा गांव स्थित गंगा नदी में मछली मारने गए थे। तभी आठ की संख्या में हथियारबंद बदमाश वहां धमके और उनके द्वारा मारे गए दस किलो मछली और जाल छीन लिया। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो उक्त लोगों द्वारा उन्हें गोली मार दी गई। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद परिजन द्वारा उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया। वहीं दूसरी तरफ जख्मी मैनेजर मल्लाह ने राहुल पांडेय एवं बरजा गांव निवासी अंकित पांडेय नामक युवकों पर मारे गए दस किलो मछली व जल छिनने एवं विरोध करने पर खुद को गोली मारने का आरोप लगाया है।

दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता के 16 खेलों में छात्र-छात्राओं ने लिया भाग

जिनवाणी मैनेजमेंट कॉलेज में आयोजित हुआ स्पोर्ट्स डे

- छात्रों को मेडल और सर्टिफिकेट देकर किया गया सम्मानित
- पहले दिन वॉलीबॉल, एथलेटिक्स, शॉर्ट पुट, डिसकस थ्रो प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

केटी न्यूज/आरा

जिनवाणी मैनेजमेंट कॉलेज में दो दिवसीय स्पोर्ट्स डे का आयोजन हुआ। इस आयोजन में 16 खेलों में छात्रों ने भाग लिया। इस दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता कार्यक्रम का उद्घाटन चेयरमैन डॉ आदित्य विजय जैन ने किया। प्रतियोगिता के पहले दिन वाली बॉल, एथलेटिक्स, शॉर्ट पुट, डिसकस थ्रो का आयोजन हुआ और दूसरे दिन बैडमिंटन, कैरम, शतरंज, क्रिकेट का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में एकेडमिक हेड, सिद्ध विजय जैन ने कहा कि जिनवाणी मैनेजमेंट कॉलेज हमेशा छात्रों के समग्र विकास के लिए विभिन्न आयोजन करता रहा है। कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य डॉ तुषार आर्य ने कहा कि जिनवाणी मैनेजमेंट कॉलेज नई शिक्षा निति के तहत खेलो के जरूरत और शारीरिक विकास के लिए खेल प्रतियोगिता कार्यक्रम को किया गया है चेयरमैन डॉ आदित्य विजय जैन ने बताया कि जिनवाणी मैनेजमेंट कॉलेज निरन्तर छात्रों के बौद्धिक के साथ शारीरिक विकास के लिए अग्रसर रहता है। इस कार्यक्रम में छात्रों ने भाग लिया। छात्रों को मेडल और सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया। जिसमें से मुख्य रूप से आकाश, बालाजी, अनन्या, खुशी, संस्कृति, सिद्धांत, युवराज, गोलू सहित अनेक छात्रों को सम्मानित किया गया। खेल समापन के दौरान आर्यन को जर्मनी की कंपनी मैप्स में पेड इंटर्नशिप और मनीष को इंटर्नशिप ऑफर लेटर दिया गया। कार्यक्रम मे मुख्य रूप से कॉलेज के चेयरमैन डॉ आदित्य विजय जैन, सिद्ध विजय जैन, अरिहंत विजय जैन, प्रधानाचार्य - डॉ प्रोफेसर तुषार आर्य, प्रोफेसर नीरज कुमार, डॉ सावित्री तिवारी, ओम कुमार झा, प्रोफेसर निशा कुमारी, प्रोफेसर सौरव कुमार, प्रोफेसर अरुण मिश्रा, प्रोफेसर राहुल आनंद, रंजन मिश्रा, प्रीति पांडे सहित अनेक प्रोफेसर एवं सैकड़ों छात्र शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

आंदोलनकारी कमल किशोर भगत की पत्नी नीरू शांति भगत ने सीएम से की मुलाकात

रांची, एजेंसी। झारखंड आंदोलनकारी कमल किशोर भगत की पत्नी नीरू शांति भगत ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन से मुलाकात की. इस मुलाकात के कई मायने निकाले जा रहे हैं. माना जा रहा है कि नीरू शांति भगत जल्द ही झामुमो में शामिल होंगी. नीरू शांति भगत आजसू से हैं. वह आजसू की टिकट पर दो बार लोहरदगा से चुनाव भी लड़ चुकी हैं. हालांकि उन्हें सफलता नहीं मिली. उनके पति कमल किशोर भगत इसी पार्टी से लोहरदगा से विधायक रहे थे. बताया जाता है कि नीरू शांति भगत लंबे समय से पार्टी से नाराज चल रही हैं. विधानसभा चुनाव में आजसू पार्टी बुरी तरह पराजित हो चुकी है. ऐसे में आजसू पार्टी के स्तंभ माने जाने वाले लोग लगातार विकल्प की तलाश में हैं.

बीसीसीएल में महिला सशक्तीकरण पर कार्यशाला

धनबाद, एजेंसी। बीसीसीएल के मानव संसाधन कल्याण विभाग, जगजीवन नगर में बुधवार को महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें बीसीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों, सेंट्रल अस्पताल व कंपनी मुख्यालय कोयला भवन से 30 से अधिक महिला कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यशाला के प्रथम सत्र में आइआइटी आइएसएम धनबाद की प्रोफेसर आकांक्षा सिन्हा ने महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक व व्यावसायिक विकास के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। कार्यस्थल पर लैंगिक समानता, नेतृत्व कौशल एवं आत्मनिर्भरता पर चर्चा की। वहीं द्वितीय सत्र का संचालन वाशरी डिवीजन की प्रबंधक (कार्मिक) प्रिया सिंह ने किया। उन्होंने कार्यस्थल पर महिला सुरक्षा, अधिकारों व नीतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर बल दिया। बीसीसीएल में महिलाओं के हितों की रक्षा के लिए उपलब्ध सुविधाओं एवं प्रावधानों की भी जानकारी दी। मौके पर मुख्य प्रबंधक (मानव संसाधन) आरएन विश्वकर्मा समेत बड़ी संख्या में महिला अधिकारी व कर्मचारी थीं।

कोल इंडिया बिजली सलाहकार की नियुक्ति करेगा। सलाहकार की नियुक्ति दो साल के लिए होगी। इस आलोक में कोल इंडिया अधिकारी स्थापना विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। इसके मुताबिक सक्षम व योग्य उम्मीदवारों से एक मार्च तक ऑनलाइन आवेदन मांगे गये हैं। आवेदन करने के लिए अधिकतम उम्र सीमा 65 साल रखी गयी है। जबकि 70 साल के उम्र तक काम कर सकते हैं। कांट्रेक्ट की अवधि दो साल की होगी। सलाहकार नियुक्त होने वालों को 1।20 लाख रुपये प्रतिमाह मानदेय मिलेगा।

गोविंदपुर में जीटी रोड पर रोज लग रहा जाम, लोग परेशान

गोविंदपुर, एजेंसी। गोविंदपुर में जीटी रोड जाम की समस्या खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही है। बुधवार को भी जीटी रोड पर जाम लगा, इससे लोगों को काफी परेशानी हुई। जाम का असर यहां व्यवसाय पर भी पड़ने लगा है। स्थिति यह हो गयी है कि लोग गोविंदपुर बाजार आने से कतराने लगे हैं। पिछले कई दिनों से गोविंदपुर में ट्रैफिक व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। लोगों के काफी प्रयास के बाद भी सड़क जाम से पीछा नहीं छूट रहा है। बुधवार को शिवरात्रि पर सरकारी छुट्टी होने के बाद भी गोविंदपुर बाजार में सड़क जाम लग गया। सर्विस लेन पर अतिक्रमण, नाली निर्माण कार्य, पर्याप्त ट्रैफिक पुलिस नहीं रहने तथा साहिबगंज मोड़ के सिग्नल लाइट की टाइम सेटिंग ठीक नहीं रहने के कारण भी यहां जाम लग रहा है। इधर स्थानीय नागरिकों ने गोविंदपुर जीटी रोड चौड़ीकरण कंपनी द्वारा गोविंदपुर ऊपर बाजार के धनबाद मोड़ पर सड़क से ऊंची नाली बनाने का बुधवार को विरोध किया।

अनुमंडल कैंप कार्यालय में डीसी ने सुनी लोगों की समस्याएं, समाधान का दिया आश्वासन

पलामू, एजेंसी। जिले के हुसैनाबाद में आयोजित कैंप कार्यालय के माध्यम से जनता से सीधे रूबरू होने का मौका मिला. यहां विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे और आम लोगों की समस्याओं को सुनकर उसका त्वरित निराकरण किया. जो मामले तत्काल निष्पादन योग्य नहीं हैं, उनका निर्धारित समय अवधि के अंदर निष्पादन कर संबंधित लोगों को लाभ दिलाया जाएगा. कैंप कार्यालय के आयोजन से लोगों को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाया जा रहा है. लोगों को जिला स्तर या अन्य कार्यालयों में आयोजित जनता दरबार में जाने से छुटकारा मिलेगा. इससे उनका समय और पैसा दोनों बचेगा. इस समय और पैसे से आम लोग अपने विकास कार्यों में लगा सकेंगे. कैंप कार्यालय के आयोजन से जिले में विकास कार्यों में तेजी आएगी. ये बातें उपायुक्त शशि रंजन ने कही.

उपायुक्त आज हुसैनाबाद अनुमंडल कार्यालय भवन में आयोजित कैंप कार्यालय के दौरान बोल रहे थे. उपायुक्त ने अनुमंडल कार्यालय सभागार में जिला स्तरीय, अनुमंडल स्तरीय और प्रखंड, अंचल स्तरीय सभी पदाधिकारियों के साथ बैठक की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. उपायुक्त ने कहा कि कैंप कार्यालय के माध्यम से जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने से लेकर जमीन संबंधी मामलों का निराकरण किया गया. वहीं, विभिन्न आवास योजनाओं से संबंधित समस्याओं का समाधान किया गया.

उपायुक्त शशि रंजन ने हुसैनाबाद टाउन हॉल का निरीक्षण किया. उपायुक्त शशि रंजन सहित जिले के सभी कार्यालय यहां लगे और संबंधित पदाधिकारियों द्वारा जनता की समस्याएं सुनी गयीं. साथ ही समस्याओं का समाधान भी किया गया. उपायुक्त ने स्वयं समस्याओं को सुना और संबंधित आवेदनों को स्थानांतरित कर संबंधित पदाधिकारियों को निष्पादन का निर्देश दिया. देवरी कला के मोहसिन इदरीसी ने जलमीनार की मरम्मत को लेकर उपायुक्त को आवेदन दिया. वहीं, हैदरनगर सड़ेया के

विजय विश्वकर्मा ने आवेदन देकर अपनी पत्नी सुनीता देवी के नाम आवंटित अबुआ आवास का निर्माण कराने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की. उन्होंने उपायुक्त को बताया कि जिस जमीन पर आवास का निर्माण होना है, उस पर दूसरे व्यक्ति ने दावा कर रखा है. इसके अलावा दरुआ गांव निवासी अवधेश सिंह ने व्यापार मंडल में बेचे गए धान का पैसा नहीं मिलने से संबंधित आवेदन दिया. वहीं, सैदाबाद के राजेश कुमार सिंह ने आवेदन देकर आवास के निर्माण कार्य में जबरदस्ती बाधा डालने की शिकायत की. इसके अलावा सैकड़ों अन्य लोगों ने आवेदन देकर अपनी समस्याएं रखीं. कई मामलों का त्वरित समाधान किया गया. कैंप कार्यालय में कई सेवाएं उपलब्ध कराई गईं. मुख्य रूप से परियोजनाओं और स्कीमों के लिए भूमि चिन्हित कर भूमि सौंपने और विवादों का निपटारा किया गया. वन भूमि के बदले अन्य भूमि/सरकारी भूमि का हस्तांतरण, बिजली बिल संबंधी शिकायतों का समाधान, पेयजल संबंधी समस्याओं का समाधान किया गया. इसके साथ ही मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, झारखंड मुख्यमंत्री मेनिया सम्मान योजना, अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना, अबुआ आवास योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, सर्जन पेंशन योजना, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, ग्रीन राशन कार्ड, बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड आदि योजनाओं से पात्र लाभुकों को लाभान्वित करने की पहल की गई.

शहर में अब मकान बनाने से पहले परिषद की लेनी होगी अनुमति

गोड्डा , एजेंसी। गोड्डा नगर परिषद के नए आदेश के बाद अब शहरी क्षेत्र अंतर्गत सभी वार्डों में निर्माण कार्यों को बंद करना होगा अन्यथा कानूनी कारवाई होगी. विभाग के विशेष पदाधिकारी आशीष कुमार के अनुसार नगर परिषद अंतर्गत सभी इक्कीस वार्डों में झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 की धारा 426 के तहत प्रशासक की अनुमति के बिना निर्माण कार्य करना प्रतिबंधित है. नए भवन निर्माण से संबंधित कार्य हो या पुराने भवन का नवीनीकरण संबंधित कोई भी कार्य सभी बंद रहेंगे. बिना प्रशासक की अनुमति के निर्माण कराना कानून का उल्लंघन माना जाएगा. निर्माण से पहले पदाधिकारी की अनुमति आवश्यक कर दी गई है. कानून का उल्लंघन पाए जाने पर निर्माण को ध्वस्त करने के साथ ही जुर्माना भी वसूला जाएगा. जुर्माने की रकम एक लाख रुपए से लेकर दस लाख रुपए तक हो सकती है. जुर्माने नहीं देने पर कारावास का भी प्रावधान किया है. ये सभी कार्य नगरपालिका अधिनियम के तहत संपादित होंगे. विभाग के इस आदेश के बाद मकान का निर्माण कराने वालों में संशय की स्थिति है. पहले से चल रहे निर्माण कार्य को एकाएक रोकने के आदेश से मकान मालिक को नुकसान झेलना होगा. साथ ही निर्माण कार्य में लगे मजदूरों को भी बेरोजगार होना पड़ेगा. विभाग ने बिना व्यापक प्रचार-प्रसार के आनन-फानन में आदेश जारी कर दिया. विभाग ने आदेश लेने के लिए विभाग ने क्या तैयारी की है इसका खुलासा नहीं किया है. भ्रष्टाचार मुक्त आदेश कैसे मिले इसकी पुख्ता व्यवस्था भी होनी चाहिए थी. एक निश्चित अवधि देने के बाद ही ऐसे कठोर निर्णय को लागू किया जाना चाहिए था. दो दिन पहले ही विभाग के कर्मियो ने मोहल्ले में पहुंचकर बोरिंग कर रही गाड़ी को जब्त कर लिया था. आरोप था कि विभागीय अनुमति के बिना बोरिंग करवाया जा रहा था. इसके लिए पूर्व से अनुमति लेनी होगी।

नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय के भवन निर्माण में घोटाला! राज्यपाल ने दिए कार्रवाई के निर्देश

रांची, एजेंसी। पलामू के नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय के भवन निर्माण के दौरान गुणवत्ता कॉम्प्रोमाइज (गुणवत्ता में अनियमितता) की गई है. जांच समिति की रिपोर्ट में कई गड़बड़ियों का जिक्र है. इस रिपोर्ट के मुताबिक प्राक्कलन के अनुरूप गुणवत्ता की जगह संवेदक ने निम्न स्तर का काम किया है. राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने इस पर गहरी चिंता व्यक्त की है. उन्होंने कहा है कि भवन निर्माण निगम के अभियंताओं और पदाधिकारियों के स्तर पर मॉनिटरिंग के अभाव में ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई है.

कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने इस बात पर भी नाराजगी व्यक्त की है कि विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों ने बिना समुचित निरीक्षण के भवन को हस्तांतरित कर लिया, जबकि वहां पेयजल का भी घोर अभाव है. मामले को गंभीर बताते हुए राज्यपाल ने झारखंड भवन निर्माण निगम के एमडी को हाई लेवल कमेटी गठन कर कमियों की गहन समीक्षा करने, बीओक्यू और एग्रीमेंट के तहत कार्यों में पाई गई विसंगतियों पर स्पष्ट प्रतिवेदन देने को कहा है.

उन्होंने जेएसबीसीसीएल पलामू के कार्यपालक अभियंता के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है. क्योंकि उन्होंने मुख्यालय और विश्वविद्यालय को जो प्रतिवेदन पेश किया था, उसमें पेयजल व्यवस्था की गलत जानकारी दी गई थी. राज्यपाल ने इस योजना के संवेदक मेसर्स छावडा और जे0के0 इंजीनियरिंग द्वारा बीओक्यू के अनुरूप कार्य नहीं करने और निम्न स्तर का कार्य करने के लिए निगम को इनके विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई करने को कहा है. साथ ही, झारखंड भवन निर्माण निगम के प्राक्कलन में 40 प्रतिशत की वृद्धि के संबंध में भी स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिए हैं.

राज्यपाल ने नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव, डीन स्टूडेंट वेलफेयर, सीटीसी और प्रॉक्टर से भी स्पष्टीकरण मांगते हुए सख्त प्रशासनिक कार्रवाई का निर्देश दिया है. क्योंकि इन्हीं अधिकारियों के प्रतिवेदन के आधार पर भवन का हस्तांतरण हुआ है. बता दें कि वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने 13 फरवरी को राज्यपाल से मिलकर नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय के भवन निर्माण की गुणवत्ता में हुई धांधली की शिकायत की थी. इसी आधार पर राज्यपाल ने तीन सदस्य जांच कमेटी का गठन किया था.

पलामू में 652 कारतूसों के साथ उग्रवादी गिरफ्तार, लातेहार में हथियारों के साथ पांच अपराधी अरेस्ट

रांची, एजेंसी। झारखंड के पलामू और लातेहार जिलों की पुलिस को अपराधियों और उग्रवादियों के खिलाफ अभियान में बड़ी सफलता मिली है। पलामू जिले की पुलिस ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) के हार्डकोर मेंबर उपेंद्र भुईयां को गिरफ्तार करते हुए उसके पास से कारतूसों का जखीरा बरामद किया है। जबकि, लातेहार जिले की पुलिस ने एक व्यवसायी पर फायरिंग की तैयारी कर रहे कुख्यात राहुल सिंह गिरोह के पांच अपराधियों को हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है।

पलामू की एसपी रिष्मा रमेशन ने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि जिले के मनातू थाना क्षेत्र से गिरफ्तार इस उग्रवादी की निशानदेही पर 0.315 बोर की 652 गोलियां बरामद की गई हैं। उससे पूछताछ से कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं। बताया गया कि एसपी को टीएसपीसी के हार्डकोर सदस्य उपेंद्र के अपने गांव नागद आने की सूचना मिली थी। उन्होंने एएसपी (ऑपरेशन) राकेश सिंह के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया, जिसने गांव पहुंचने वाले रास्ते पर निगरानी रखनी शुरू की।

बुधवार की शाम को एक व्यक्ति चादर ओढ़कर आता दिखा। पुलिस ने उसे आवाज देकर रुकने को कहा

तो वह भागने लगा। इस पर पुलिस ने उसे दौड़ाकर पकड़ा। उसकी पहचान उपेंद्र भुईयां के रूप में हुई। इसके बाद उसकी निशानदेही पर पुलिस ने छिपाकर रखे गए कारतूसों का जखीरा बरामद किया। दूसरी तरफ लातेहार जिले की पुलिस ने एक कारोबारी पर फायरिंग की योजना बना रहे कुख्यात राहुल सिंह गिरोह के पांच अपराधियों को गिरफ्तार करते हुए उनके पास से तीन बंदूकें और 13 गोलियां बरामद की।

गिरफ्तार अपराधियों में चंदवा निवासी वीरेंद्र गंझू, मुन्ना गंझू, उमेश गंझू, हेरहंज निवासी दिलीप उरांव और बारियातु निवासी विकास साहू शामिल हैं। एसपी कुमार गौरव ने बताया कि राहुल सिंह के इशारे पर पूर्व में भी बालूमाथ निवासी एक कोयला व्यवसायी के घर पर गोलीबारी की गई थी। इसके अलावा एनएचएआई के कंस्ट्रक्शंस साइट पर इन अपराधियों ने फायरिंग की थी।

बालिका गृह यौन शोषण कांड- पूर्व बाल संरक्षण पदाधिकारी गिरफ्तार

पलामू, एजेंसी। बालिका गृह यौन शोषण कांड में पुलिस ने पूर्व बाल संरक्षण पदाधिकारी संस्थागत केडी पासवान को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने केडी पासवान को पलामू के हैदरनगर स्थित उनके आवास पर छापेमारी कर गिरफ्तार किया. गुरुवार को टाउन महिला थाना पुलिस को

सूचना मिली थी कि पूर्व बाल संरक्षण पदाधिकारी संस्थागत केडी पासवान हैदरनगर स्थित अपने घर में है. इसी सूचना के आलोक में थाना प्रभारी रूपा बाखला के नेतृत्व में पुलिस ने छापेमारी कर गिरफ्तार किया. महिला थाना प्रभारी रूपा बाखला ने बताया कि केडी पासवान को गिरफ्तार किया गया है और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है. इस पूरे मामले में पुलिस का अनुसंधान आगे बढ़ रहा है. पलामू बालिका गृह यौन शोषण कांड के मामले में यह चौथी गिरफ्तारी है. इससे पहले पुलिस ने बालिका गृह के संचालक, काउंसेलर, सीडब्ल्यूसी के बर्खास्त सदस्य को गिरफ्तार किया था. 30 नवंबर 2024 को पलामू के बालिका गृह में यौन शोषण कांड का खुलासा हुआ था. पुलिस ने पूरे मामले में पोक्सो समेत गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज करते हुए मौके से ही संचालक और काउंसेलर को गिरफ्तार किया था।

पत्थर लेने जा रहे हाइवा में अपराधियों ने लगाई आग

पलामू, एजेंसी। पलामू जिले के नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के कुहकुह इलाके में अपराधियों ने एक हाइवा में आग लगा दी। हाइवा माइंस में पत्थर लेने के लिए जा रहा था। बाइक सवार तीनअपराधियों ने इस घटना को अंजाम दिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस अपराधियों की पहचान और घटना का कारण स्पष्ट करने में जुटी हुई है।

जानकारी के अनुसार गुरुवार की रात छतरपुर के शैलेंद्र सिंह का हाइवा कुहकुह इलाके में माला कुमार की माइंस में पत्थर लेने जा रहा था। एक साथ तीन से चार हाइवा जा रहे थे। इसी क्रम में बाइक से आए तीन अपराधियों ने सबसे लास्ट हाइवा को रोका और चालक से पूरी जानकारी लेकर उसमें आग लगा दी। घटना के तुरंत बाद इसकी जानकारी पुलिस को दी गई। नौडीहा बाजार के थाना प्रभारी अमित कुमार द्विवेदी ने शुक्रवार को घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि इस संबंध में एफआईआर दर्ज की जाएगी। जलाया गया हाइवा छतरपुर के शैलेंद्र सिंह का है। वाहन खाली था और पत्थर लोड करने के लिए माइंस में जा रहा था। इस घटना की अपराधी और उग्रवादी कनेक्शन को लेकर जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि बिहार बॉर्डर वहां से काफी नजदीक है। ऐसे में अपराधियों का स्प्लिंटर ग्रुप भी इसमें शामिल हो सकता है। अपराधियों की संख्या तीन थी और वह मोटरसाइकिल से पहुंचे थे।

रामगढ़ के गोला थाना के सामने दो सांसद धरने पर बैठे

पत्थरबाजी करने वालों पर कार्रवाई की मांग

रामगढ़, एजेंसी। प्रतिमा विसर्जन के दौरान निकाली गई शोभा यात्रा में हुई पत्थरबाजी की घटना में शामिल दोषियों पर अब तक कार्रवाई नहीं होने के विरोध में गुरुवार को गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी और हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने कार्यकर्ताओं के साथ रामगढ़ के गोला थाना के गेट के सामने धरना दिया. इस दौरान पुलिस की कार्यशैली, प्रशासन की भूमिका के खिलाफ नारेबाजी की.

पत्थर चलाने वालों पर हो कार्रवाई: मनीष जायसवाल: इस मौके पर हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि सोसोंकला की घटना में एक गुट के लोगों ने पुलिस के सामने ही पत्थरबाजी की थी. जिसमें महिलाएं सहित कई लोग घायल हो गए थे. पुलिस को पूरे मामले में कार्रवाई करनी चाहिए थी, लेकिन पुलिस के द्वारा कार्रवाई नहीं की गई. इसके बाद हमने 15 दिनों का अल्टीमेटम दिया था बावजूद दोषियों की गिरफ्तारी नहीं हुई. जिसके विरोध में आज धरना दिया गया है. वहीं झारखंड सरकार में मंत्री इरफान अंसारी को लेकर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि वो फूहड़ भाषा के लिए जाने जाते हैं . सांसद ने तंज कसते हुए कहा कि कौन मजबूत है, कौन कमजोर है एक बार सड़क उतर जाइए पता चल जाएगा.

हेमंत सरकार पर तुष्टीकरण का आरोप: वहीं हजारीबाग के इचाक में शिवरात्रि के दिन हुई घटना पर सांसद ने कहा कि सिर्फ चोंगा(लाउडस्पीकर) लगाने के लिए एक गुट के लोगों ने बवाल किया. इस दौरान उन्हीं लोगों के द्वारा पहला पत्थर चलाया गया था. उन्होंने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि हेमंत सरकार में तुष्टीकरण की राजनीति हो रही है.

गिरिडीह सांसद भी हेमंत सरकार पर बरसे: वहीं गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने कहा कि पुलिस प्रशासन के पास लोग आवेदन देते-देते परेशान हो गए हैं. साथ ही उल्टा हम लोगों पर ही कार्रवाई हो रही है. उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार जब से बनी है, तब से हम पर अत्याचार हो रहा है. उन्होंने मंच से अपने संबोधन में कहा कि चितरपुर में कई जगहों पर गौ हत्या हो रही है. यह सब किनके संरक्षण में चल रहा है. प्रशासन सोया हुआ है. पूरे चितरपुर में बांग्लादेशियों को दामाद बनाकर बसाया जा रहा है. उन्होंने

कहा कि पुलिस प्रशासन से लोगों का विश्वास उठता जा रहा है. अब ईंट का जवाब पत्थर से दिया जाएगा.

एसडीएम के आश्वासन पर धरना समाप्त: वहीं धरना में बड़ी संख्या में एनडीए के कार्यकर्ता शामिल हुए. धरने पर बैठे कार्यकर्ताओं के हाथों में सरकार और प्रशासन के खिलाफ स्लोगन लिखी तख्तियां थी.वहीं धरना को लेकर बड़ी संख्या में गोला थाना के आसपास पुलिस जवानों की तैनाती की गई थी. साथ ही मजिस्ट्रेट की भी प्रतिनियुक्ति की गई थी. देर शाम रामगढ़ एसडीएम अनुराग तिवारी व पुलिस प्रशासन के आश्वासन के बाद समाप्त किया गया. वहीं इसके पूर्व सांसद ने पीड़ित परिवारों के घर पहुंचकर उनसे मुलाकात की.

सोसोंकला गांव में हुई थी घटना: पिछले दिनों गोला थाना क्षेत्र के सोसोंकला गांव में सरस्वती पूजा में मूर्ति विसर्जन के दौरान एक गुट के द्वारा पत्थरबाजी की गई थी. घटना में महिलाएं समेत कई लोग घायल भी हुए थे. इस मामले में पुलिस ने दोनों ओर से एफआईआर की थी. मामले की जानकारी मिलने के बाद हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने पुलिस प्रशासन को विशेष समुदाय के दोषियों को 15 दिन के अंदर गिरफ्तार करने का अल्टीमेटम दिया था, लेकिन 15 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस ने किसी भी दोषी को गिरफ्तार नहीं किया. जिसके विरोध में यह धरना-प्रदर्शन किया गया.

सुभाषितम्

बड़ा सोचे, जल्दी सोचे, आगे सोचे विचारों पर किसी का एकाधिकार नहीं है
- धीरूभाई अंबानी

शेयर बाजार के फुग्गे से तेजी से निकल रही हवा

भारतीय शेयर बाजार में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। फरवरी माह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को सेंसेक्स 1414.33 अंक यानी 1.90 फीसदी की गिरावट के साथ 73,198.10 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 420.35 अंक यानी 1.86 फीसदी की गिरावट के साथ 22,124.70 के स्तर पर बंद हुआ। पिछले कुछ वर्षों में राष्ट्रीयकृत बैंकों, भारतीय जीवन बीमा निगम, म्युचुअल फंड, पेंशन फंड एवं अन्य शासकीय वित्तीय संगठन द्वारा बड़े पैमाने पर शेयर बाजार में निवेश किया गया है। शेयर बाजार में शेयर की पूंजी को ओवर वैल्यू करके पिछले कुछ वर्षों में भारी मुनाफाखोरी शेयर बाजार के माध्यम से हुई है। शेयर बाजार में प्रीमियम शेयर कारोबार की बयार बह रही थी। 10 रुपए का शेयर महंगे दामों पर निवेशकों को बेचा जा रहा था। भारतीय शेयर बाजार को सरकारी नीतियों ने इस स्तर पर लाकर खड़ा कर दिया है। इसको बचा पाना सरकार के लिए भी बड़ा मुश्किल है। वर्ष 2025 में शेयर बाजार में तेजी की कोई भी संभावना नहीं है। 2025 मे शेयर बाजार में निरंतर गिरावट और बिकवाली बनी रहेगी। आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है, कि शेयर बाजार मे कंपनियों का मार्केट वास्तविक वैल्यू से 90 गुना ज्यादा है। ऐसी स्थिति में शेयर बाजार की गिरावट को रोक पाना किसी के बस की बात नहीं है। वर्तमान में कंपनियों की अनुमानित आय और शेयर के वास्तविक मूल्य से लगभग 20 गुना ज्यादा है। शेयर बाजार में मिड कैप और छोटे शेयरों का वैल्यूएशन भी वास्तविक स्थिति से कई गुना ज्यादा है। पिछले कुछ वर्षों में शेयर बाजार को कृत्रिम तरीके से बढ़ाया गया है। अब वह उसी तेजी के साथ नीचे गिरता हुआ नजर आ रहा है। इसमें सबसे ज्यादा नुकसान छोटे एवं मध्यम निवेशकों को हो रहा है। इसके साथ ही भारत के राष्ट्रीयकृत बैंक तथा सरकारी वित्तीय संस्थाएं, जिन्होंने सरकार के दबाव में शेयर बाजार में अपने निवेश को बढ़ाकर, शेयर बाजार की कृत्रिम कमाई से अपनी बैलेंस शीट में भारी मुनाफा, पिछले वर्षों में कमाया था। वह शेयर बाजार की इस गिरावट से, सबसे ज्यादा नुकसान बैंकों और सरकारी वित्तीय संस्थानों को हो रहा है। बैंकों द्वारा पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से बड़े-बड़े उद्योगपतियों को कर्ज दिया गया है। कर्ज वसूल ना होने पर नॉन परफॉर्मिंग असेट मे डालकर बड़े-बड़े पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाया गया है। उसके कारण भारतीय बैंकों और भारतीय जीवन बीमा निगम की आर्थिक स्थिति शेयर बाजार के गिरने से सबसे ज्यादा प्रभावित हो रही है। शेयर बाजार की इस गिरावट से बैंकों में जमा पैसा आम नागरिकों का सुरक्षित रहेगा, या नहीं, इसको लेकर चर्चा होने लगी है। पिछले 5 महीने में शेयर बाजार के इंडेक्स में 15000 अंकों से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। अभी भी गिरावट थमने का नाम नहीं ले रही है। शेयर बाजार के आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है, कि 2025 की मंदी से शेयर बाजार और बैंकों का हाल 2008 की अमेरिकी मंदी की तरह हो सकता है। उस समय अमेरिका के सैंकड़ों बैंक दिवालिया हो गए थे। भारत में जिस तरह से बेरोजगारी, महंगाई, भारी टैक्स के कारण आर्थिक संकट बना हुआ है, ऐसे समय पर शेयर बाजार की भारी गिरावट ने भारतीय अर्थव्यवस्था को झकझोर कर रख दिया है। रही सही कसर अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पूरी कर रहे हैं। अमेरिका के निर्णय से भारत का आयात-निर्यात व्यापार और वैश्विक कारोबार बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत लगातार गिरने से आयातित सामान के दाम बढ़ रहे हैं। भारत के 100 करोड़ लोगों के पास खर्च करने के लिए पैसे नहीं हैं। किसी तरह से वह अपनी जरूरतों को पूरा कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में भारतीय अर्थव्यवस्था अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। पिछले 10 वर्षों में सरकार की टैक्स से आय कई गुना बढ़ गई है। इसके बाद भी केंद्र एवं राज्य सरकारों ने बड़े पैमाने पर कर्ज लिया है। पिछले 10 वर्षों में केंद्र एवं राज्य सरकारों का कर्ज चार गुना बढ़ गया है। राज्य और केंद्र सरकार के बजट का एक बड़ा हिस्सा ब्याज के भुगतान में जा रहा है। सरकारी खर्च पिछले 10 वर्षों में बड़ी तेजी के साथ बढ़े हैं। सरकार का पैसा कहां जा रहा है। अब इसकी खोज शुरू हो गई है। गरीब और गरीब होता चला गया। उसके ऊपर कर्जा भी बढ़ गया। बड़े-बड़े पूंजीपतियों की पूंजी पिछले 10 साल में बडी तेजी के साथ बढ़ी है।

क्या फिल्में बदल पाएंगी इतिहास की इबारत?

राकेश अचल

बात फिल्मों की है लेकिन सियासत की भी है। आजकल देश को हिन्दू राष्ट्र बनाने के तमाम विकल्पों पर एक साथ काम चल रहा है। फिल्में भी इसका एक मोर्चा है। फिल्मों के जरिये इतिहास के पुनर्शोधन की कोशिश देखकर हैरानी भी होती है और हंसी भी आती है। ये मामला 1941 से चलकर अब 2025 में आ गया है। सिकंदर [1941] से शुरू हुई ये यात्रा अब छावा [2025] तक आ पहुंची है। भारत में कहा जाता है कि पहली ऐतिहासिक किरदार पर बनी पहली फिल्म सिकंदर थी। 1941 में जब ये फिल्म बनी तब तकनीक का विकास बहुत ज्यादा नहीं हुआ था इसलिए तमाम कोशिशों के बावजूद इसमें वो रंग नहीं भरे जा सके जो आज की फिल्म छावा में भरे जा सके हैं। हिंदुस्तान में फिल्में सियासत का औजार नहीं थीं ,वे सामाजिक चेतना का औजार जरूर थी। तब इतिहास को लेकर नजरिया भी हिन्दू-मुसलमान का नहीं था ,इसीलिए सोहराब मोदी की फिल्म में अपने जमाने के स्थापित अभिनेता पृथ्वीराज कपूर सिकंदर की भूमिका भी सहजता से कर पाए। हमारी स्मृति की पहली ऐतिहासिक फिल्म तो मुगले-आजम थी। इस फिल्म को भारतीय दर्शकों ने न सिर्फ अभिनय के लिए बल्कि गीत -संगीत के लिए भी एक बार नहीं बल्कि बीसियों बार देखा। बार-बार देखा। हजार बार देखा। मुगले -आजम के जरिये भी मुगल सम्राट अकबर को महान बताने की कोशिश नहीं की गयी थी ,बल्कि ये फिल्म प्रेम और सत्ता के बीच जंग की यशोगाथा थी। इस फिल्म में बामुश्किल

केवल एक गीत रंगीन फिल्माया जा सका था। लेकिन ये फिल्म सचमुच कालजयी साबित हुई। इसे उन लोगों ने भी देखा जो आज देश को हिन्दू राष्ट्र बनाने के लिए जी-जान से लगे हैं और खुलकर फिल्मों का इस्तेमाल अपनी राजनीति के लिए कर रहे हैं। मुझे लगता है कि पिछले 64 साल में मुगले आजम की कामयाबी के बाद दर्जनों ऐतिहासिक विषयों पर फिल्में बनीं लेकिन वे दर्शकों के लिए थीं ,सियासत केलिए नहीं।आपको हैरानी होगी कि मुगले आजम बनाने वाले के आसिफ मुसलमान होते हुए भी इस फिल्म को हिन्दू-मुसलमान के लिए नहीं बना पाए। क्योंकि इस फिल्म की कथावस्तु प्रेम था जो दुनिया के हर मजहब की रीढ़ होता है। के आसिफ ने अकबर को अल्लाह की तरह महान बनाने की कोशिश नहीं की बल्कि अकबर को मुहब्बत के समाने नतमस्तक होते दिखाया ,लेकिन अब जो फिल्में ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर बन रहीं हैं उनका एकमेव मकसद दर्शकों के मन में एक खास मजहब के लोगों के खिलाफ घृणा पैदा करना है। दुःख की बात ये है कि ऐसे प्रयासों को सत्ता का संरक्षण भी हासिल है। हिंदुत्व की स्थापना के लिए शिक्षा में परिवर्तन हो रहा है, इतिहास का पुनर्लेखन भी हो रहा है और छावा जैसी फिल्में भी बनाई जा रहीं हैं। मैंने छावा बार-बार देखी। तकनीक ,अभिनय और पटकथा की दृष्टि से छावा बनाने में सचमुच मेहनत की गयी है। लेकिन इसके बावजूद छावा मुगले -आजम की बराबरी नहीं कर पाती। क्योंकि छावा बनाते वक्त निमार्ता का नजरिया केवल मनोरंजन या अथोर्पार्जन नहीं बल्कि सियासत भी है ,जो छिपाये नहीं छिप रहा। फिल्म अपने उद्देश्य में सफल भी होती दिखाई दे रही है। छावा को वे दर्शक भी पर्याप्त संख्या में मिल रहे हैं जो हिन्दू राष्ट्र के समर्थक हैं। ये अच्छी बात है या नहीं ,कह पाना कठिन है। हम उस पीढ़ी के लोग हैं जिन्होंने मुगले -आजम के बाद अनारकली भी देखी और रजिया सुल्तान भी। जोधा-अकबर भी देखी और बाजीराव मस्तानी भी। हमने पद्मावत भी देखी और मणिकर्णिका भी। हम उन दर्शकों में से हैं जिन्होंने तानाजी दी अनसंग वारियर भी देखी और अब छावा भी देख रहे हैं। फिल्मे ही नहीं अब तो धारावाहिकों का इस्तेमाल भी मुगलों को क्रूर और हिन्दू विरोधी प्रमाणित करने के लिए किया जा रहा है। ऐसे ही धारावाहिकों में हाल ही में हमारी नजर पृथ्वीराज पर भी पड़ी। इन सबका मकसद इतिहास का शुद्दिकरण है। इतिहास का भगवाकरण है। मुमकिन है कि आपको मेरी ये धारणा बुरी और राष्ट्रविरोधी लगे किन्तु जो है सो है ,इसे बदला नहीं जा सकता।

हमारे देश में ऐसे सियासदां भी हैं जो कह चुके हैं की महात्मा गाँधी को गांधी फिल्म बनने से पहले कोई नहीं जानता था। ऐसे लोगों के लिए छावा जैसी फिल्में ही सच हैं।ऐसे दर्शक भी हैं जो गाँधी बनने से पहले गाँधी को और छावा बनने से पहले संभाजी राव को नहीं जानते थे। फिल्मों के जरिये जनता के मन में एक मजहब के प्रति नफरत बोने की कोशिश हास्यास्पद भी है और निंदनीय भी,लेकिन कुछ कि लिए सराहनीय भी। क्योंकि आज जो मुसलमान इस देश में है वो न औरंगजेब की जेब से निकला है और न महमूद गजनबी का डीएनए उसमें है। औरंगजेब को मरे हुए 318 साल हो गए हैं और मेहमूद गजनबी को मरे दो एक हजार साल से भी ज्यादा हो गए हैं। अब हमारे बीच जो मुसलमान हैं वे न मुगल हैं और न अफगानी या ईरानी। वे विशुद्ध भारतीय हैं और कोई भी फिल्म उनकी भारतीयत नहीं बदल सकती। इतिहास में भारतीय नायकों की एक लम्बी फेहरिस्त है जो स्वराज्य के लिए कुर्बान हो गए लेकिन किसी आततायी के आगे झुके नहीं ,लेकिन वे न कांग्रेसी थे और न भाजपाई। उनके समाने अखंड भारत भी नहीं था। सबका अपना-अपना राज था और वो ही स्वराज था। ऐसे महान नायकों के किस्से हमारे बच्चों को जानना ही चाहिए ,लेकिन इनके जरिये बच्चों के कोमल मन में किसी जाति या मजहब के खिलाफ घृणा पैदा करने की कोशिश भी नहीं की जाना चाहिए। क्योंकि हमारे इतिहास में बहुत से ऐसे किरदार भी हैं जो विजातीय होते हुए भी स्वराज के लिए लड़े और मरे। हजार,पांच सौ साल पुराने इतिहास की मरम्मत कर कोई आज की पीढी का भविष्य नहीं बना सकता। लेकिन कोशिश तो कोशिश है। इस तरह की कोशिशें केवल सैकड़ों साल पुराने इतिहास को लेकर ही नहीं हुई बल्कि आज के कश्मीर ,केरल और मणिपुर को लेकर भी हुईं हैं। इन फिल्मों से हुए नफा-नुक्सान के बारे में दुनिया जानती है। बहरहाल आज के दौर में ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर बनाई जा रही फिल्में हों या धारावाहिक तकनीक और अभिनय के हिसाब से बहुत प्रभावी हैं। ऐतिहासिक किरदारों में भगवा ब्रिगेड में शामिल अक्षय कुमार भी शामिल हैं और संजय दत्त भी। पहले इनकी जगह मनोज कुमार यानि भारत कुमार हुआ करते थे ,लेकिन वे भारतीयता और भारतीय मूल्यों को लेकर फिल्में बनाते थे,हिन्दू-मुसलमान को लेकर नहीं। इसलिए जब भी ऐतिहासिक फिल्में देखें तब ये जरूर ध्यान में रखें कि आप फिल्म देख रहे हैं न की इतिहास पढ़ रहे हैं। इतिहास चंद फिल्मों के जरिये नहीं बदला जा सकता,नहीं जाना जा सकता।

शून्य भेदभाव अभियान मिसाल नहीं, मशाल बनें

ललित गर्ग

दुनिया में भेदभाव की ऊंची-ऊंची दीवारों पर अमानवीयता, छूआछूत, अन्याय, शोषण, उत्पीड़न के काले अध्याय लिखे हैं, इनके खिलाफ लड़ाई के लिए बहुआयामी, उदार एवं मानवीय दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो मूल कारणों एवं जड़ों पर प्रहार करते हुए सामाजिक-राजनैतिक मानदंडों को चुनौती दे और पहचान के विभिन्न आयामों में समावेशिता और समानता को बढ़ावा दे। भेदभाव के विभिन्न रूपों के बारे में जागरूकता और समझ को बढ़ावा देकर, हम सभी के लिए एक अधिक न्यायपूर्ण और समतापूर्ण दुनिया बनाने की दिशा में काम कर सकते हैं। इसी उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र (यूएन) और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा प्रत्येक वर्ष 1 मार्च शून्य भेदभाव दिवस मनाया जाता है, जो कोई प्रतीकात्मक उत्सव नहीं है, बल्कि सीमाओं, संस्कृतियों और समुदायों के बीच समानता की एक शक्तिशाली घोषणा है, इसे मिसाल नहीं, मशाल बनाना होगा। यह निष्पक्षता, समानता और सभी के लिए सम्मान के लिए लड़ने की अटूट प्रतिबद्धता को दशार्ता है। शून्य भेदभाव दिवस-2025 की थीम है हम एक साथ खड़े हैं। इसके द्वारा जातिवाद, रंगवाद, नस्लवाद, भाषावाद आदि विषमता एवं विसंगतिमूलक व्यवस्थाओं एवं सोच की जड़े हिलाई गयी है। दुनियाभर में इस क्रांतिकारी अभियान का मुक्तभाव से स्वागत हो रहा है।

इक्कींसवी सदी का आदमी हवा में उड़ने लगा है, चांद पर चहलकदमी करने लगा है, ग्रह-नक्षत्रों की दुनिया में झांकने लगा है, यंत्र मानव का निर्माण करने लगा है, अपनी अधिकांश समस्याओं का समाधान कम्प्यूटर-कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) से पाने लगा है, लेकिन इंसान इंसान के बीच के भेदभाव को मिटाने की दिशा में अभी भी यथोचित सफलता नहीं मिली है। यही कारण है कि नस्लीय, लैंगिक, जातीय, भाषायी भेदभाव खड़े हैं। नस्लीय भेदभाव एक गहरा मुद्दा बना हुआ है जो अल्पसंख्यक समूहों को प्रभावित करता है। रूढ़िवादिता, पूर्वाग्रह और प्रणालीगत नस्लवाद असमान अवसरों, संसाधनों तक सीमित पहुंच और शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवा में व्यापक असमानताओं का बड़ा कारण हैं। इसी तरह लैंगिक पूर्वाग्रह और रूढ़िवादिता भेदभाव को बढ़ावा देती है, जिससे महिलाओं को अक्सर वेतन में अंतर, सीमित करियर उन्नति और सामाजिक अपेक्षाओं का सामना करना पड़ता है जो उन्हें पारंपरिक भूमिकाओं तक सीमित कर देती हैं, जिससे उनकी स्वतंत्रता और क्षमता सीमित हो जाती है। उम्र के आधार पर भेदभाव युवा और बुजुर्ग दोनों को प्रभावित करता है। विभिन्न अध्ययनों और रिपोर्टों से वैश्विक स्तर पर संस्कृतियों एवं समाजों में भेदभाव के बारे में चिंताजनक आंकड़े मिलते है। भेदभाव के दुष्परिणाम व्यक्तिगत अनुभवों से कहीं आगे तक फैले हुए हैं, जो पूरे समुदाय को नकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं। भेदभाव सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को बढ़ावा देता है, जिससे पीढ़ियों तक नुकसान का चक्र चलता रहता है। जैसे-जैसे शून्य भेदभाव दिवस आंदोलन ने गति पकड़ी, भेदभाव के खिलाफ लड़ाई में मील के पत्थर हासिल होते गए, जिससे अधिक समावेशी भविष्य की उम्मीद जगी है। महात्मा गांधी ने भारत में भेदभाव, ऊंच-नीच, छूआछूत की अमानवीता को न केवल धोया, बल्कि एक अधिक समानता एवं समतापूर्ण आदर्श-समाज व्यवस्था की नींव रखी। अगर गांधी ने अछूतोद्धार आन्दोलन नहीं चलाया होता, उनके कल्याण के लिए संघर्ष नहीं किया होता, उनकी बस्ती मे उनके साथ जाकर नहीं रहे होते तो ये हरिजन आज हीन एवं दीन ही बने रहते। जब गांधी के गुजरात का प्रमुख शहर, हीरों का विश्वभर में निर्यात करने वाला सूरत गन्दगी से सड़कर ह्वप्लेगह्व से जूझ रहा था, तब देश के सबसे बड़े प्रान्त उत्तर प्रदेश में आन्दोलनकारियों पर गोली चलाई गई। जिसने राजघाट में सोयी उस आत्मा को पीड़ा से भर दिया। गांधी ने एक मुट्ठी भर नमक उठाया और करोड़ों लोगों ने मुट्ठियां तान दी थीं। चर्खे पर खादी का धागा काता और विदेशी कपड़ों की होली हर चौराहे पर जला दी। ह्वकरो या मरोह्व का नारा दिया और कितने ही वकील, डॉक्टर, अध्यापक, व्यापारी अपना पेशा छोड़कर मैदान में कूद पड़े। ऐसा चरित्र आज कहां? उनका व्यक्तित्व सुन्दर चमड़ी का नहीं था, उनकी छवि विदेशी कपड़ों से नहीं थी, उनके विचार आयात किए हुए नहीं थे। एक दुबला, पतला, लंगोटीधारी, जो भारत की धरती के लोगों के हृदय की भाषा बोलता था और इंसान इंसान को बांटने वाली हर दीवार को और हर भेदभाव को मिटाता चला गया। आज तो नेता समस्याओं को सड़ा रहे हैं-- समाधान नहीं दे रहे हैं। लोगों का विश्वास टूट रहा है।

भेदभाव के खिलाफ लड़ाई गांधी जैसे अनेक विश्व व्यक्तित्वों के अथक प्रयासों से प्रेरित हैं, जिनकी न्याय और समानता के प्रति प्रतिबद्धता ने वैश्विक मंच पर एक अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने सामाजिक मानदंडों को चुनौती देने, हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए आवाज उठाने और बदलाव को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसी ही एक प्रतिष्ठित हस्ती हैं नेल्सन मंडेला, जिनकी दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद को खत्म करने के लिए आजीवन प्रतिबद्धता उत्पीड़न के खिलाफ लचीलेपन का प्रतीक है। लड़कियों की शिक्षा के लिए निडर योद्धा मलाला यूसुफजई तालिबान द्वारा हत्या के प्रयास से बचने के बाद एक प्रमुख व्यक्ति के रूप में उभरीं। सभी के लिए शिक्षा के प्रति मलाला के अटूट समर्पण और लैंगिक समानता के लिए उनके अथक प्रयास ने उन्हें 17 साल की उम्र में नोबेल शांति पुरस्कार दिलाया, जिससे वह इतिहास में सबसे कम उम्र की पुरस्कार प्राप्तकताओं में से एक बन गईं। हार्वे मिल्क ने पहले खुले तौर पर समलैंगिक सार्वजनिक अधिकारी के रूप में कैलिफोर्निया में समलैंगिकों के अधिकारों की व्यापक दृश्यता और स्वीकृति का मार्ग प्रशस्त किया। मिल्क की साहसी सक्रियता ने समलैंगिक अधिकार आंदोलन के शुरूआती चरणों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। रूथ बेडर गिन्सबर्ग, एक अग्रणी कानूनी विद्वान और सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश, ने अपना करियर लैंगिक भेदभाव से लड़ने के लिए समर्पित कर दिया। उनके अभूतपूर्व काम और ऐतिहासिक कानूनी फैसलों ने महिलाओं के अधिकारों को गहराई से प्रभावित किया है और कानूनी परिदृश्य को आकार देना जारी रखा है।

हवा में उड़ते सपनों की टूटी कुर्सी !

सोनम लववंशी

जब किसान खेतों में पसीना बहा रहे हों, युवा नौकरी की तलाश में दर-दर भटक रहे हों, और आम आदमी महंगाई से की मार झेल रहा हो, तब एयर इंडिया की टूटी सीट पर बैठने का दर्द किसी लग्जरी समस्या जैसा लगेगा। लेकिन यह केवल एक कुर्सी का मामला नहीं है, यह उस व्यवस्था की पोल खोलता है जहाँ आम नागरिक की जेब से पूरे पैसे तो ऐंठ लिए जाते हैं, पर बदले में उसे सुविधाओं के नाम पर सिर्फ झुनझुना थमा दिया जाता है। एयर इंडिया, जिसे टाटा समूह ने संभाला, उससे उम्मीद थी कि महाराजा का वैभव लौटेगा। पर हकीकत वही ढाक के तीन पात। महाराजा तो अब भी है, मगर लगता है, राजमहल की कुर्सियाँ अब खटारा हो चुकी हैं। सीटें धंसी हुई, हिलती हुई, और यात्रियों की रीढ़ की हड्डी की परीक्षा ले रही हैं! अब यह नया एयर इंडिया है या वही पुरानी सरकारी अकर्मण्यता की उड़ान, जो अब भी यात्रियों के धैर्य पर प्रयोग कर रही है? ये सवाल उठाना लाजिमी है, क्योंकि केंद्रीय कृषिमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जो समस्या उठाई। वह काफी ज्वलंत और पीड़ादायक है। आज हवाई यात्रा अब सुविधा नहीं, बल्कि एक संघर्ष बन चुकी है। यात्रियों से मनचाही कीमत वसूलने के बावजूद सुविधाओं के नाम पर झुनझुना थमा दिया जाता है। कभी फ्लाइट लेट होने के नाम पर यात्री फँसते हैं, कभी अनावश्यक शुल्क के जाल में, और कभी टूटी-फूटी सीटों पर बैठने की मजबूरी में। सवाल यह नहीं कि एक सीट खराब थी, सवाल यह है कि जब प्रबंधन को इसकी जानकारी थी, तो टिकट क्यों बेचा गया? फ्लाइट में बैठते ही फास्टन सीट बेल्ट की घोषणा होती है, लेकिन अगर सीट ही टूटी हो, तो बेल्ट बाँधकर यात्री किस सुरक्षित यात्रा की उम्मीद करें? यह सिर्फ एक यात्री की शिकायत नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का प्रमाण है जहाँ ग्राहक को केवल संख्या माना जाता है—जिससे पैसा लिया जाए और फिर भुला दिया जाए। एयरलाइंस की जवाबदेही तय करने वाला कोई तंत्र नहीं, इसलिए यात्रियों की मजबूरी का फायदा उठाना उनका नया व्यावसायिक मॉडल बन गया है। क्या एयर इंडिया की नई व्यवस्था इस सोच को बदलेगी? सवाल उठता है कि टाटा, जिसे गुणवत्ता और भरोसे का पर्याय माना जाता है, क्या वह इस सेवा को अपनी साख के अनुरूप बना पाएगा? एयर इंडिया को खरीद लेना एक बात है, लेकिन उसे वाकई महाराजा बनाना दूसरी। यात्रियों को सम्मान देना प्राथमिकता होगी, या फिर बस मुनाफे का खेल ही चलता रहेगा? यात्रा के पहले किराया तय नहीं, यात्रा के बाद शिकायतों का निवारण नहीं, और यात्रा के दौरान सुविधाओं की कोई गारंटी नहीं—क्या यही वह हवाई क्रांति है, जिसका वादा किया गया था? देश की सरकार जब उड़ान योजना के तहत आम आदमी को हवाई सफर का सपना दिखाती है, तो यह क्यों नहीं बताती कि यह सफर कितना कठिन और अपमानजनक भी हो सकता है? हर उड़ान में यात्रियों से हजारों रुपये वसूले जाते हैं, लेकिन बदले में उन्हें क्या मिलता है? लेट उड़ान, खराब सीटें, खराब खाना, और ऊपर से यह अहसान कि उन्हें हवाई सफर का मौका दिया जा रहा है। क्या यही उपभोक्ता अधिकार हैं? अगर भारतीय रेलवे बिना कन्फर्म टिकट के यात्रा नहीं करने देती, तो विमान कंपनियों को क्यों छूट मिलती है कि वे खराब सीटों के टिकट बेच सकें?

चिंतन-मनन

दीर्घजीवी होती है विनम्रता

एक साधु बहुत बूढ़े हो गए थे। उनके जीवन का आखिरी क्षण आ पहुंचा। आखिरी क्षणों में उन्होंने अपने शिष्यों और चेलों को पास बुलाया। जब सब उनके पास आ गए, तब उन्होंने अपना पोपला मुंह पूरा खोल दिया और शिष्यों से बोले- देखो, मेरे मुंह में कितने दांत बच गए हैं? शिष्यों ने उनके मुंह की ओर देखा। कुछ टटोलते हुए वे लगभग एक स्वर में बोल उठे- महाराज आपका तो एक भी दांत शेष नहीं बचा। शायद कई वर्षों से आपका एक भी दांत नहीं है साधु बोले-देखो, मेरी जीभ तो बची हुई है सबने उत्तर दिया- हां, आपकी जीभ अवश्य बची हुई है। इस पर साधू ने कहा- पर यह हुआ कैसे? मेरे जन्म के समय जीभ थी और आज मैं यह चोला छोड़ रहा हूं तो भी यह जीभ बची हुई है। ये दांत पीछे पैदा हुए, ये जीभ से पहले कैसे विदा हो गए? इसका क्या कारण है, कभी सोचा? शिष्यों ने उत्तर दिया-हमें मालूम नहीं। महाराज, आप ही बतलाइए उस समय मृदु आवाज में संत ने समझाया - यही रहस्य बताने के लिए मैंने तुम सबको इस बेला में बुलाया है। इस जीभ में माधुर्य था, मृदुता थी और खुद भी कोमल थी, इसलिए वह आज भी मेरे पास है, परंतु मेरे दांतों में शुरू से ही कठोरता थी, इसलिए वे पीछे आकर भी पहले खत्म हो गए, अपनी कठोरता के कारण ही ये दीर्घजीवी नहीं हो सके। दीर्घजीवी होना चाहते हो तो कठोरता छोड़ो और विनम्रता सेखो।

आज का राशिफल

मेष आज दिन करियर के लिहाज से शुभ है। कारोबार में आपकी योजनाएं सफल होंगी।	**तुला** सुख-समृद्धि में वृद्धि होगी। कार्य-व्यवहार से जुड़े सभी विवाद सुलझ सकते हैं।
वृषभ आज दिन शुभ है। आपका ध्यान नई योजनाओं पर लगेगा और कुछ नया करने के बारे में सोच सकते हैं।	**वृश्चिक** आज दिन आर्थिक मामलों में लाभ से भरा होगा। कारोबार में योजनाएं सफल होंगी।
मिथुन रचनात्मक कार्यों में बीतेगा। जिस काम को पसंद करते हैं, उसे करने का मौका मिलेगा।	**धनु** सावधानी और सतर्कता बरतनी होगी। व्यापार में थोड़ा जोखिम उठाएं तो बड़ा लाभ हो सकता है।
कर्क आज दिन बेहद रचनात्मक रहेगा। भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। जो भी काम लगन से करेंगे।	**मकर** दिन सामान्य रहेगा। साझेदारी में किया गया काम लाभ देगा। किस्मत का साथ मिलेगा।
सिंह आज दिन काफी व्यस्तता से भरा रहेगा और आपको काफी भागदौड़ करनी पड़ेगी।	**कुंभ** मनोरंजन, खेल, बच्चों का सामान, और कंसल्टेंसी से जुड़े लोगों को लाभ होगा।
कन्या आज करियर में सूझबूझ से काम लेना होगा। बातचीत में संयम और सावधानी बरतें।	**मीन** आज आप आराम के मूड में रहेंगे। घर से ही काम निपटाने की कोशिश करेंगे।

विशेष

उत्तर प्रदेश की राजनीति में बवाल

बिहार में भाजपा ने अपने कोटे के मंत्री पद भर दिए हैं। प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने बिहार में एक व्यक्ति एक पद के सिद्धांत को देखते हुए मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। अब उत्तर प्रदेश की बारी है। योगी आदित्यनाथ के मंत्रिमंडल में फेरबदल और विस्तार करने की बात कही जा रही है। जिन मंत्रियों के ऊपर भ्रष्टाचार के आरोप हैं,उन्हें हटाया जाएगा। उनके स्थान पर जाति समीकरण को देखते हुए नए विधायकों को मंत्री बनाने की कवायत शुरू होगी। जो पदाधिकारी 75 साल की उम्र पूरी कर गए हैं। उनको मार्गदर्शन मंडल में भेजने की तैयारी की जा रही है। संगठन चुनाव के लिए पदाधिकारियों का चयन शुरू हो गया है। जिसके कारण उत्तर प्रदेश की भाजपा राजनीति में बड़े फेर बदल होने की संभावना बन गई है। भाजपा नेताओं ने अपनी म्यान से तलवार निकाल ली है। राजनीति के सभी योद्धा मैदान में उतर चुके हैं। अब देखना यह है, किसकी जीत होती है, किसकी हार होती है।

बिहार में 7 माह के लिए 7 मंत्री

बिहार मंत्रिमंडल का विस्तार 7 महीने पहले हुआ है। कैबिनेट मंत्रियों के सभी पदों को भर लिया गया है। 7 माह के लिए जो सात मंत्रियों को शपथ दिलाई गई है। वह सभी भाजपा कोटे के मंत्री हैं। अब ऐसी कोई जाति समूह नहीं है। जिसका कोई मंत्री ना हो। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले जो 7 नए मंत्री बनाए गए हैं। उसमें कोईरी,कुर्मी, तेली, केवट, मारवाड़ी, राजपूत और भूमिहार को मंत्री बनाया गया है। जाति व्यवस्था में अब सभी जातियों का समावेश मंत्रिमंडल में हो गया है। चुनाव के पहले भाजपा ने अपनी ताकत बिहार में दिखा दी है।

कार्टून कोना

यूएन में पाकिस्तान को भारत की फटकार, कहा-पाकिस्तान एक असफल देश, वह इंटरनेशनल भीख पर जीता है

आज का इतिहास

1562 फ्रांस में पहला धर्मयुद्ध हुआ. 1640 अंग्रेजों को मद्रास में व्यापार का अधिकार मिला. 1767 स्पेन नरेश चार्ल्स तृतीय ने अपने यहां से रोमन कैथोलिक पादरियों को निष्कासित किया. 1775 नाना फड़नवीस और अंग्रेजों के बीच संधि हुई. 1799 नेपोलियन बोनापोर्ट के फ्रांस पहुंचने पर लुई 8 वें देश छोड़कर भाग गए. 1908 टाटा आयरन एंड स्टील कंपनी की स्थापना हुई. 1949 महात्मा गांधी ने रौलट एक्ट के खिलाफ सत्याग्रह की घोषणा की. 1932 उड़ान के क्षेत्र में अग्रणी अमरीकी चार्ल्स लिंडबर्ग के पुत्र का अपहरण न्यू जर्सी से हुआ. 1966 सोवियत संघ का अंतरिक्ष यान साढ़े तीन महीने की यात्रा के बाद शुक्र ग्रह पर उतरा, 1989 नामीबिया की स्वतंत्रता के क्रियान्वयन के लिए राष्ट्रसंघ ने 4.60 लाख डॉलर की राशि मंजूर की. 1995 पूर्वोत्तर भारत में एक ट्रेन में विस्फोट होने से 26 सैनिक मारे गए और 30 अन्य घायल हो गए।

दैनिक पंचांग

1 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	07.06 बजे से
चंद्र	मीन में	मेष	08.37 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृष	10.17 बजे से
बुध	मीन में	मिथुन	12.15 बजे से
गुरु	वृष में	कर्क	14.28 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	16.44 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	18.56 बजे से
राहु	मीन में	तुला	21.07 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	23.22 ब.से
राहुकाल		धनु	01.38 बजे से
9.00 से 10.30		मकर	03.43 बजे से
बजे तक		कुंभ	05.29 बजे से

शनिवार 2025 वर्ष का 60 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** द्वितीया 00.10 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाभाद्रपदा 11.23 बजे को समाप्त। **योग** साध्य 16.25 बजे को समाप्त। **करण** बालव 13.44 बजे तदनन्तर कौलव 00.10 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 01.0 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 07° 34' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872270 **जूलियन दिन** 2460735.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** शाबान **तारीख** 30 **विशेष** चंद्र दर्शन, फुलेरा दूज, रामकृष्ण जयंती।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं मिट्टी के बर्तन

प्राचीन काल से ही मिट्टी के बर्तनों का इस्तेमाल होता आ रहा है। हालांकि वर्तमान समय में मिट्टी के बर्तनों की जगह प्लास्टिक या अन्य धातु से बने बर्तनों ने ले ली है। लेकिन आज भी सजावट के लिए ज्यादातर लोग मिट्टी से बनी चीजों का प्रयोग करते हैं।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, मिट्टी के बर्तन व्यक्ति की बंद किस्मत को जगा सकते हैं। विद्वानों के अनुसार, घर पर मिट्टी के बर्तनों का इस्तेमाल शुभ माना जाता है। कहते हैं कि ऐसा करने से नकारात्मकता दूर होती है और घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। जानिए वास्तु में किन तीन मिट्टी की चीजों को घर पर रखना शुभ माना जाता है।

मिट्टी का घड़ा

वास्तु के अनुसार, मिट्टी का घड़ा रखने से सुख-समृद्धि घर आती है। मिट्टी का घड़ा सदैव उत्तर दिशा की ओर रखना चाहिए। इसके साथ ही घड़े को कभी खाली नहीं छोड़ना चाहिए। मान्यता है कि घर पर मिट्टी का घड़ा रखने से सुख-समृद्धि का वास होता है। आपको बता दें कि आज भी आयुर्वेदाचार्य मिट्टी के घड़े का पानी सेहतमंद बताते हैं।

मिट्टी का प्रतिमाएं

वास्तु शास्त्र के मुताबिक, पूजा स्थल पर मिट्टी से बनीं देवी-देवताओं की प्रतिमाएं रखना शुभ हता है। इसलिए घर के मंदिर में हमेशा मिट्टी से बनी देवी-देवताओं की मूर्ति रखनी चाहिए। इन प्रतिमाओं को हमेशा घर के ईशान कोण (उत्तर-पूर्व दिशा) या दक्षिण-पश्चिम दिशा में ही रखना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

मिट्टी का दीपक

वर्तमान समय में पूजा स्थल पर मिट्टी के दीपक का बहुत कम लोग इस्तेमाल करते हैं। मिट्टी के दीपक की जगह धातु से बने दीपक का इस्तेमाल होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, मिट्टी से बने दीपक को घर पर जलाना शुभ होता है। कहते हैं कि ऐसा करने से घर पर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

क्या घर के पास मंदिर का होना शुभ है? क्या कहता है वास्तु

मंदिर आपके मन को शांति प्रदान करने का एक अच्छा माध्यम माना जाता है। लोग अक्सर अपने घरों और आस-पास के स्थानों में मंदिर बनवाते हैं जिससे सकारात्मक ऊर्जा बनी रहे और आध्यात्मिक शांति प्राप्त हो। लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के पास मंदिर का होना शुभ माना जाता है या अशुभ, यह कई बातों पर निर्भर करता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के पास मंदिर का निर्माण और उसका स्थान बहुत ज्यादा मायने रखता है। मंदिर से निकलने वाली ऊर्जा का प्रभाव घर के वातावरण पर पड़ता है, जो सकारात्मक या नकारात्मक दोनों हो सकता है। यदि यह मंदिर उचित दिशा और नियमों के अनुसार स्थित है, तो यह घर में सुख-समृद्धि और मानसिक शांति लाने में मदद करता है।

भारतीय संस्कृति में मंदिरों का विशेष महत्व है। मंदिर आपके मन को शांति प्रदान करने का एक अच्छा माध्यम माना जाता है। लोग अक्सर अपने घरों और आस-पास के स्थानों में मंदिर बनवाते हैं जिससे सकारात्मक ऊर्जा बनी रहे और आध्यात्मिक शांति प्राप्त हो। लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के पास मंदिर का होना शुभ माना जाता है या अशुभ, यह कई बातों पर निर्भर करता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के पास मंदिर का निर्माण और उसका स्थान बहुत ज्यादा मायने रखता है। मंदिर से निकलने वाली ऊर्जा का प्रभाव घर के वातावरण पर पड़ता है, जो सकारात्मक या नकारात्मक दोनों हो सकता है। यदि यह मंदिर उचित दिशा और नियमों के अनुसार स्थित है, तो यह घर में सुख-समृद्धि और मानसिक शांति लाने में मदद करता है। वहीं, यदि मंदिर घर के बहुत नजदीक या गलत दिशा में स्थित है तो यह घर के लिए वास्तु दोष उत्पन्न कर सकता है, जिससे आपके पारिवारिक जीवन में बाधाएं और मानसिक तनाव बढ़ सकता है।

घर के पास मंदिर होने के फायदे

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के पास मंदिर होने से घर पर सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है, जिससे परिवार में शांति और समृद्धि आती है। मंदिर से होने वाले नियमित मंत्रोच्चार, आरती और भजन आपके घर के वातावरण को पवित्र बनाते हैं और नकारात्मक ऊर्जा को दूर करते हैं। इससे घर के सदस्यों में मानसिक शांति बनी रहती है और तनाव कम होता है। घर के पास मंदिर होने से आध्यात्मिक जागरूकता बढ़ती है और पूजा-पाठ में रुचि बढ़ती है। यही नहीं, धार्मिक आयोजनों में भाग लेने का अवसर भी मिलता है, जिससे सामाजिक और धार्मिक जुड़ाव मजबूत होता है। आइए जानें इसके अन्य लाभों के बारे में-

सकारात्मक ऊर्जा का संचार

मंदिरों में नियमित रूप से पूजा-पाठ, मंत्रोच्चार और आरती होती है, जिससे वहां के आस-पास का वातावरण सकारात्मक बना रहता है। यदि आपके घर के पास मंदिर है, तो वहां की पवित्रता और आध्यात्मिक शक्ति घर के सदस्यों पर भी सकारात्मक प्रभाव डालती है। मंदिर की ऊर्जा घर में रहने वाले लोगों को भी प्रभावित करती है और उनकी मानसिक स्थिति अच्छी बनी रहती है।

मानसिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति

यदि आपका घर मंदिर के पास है तो ऐसे स्थान पर रहने से व्यक्ति की धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ती है और ध्यान व प्रार्थना के लिए एक पवित्र वातावरण प्राप्त प्राप्त होता है। इससे आपके जीवन में मानसिक शांति बनी रहती है और आध्यात्मिक उन्नति भी होती है।

नकारात्मक शक्तियों से रक्षा

वास्तु शास्त्र के अनुसार, मंदिरों में नियमित रूप से घंटों की ध्वनि गूंजती है और हवन व यज्ञ होते हैं, जो नकारात्मक शक्तियों और बुरी ऊर्जा को दूर करने में सहायक होते हैं। इस कारण घर के आस-पास मंदिर होना शुभ माना जाता है। जब आपका घर मंदिर के निकट होता है तो इन भजन-कीर्तन और हवन का सुवधा प्रभाव आपके जीवन पर पड़ता है और तन और मन शुद्ध बना रहता है।

सामाजिक और सांस्कृतिक जुड़ाव

मंदिर सिर्फ पूजा-अर्चना का स्थान नहीं होता है बल्कि यह धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों का भी केंद्र होता है। मंदिर के पास घर होने से व्यक्ति सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहता है और अपने समुदाय से गहरा जुड़ाव महसूस करता है। धार्मिक उत्सवों, सत्संग और अन्य आयोजनों में भाग लेकर आध्यात्मिक और सांस्कृतिक समृद्धि मिलती है। यह न केवल मानसिक शांति प्रदान करता है, बल्कि सामाजिक सहयोग और मेल-जोल को भी बढ़ावा देता है। मंदिर का सकारात्मक वातावरण पारिवारिक जीवन में सौहार्द बनाए रखने में सहायक होता है, जिससे सामाजिक संतुलन बना रहता है। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, मंदिरों के आसपास का क्षेत्र पवित्र होता है और वहां रहने से व्यक्ति का मन धार्मिकता की ओर ज्यादा आकर्षित होता है। पुराणों में भी इस बात का उल्लेख है कि, मंदिर के समीप रहने से व्यक्ति को पुण्य लाभ प्राप्त होता है, लेकिन मंदिर से अत्यधिक निकटता कुछ परिस्थितियों में अशुभ भी हो सकती है। कुछ ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में अशुभ ग्रह प्रभावी हों और वह मंदिर के पास रहता हो, तो उसे विशेष पूजा-पाठ करने की सलाह दी जाती है। घर के पास मंदिर की मौजूदगी आपके लिए कई तरह से सकारात्मक हो सकती है, लेकिन यदि आपके घर में इसके कोई भी नकारात्मक प्रभाव हो रहे हैं तो आपके लिए वास्तु नियमों का पालन करना जरूरी है।

क्या घर के पास मंदिर का होना वास्तु अनुसार ठीक है?

- जहां एक तरफ घर के पास मंदिर होने से कुछ लाभ हैं, वहीं कुछ वास्तु कारणों से मंदिर और घर आस-पास होने के नकारात्मक प्रभाव भी हो सकते हैं। आइए जानें इसके बारे में-
- यदि घर के पास बड़ा मंदिर मौजूद हो और वहां हर समय धार्मिक गतिविधियां होती रहती हैं, तो यह कई बार घर के लोगों को उनके दैनिक जीवन और कार्यों में बाधा भी पहुंचा सकता है।
- वास्तु शास्त्र के अनुसार, यदि मंदिर का मुख्य द्वार या गर्भगृह किसी घर के मुख्य द्वार के ठीक सामने है, तो यह आपके घर के लिए वास्तु दोष उत्पन्न कर सकता है। इससे घर में मानसिक तनाव, आर्थिक समस्याएं और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी हो सकती हैं।
- कई भार घर के आस-पास मौजूद बड़े मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ होती है, जिससे घर में हमेशा शोर का वातावरण हो सकता है, इससे घर में रहने वालों की दिनचर्या प्रभावित होती है और घर के छात्रों और बुजुर्ग लोगों पर इसका नकारात्मक प्रभाव होने लगता है।

घर के पास में मंदिर है तो आजमाएं वास्तु के ये उपाय

- यदि आपके घर के आस-पास मंदिर मौजूद है और किसी तरह का वास्तु दोष उत्पन्न हो रहा है, तो कुछ आसान उपाय आजमाकर इसके दुष्प्रभावों को कम किया जा सकता है-
- यदि मंदिर का मुख्य द्वार आपके घर के द्वार के ठीक सामने है तो किसी भी प्रकार के वास्तु दोष से बचने के लिए घर के मुख्य द्वार पर तुलसी का पौधा लगाएं
- यदि आप मंदिर के ठीक पास रहते हैं तो घर में नियमित रूप से पूजा-पाठ, हवन और मंत्रोच्चार करें। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।
- अगर मंदिर का ऊर्जात्मक प्रभाव घर पर पड़ रहा है, तो घर की खिड़की या दरवाजे के पास हल्के रंग का पर्दा लगाएं या ऊंची दीवार बनवाएं जिससे ऊर्जा का संतुलन बना रहे।
- यदि आपके घर पर मंदिर के कारण बहुत अधिक भीड़ और शोरगुल होता है, तो घर में शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने के लिए ध्यान और योग करें, इससे मानसिक शांति बनी रहेगी।

घर के मंदिर में वास्तु अनुसार रखें मूर्तियों की संख्या

हिंदू धर्म में सभी भगवानों की विशेष रूप से पूजा करने का विधान है। पूजा के लिए लोग घर के मंदिरों में भगवान की मूर्ति या तस्वीर रखते हैं। ऐसा माना जाता है कि जिस प्रकार से घर की सभी चीजों के लिए वास्तु का पालन करना जरूरी है वैसे ही भगवान की मूर्तियों को भी वास्तु के अनुसार ही स्थापित करना चाहिए। घर के मंदिर में आपको हमेशा मूर्तियों की स्थापना करते समय कुछ विशेष बातें ध्यान में रखनी चाहिए। यदि आप अपने जीवन से सभी बाधाओं को दूर करना चाहती हैं और धन को आकर्षित करना चाहती हैं, तो आपको मंदिर में सही संख्या में ही भगवान की मूर्तियां रखनी चाहिए।

यदि आप अपने घर के मंदिर में भगवान गणपति की मूर्ति रख रही हैं तो इनकी संख्या दो से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। आप कभी भी गणपति की मेटल की 2 मूर्तियां न रखें। आप मंदिर में एक मेटल और एक किसी और चीज जैसे पाषाण की बनी मूर्ति रख सकती हैं। एक ही मंदिर के अंदर दो से ज्यादा मूर्तियां आपके घर में समस्याओं का कारण बन सकती हैं। हालांकि आप दो मूर्तियों के साथ गणपति की तस्वीर रख सकती हैं।

भगवान कृष्ण की मूर्तियों की संख्या

यदि आप घर के मंदिर में भगवान कृष्ण की मूर्ति स्थापित करती हैं तो ध्यान में रखें कि उन्हें हमेशा राधा रानी के साथ ही स्थापित करें। इससे घर में प्रेम भाव बना रहता है। यदि आप इनकी मूर्तियों की संख्या की बात करें तो कृष्ण के बाल स्वरूप की एक मूर्ति और लड्डू गोपाल के दो स्वरुप रख सकती हैं। वहीं आप राधा रानी के साथ कृष्ण की एक ही मूर्ति रखें तो यह आपके लिए शुभ होगा।

भगवान हनुमान की मूर्तियों की संख्या

यदि आप घर के मंदिर में हनुमान जी की मूर्ति रख रही हैं तो एक से ज्यादा मूर्ति न रखें। यदि आप उनकी तस्वीर रख रही हैं तो ऐसी तस्वीर सबसे ज्यादा शुभ होगी जो भगवान राम दरवार के साथ हो। कभी भी हनुमान जी के रौद्र रूप की तस्वीर या मूर्ति घर में न रखें, ऐसी मूर्ति आपके घर में झगड़ों का कारण बन सकती है।

भगवान शिव की कितनी मूर्तियां हैं शुभ

यदि आप भगवान शिव की मूर्ति अपने घर के मंदिर में रखती हैं तो ध्यान रखें कि शिव जी की एक ऐसी मूर्ति रखें जिसमें वो माता पार्वती या अपने परिवार के साथ हों, जिसमें गणपति भी मौजूद हों। शिवलिंग की बात करें तो घर में कभी भी एक से ज्यादा शिवलिंग नहीं रखना चाहिए और इसका आकार अंगूठे से ज्यादा बड़ा नहीं होना चाहिए।

घर के मंदिर में न रखें ऐसी मूर्तियां

- वास्तु की मानें तो आपको घर के मंदिर में कभी भी मीरा या रुक्मिणी के साथ भगवान कृष्ण,सिद्धि और रिद्धि के साथ भगवान गणेश और दो पत्नियों देवसेना और वल्ली के साथ भगवान कार्तिकेय की मूर्तियां नहीं रखनी चाहिए।
- भगवान शिव के नटराज रूप की मूर्ति या तस्वीर न रखें, इससे आपके घर का माहौल नकारात्मक हो सकता है।
- आप देवी-देवताओं की दिव्य त्रिमूर्ति- सरस्वती, लक्ष्मी और दुर्गा की एक-एक मूर्ति रख सकती हैं, लेकिन कभी भी एक ही देवी की 3 मूर्तियां न रखें।
- एक शिवलिंग की स्थापना करते समय कई नियमों का पालन करने की आवश्यकता होती है, इसलिए कभी भी दो शिवलिंग न रखें।
- किसी भी तरह की खंडित मूर्ति घर के मंदिर में न रखें।

तीन साल बाद फिर नौकरशाह के हवाले नियामक

एयर इंडिया के निजीकरण का खाका बनाने वाले पांडेय अब चलाएंगे सेबी

नई दिल्ली, एजेंसी। तीन साल के अंतराल के बाद शेयर बाजार नियामक सेबी के प्रमुख के तौर एक अनुभवी नौकरशाह की वापसी हो रही है। नियमों के पक्के वित्त सचिव तुहिन कांत पांडेय तीन साल के लिए पूंजी बाजार नियामक, भारतीय प्रतिभूति व विनिमय बोर्ड (सेबी) के प्रमुख होंगे। पांडेय 1987 बैच के ओडिशा कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी हैं। वह माधबी पुरी बुच की जगह लेंगे, जिनका तीन साल का कार्यकाल शुक्रवार को समाप्त हो रहा है। बुच सेबी का नेतृत्व करने वाली पहली महिला और निजी क्षेत्र से चुनी गई पहली सेबी चेयरपर्सन भी हैं। बुच से पहले सेबी प्रमुख का पद ज्यादातर अनुभवी नौकरशाहों के पास ही रहा है। यह हालिया महीनों में किसी नियामक संस्था के शीर्ष पर नौकरशाह की दूसरी नियुक्ति है। दिसंबर 2024 में सरकार ने शक्तिकान्त दास की सेवानिवृत्ति के बाद राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का गवर्नर नियुक्त किया था।

बुच ने अपने कार्यकाल में इक्विटी के तेजी से निपटान, विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) खुलासे में वृद्धि तथा म्यूचुअल फंड पैठ बढ़ाने जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति की, लेकिन उनके कार्यकाल के अंतिम वर्ष में काफी विवाद हुआ जब सेबी के कर्मचारियों ने ''कामकाज के गलत तरीकों'' के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। साथ ही अमेरिका की शोध एवं निवेश कंपनी हिंडनबर्ग तथा विपक्षी दल कांग्रेस ने भी उनपर कई आरोप लगाए थे।

बीते कुछ महीनों में सेबी की कार्यप्रणाली पर बड़े पैमाने पर उठे सवालों के बीच सरकार ने एक अनुभवी नौकरशाह पांडेय को नियामक निकाय का प्रमुख चुना है। उनके पास सरकार के विनिवेश व निजीकरण कार्यक्रमों को संभालने का व्यापक अनुभव है। मृदुभाषी पांडेय नियम पुस्तिका का पालन करने और काम पूरा करने में महिर माने जाते हैं।

63 प्रतिशत भर गया है आईपीओ, दांव लगाने का आखिरी मौका

जीएमपी में हलचल से निवेशक खुश

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीनाथ पेपर आईपीओ आज बंद हो रहा है। कंपनी का आईपीओ 25 फरवरी को खुला था। 28 फरवरी यानी आज कंपनी के शेयर पर दांव लगाने का आखिरी मौका है। इस आईपीओ का साइज 23.36 करोड़ रुपये है। कंपनी आईपीओ के जरिए 53.10 लाख फ्रेश शेयर जारी करेगी। बता दें, ग्रे मार्केट में कंपनी के आईपीओ को लेकर काफी हलचल है।

क्या है प्राइस बैंड

श्रीनाथ पेपर आईपीओ का प्राइस बैंड 44 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। कंपनी ने 3000 शेयरों का एक लॉट बनाया था। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 132000 रुपये का दांव लगाना होगा। बता दें, शेयरों का अलॉटमेंट 3 मार्च को प्रस्तावित है। वहीं, कंपनी की लिस्टिंग 5 मार्च को प्रस्तावित है।

क्या है जीएमपी

ग्रे मार्केट में पिछले 2 दिनों के दौरान कंपनी के आईपीओ को लेकर हलचल है। ग्रे मार्केट में कंपनी का आईपीओ 5 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। कल यानी 27 फरवरी को भी कंपनी के आईपीओ का जीएमपी 5 रुपये ही था। बता दें, इससे पहले जीएमपी जीरो रुपये था। अब ग्रे मार्केट में बढ़ोतरी से दांव लगाने वाले निवेशकों ने राहत की सांस ली है।

2 दिन में 63 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन- शुरुआती दो दिन में इस आईपीओ को 63 प्रतिशत सब्सक्राइब किया गया था। रिटेल कैटगरी में आईपीओ को 1.18 गुना सब्सक्राइब किया गया था। क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटगरी में आईपीओ को अभी कोई सब्सक्रिप्शन नहीं मिला है। वहीं, एनआईआई कैटगरी में आईपीओ को 0.09 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। गैलेक्टिको कॉर्पोरेट सर्विसेज लिमिटेड को कंपनी ने आईपीओ के लिए बुक रनिंग लीड मैनेजर नियुक्त किया है। वहीं, बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है।

कर्मचारी भविष्य निधि जमा पर 8.25 प्रतिशत की ब्याज दर तय

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) को लेकर बड़ी खबर आ रही है। बताया गया कि सेवानिवृत्ति निधि निकाय ईपीएफओ ने शुक्रवार को 2024-25 के लिए ईपीएफ जमा पर 8.25 फीसदी की ब्याज दर बरकरार रखने का फैसला किया है। फरवरी 2024 में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने 2023-24 के लिए

ईपीएफ पर ब्याज दर को मामूली रूप से बढ़ाकर 8.25 फीसदी कर दिया था। 2022-23 में यह ब्याज दर 8.15 फीसदी थी। ऐसे ही मार्च 2022 में ईपीएफओ ने 2021-22 के लिए अपने सात करोड़ से अधिक ग्राहकों के लिए ईपीएफ पर ब्याज को घटाकर चार दशक से अधिक के निचले स्तर 8.1 फीसदी कर दिया था। 2020-21 में यह ब्याज दर 8.5 प्रतिशत थी। इससे पहले 2020-21 के लिए ईपीएफ पर 8.10 प्रतिशत ब्याज दर 1977-78 के बाद से सबसे कम थी। उस वक्त ईपीएफ ब्याज दर आठ प्रतिशत थी।

राज्यों को मिलने वाले कर राजस्व में 2026-27 से कटौती कर सकता है केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार राज्यों को मिलने वाले कर राजस्व में कटौती कर सकती है। इसकी सिफारिश की रिपोर्ट इस साल 31 अक्तूबर तक सौंपी जाएगी। अगर रिपोर्ट मान ली जाती है तो इसे 2026-27 से लागू किया जाएगा। इससे केंद्र व राज्यों के बीच तनाव बढ़ सकता है।

राज्य सरकारों को लागू करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा- सूत्रों के मुताबिक, अर्थशास्त्री अरविंद पनगढ़िया की अध्यक्षता वाला पैनल

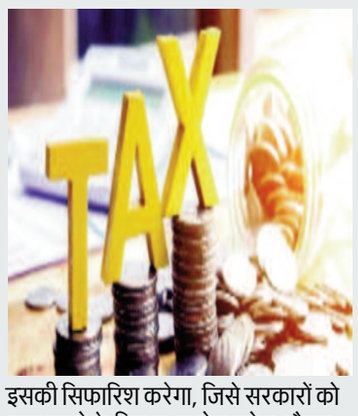

इसकी सिफारिश करेगा, जिसे सरकारों को लागू करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। पैनल राज्यों को जाने वाले करों का हिस्सा मौजूदा 41 फीसदी से घटाकर कम से कम 40 फीसदी करने की सिफारिश करेगा।

केंद्र को करीब 350 अरब रुपये मिल सकते हैं- इस प्रस्ताव को मार्च के अंत तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट से मंजूरी मिल सकती है और फिर इसे वित्त आयोग को भेजा जाएगा। चालू वर्ष के लिए अपेक्षित टैक्स संग्रह के आधार पर कर राजस्व में राज्यों की हिस्सेदारी में एक फीसदी की कमी से केंद्र को करीब 350 अरब रुपये मिल सकते हैं।

राज्यों की कर हिस्सेदारी घटाने की मांग

राज्य सरकारों को मिलने वाले करों का हिस्सा 1980 में 20 फीसदी था, जो बढ़कर अब 41 फीसदी हो गया है। लेकिन, केंद्र सरकार का खर्च लगातार बढ़ रहा है। विशेष रूप से आर्थिक मंदी के कारण उसे और पैसों की जरूरत पड़ रही है। इस कारण राज्यों की कर हिस्सेदारी घटाने की मांग उठने लगी है।

उपभोक्ता बाजार पर रिपोर्ट में दावा

भारत ने निजी खपत बढ़ने के मामले में यूएस, चीन व जर्मनी को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने निजी खपत बढ़ने की रफ्तार के मामले में अमेरिका, चीन और जर्मनी को पीछे छोड़ दिया है। उम्मीद है कि देश 2026 तक दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार बन जाएगा। डेलॉय इंडिया ने रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के साथ मिलकर बृहस्पतिवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा, भारत में निजी खपत 2013 के एक लाख करोड़ डॉलर से दोगुना होकर 2024 में 2.1 लाख करोड़ डॉलर पहुंच जाएगी। ये आंकड़े बताते हैं कि देश में निजी खपत हर साल 7.2 फीसदी की चक्रवृद्धि दर से बढ़ रही है और वृद्धि की यह रफ्तार अमेरिका, चीन एवं जर्मनी से अधिक तेज है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में कई कारक मौजूद हैं, जो निजी खपत में तेजी ला रहे हैं। इनमें अधिक प्रीमियम भुगतान और उपभोक्ताओं की पसंद में बदलाव शामिल हैं। बढ़ती समृद्धि के साथ उपभोक्ता कीमत की तुलना में गुणवत्ता, सुविधा और अनुभव को प्राथमिकता दे रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक,

भारत अगले साल तक तीसरे सबसे बड़े उपभोक्ता बाजार बनने के साथ जनसांख्यिकीय लाभांश का फायदा उठाने के लिए भी अच्छी स्थिति में है।

डिजिटल समावेशन से बढ़ रही कर्ज तक पहुंच- डिजिटल और वित्तीय समावेशन से कर्ज तक पहुंच अभूतपूर्व गति से बढ़ रही है। क्रेडिट कार्ड की पहुंच 2024 के 10.2 करोड़ से तीन गुना बढ़कर 2030 तक 29.6 करोड़ हो जाएगी, जिससे उपभोक्ता खर्च में वृद्धि होगी।

फिनटेक समाधान और यूपीआई जैसे डिजिटल भुगतान उपभोक्ताओं के ब्रांड के साथ जुड़ने के तरीके को नया रूप दे रहे हैं। ई-कॉमर्स को अपनाने और डिजिटल फर्स्ट उपभोग की नई लहर को बढ़ावा दे रहे हैं।

तीन गुना होगी 10,000 डॉलर से अधिक कमाने वालों की संख्या- नई दिल्ली, एजेंसी। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2030 तक 10,000 डॉलर से अधिक कमाने वाले भारतीयों की संख्या करीब तीन गुना हो जाएगी।

- **4,000 डॉलर से अधिक होगी प्रति व्यक्ति आय-** भारत की प्रति व्यक्ति आय 2030 तक बढ़कर 4,000 डॉलर से अधिक हो जाएगी। यह व्यवसायों के पास ग्राहकों की बदलती अपेक्षाओं को पूरा करने का एक अविश्वसनीय अवसर होगा।
- **उपभोक्ता परिदृश्य परिवर्तन के दौर में-** डेलॉय इंडिया के भागीदार आनंद रामनाथन ने कहा, भारत का उपभोक्ता परिदृश्य परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। विवेकाधीन खर्च में वृद्धि, डिजिटल कॉमर्स का विस्तार और कर्ज तक बढ़ती पहुंच ब्रांड से जुड़ाव के नियमों को फिर से परिभाषित कर रही है। रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सीईओ कुमार राजगोपालन ने कहा, विवेकाधीन खर्च वृद्धि के नए चरण में प्रवेश कर रहा है, जो बढ़ती आय, डिजिटल स्वीकार्यता और विकसित उपभोक्ता प्राथमिकताओं से प्रेरित है।

2 शेयर पर 1 शेयर बोनस दे रही है कंपनी, रिकॉर्ड डेट में हुआ बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। एसबीसी एक्सपोर्ट्स एक बार फिर शेयर बाजार में एक्स-बोनस स्टॉक के तौर पर ट्रेड करने जा रहा है। कंपनी ने इस बार 2 शेयर पर 1 शेयर बोनस देने का फैसला किया है। निवेशकों के लिए जरूरी बात यह है कि कंपनी ने बोनस शेयर के लिए तय रिकॉर्ड डेट में बदलाव कर दिया है। आइए नई तारीख जानते हैं -

कब है एसबीसी एक्सपोर्ट्स के बोनस इश्यू के लिए रिकॉर्ड डेट- कंपनी ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा है कि 1 रुपये के फेस वैल्यू वाले 2 शेयर पर एक शेयर बोनस के तौर पर दिया जाएगा। कंपनी ने इस बोनस इश्यू के लिए रिकॉर्ड डेट पहले 5 मार्च 2025 था। लेकिन अब तारीख में बदलाव कर दिया गया है। जिसकी वजह से रिकॉर्ड डेट 11 मार्च 2025 हो गया है।

कंपनी ने इससे पहले दिया है 2 बार बोनस- एसबीसी एक्सपोर्ट्स ने इससे पहले 2022 और 2024 में बोनस शेयर दिया था। 2022 में कंपनी की तरफ से एक शेयर पर एक शेयर बोनस के तौर पर दिया गया था।

वहीं, 2024 में कंपनी की तरफ से 2 शेयर पर 1 शेयर बोनस के तौर पर दिया गया था। बता दें, 2022 में ही कंपनी के शेयरों का बंटवारा भी हुआ था। कंपनी ने तब अपने शेयरों को 10 हिस्सों में बांट दिया था। जिसकी वजह से कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 1 रुपये प्रति शेयर हो गई थी।

गुरुवार को 6 प्रतिशत से अधिक चढ़ गया था शेयर- कल यानी गुरुवार को कंपनी के शेयर बाजार के बंद होने के समय पर कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में 6 प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ 20.54 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था।

दिल्ली एयरपोर्ट में भी मिलेगी 10 में चाय और 20 में समोसा!

नई दिल्ली, एजेंसी। एयरपोर्ट पर चाय और समोसे का रेट देखकर ज्यादातर यात्री दूर से देखकर रह जाते हैं। लेकिन सरकार के प्रयास से अब आम आदमी भी एयरपोर्ट पर चाय और समोसे का मजा ले सकते हैं। एयरपोर्ट पर अब 10 रुपये में चाय और 20 रुपये में समोसा मिलना शुरु हुआ हो गया है। यात्री कैफे की शुरुआत 19 दिसंबर को कोलकाता एयरपोर्ट से हुई थी और अब चेन्नई में भी यह कैफे खुल गया है। माना जा रहा है कि कोलकाता और चेन्नई के बाद अब दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट्स का भी नंबर आ सकता है।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने बताया कि यह कैफे चेन्नई एयरपोर्ट के डोमेस्टिक टर्मिनल-1 पर चेक-इन से पहले एरिया में खोला गया है। यहां 10 रुपये में चाय, 10 रुपये में पानी की बोतल और 20 रुपये में समोसा, कॉफी और मिठाई खरीदी जा सकती है। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने गुरुवार को चेन्नई एयरपोर्ट पर उड़ान यात्री कैफे का उद्घाटन किया। पहला उड़ान यात्री कैफे 19 दिसंबर को कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर किया गया था।

कहां खुला था पहला यात्री कैफे

एयरपोर्ट एथॉरिटी ऑफ इंडिया ने कोलकाता एयरपोर्ट की 100वीं वर्षगांठ पर यात्रियों को देश के पहले उड़ान यात्री कैफे का गिफ्ट दिया था। कोलकाता एयरपोर्ट के डिपार्चर एरिया में यात्री उड़ान कैफे खोला गया है। इसमें चाय, कॉफी, स्नैक्स और पानी जैसी चीजें सस्ती कीमत पर बेची जा रही है। इस योजना का मकसद हवाई यात्रा को अधिक किफायती बनाना है, क्योंकि भारत में एविएशन सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है। कोलकाता एयरपोर्ट पर देश के पहले उड़ान यात्री कैफे को मिली सफलता के बाद अब देश के दूसरे हवाई अड्डों पर भी उड़ान यात्री कैफे खोले जा सकते हैं। पिछले साल सितंबर में पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने एयरपोर्ट्स में सामान की महंगाई पर चिंता जताई थी। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, कोलकाता हवाई अड्डे पर गर्म पानी और टी बैग से बनी चाय की कीमत 340 रुपये है। कुछ साल पहले चेन्नई हवाई अड्डे पर गर्म पानी और टी बैग की कीमत 80 रुपये है। दिल्ली एयरपोर्ट पर पानी की बोतल की कीमत 50 रुपये है जबकि समोसा 150 रुपये में मिलता है। इसी तरह डोसे की कीमत 300 रुपये और पाव भाजी की कीमत 250 रुपये है।

दो एयरपोर्ट्स पर हो चुकी है शुरुआत

52 वीक लो लेवल पर पहुंचा टाटा मोटर्स का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा मोटर्स के शेयरों में आज 2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखने को मिली। इस गिरावट के बाद कंपनी के शेयर बीएसई में 630.15 रुपये के लेवल पर आ गए। जोकि 52 वीक लो लेवल है। यह लगातार 9वां कारोबारी दिन है जब कंपनी के शेयरों की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। टाटा मोटर्स के शेयर इस समय भारी बिकवाली का शिकार हैं। बता दें, टाटा मोटर्स के शेयर अपने उच्चतम स्तर से 46 प्रतिशत टूट चुका है। जिसकी वजह से कंपनी का मार्केट कैप 2 लाख करोड़ रुपये लुढ़क चुका है।

क्या है टाटा मोटर्स के शेयरों में गिरावट के पीछे की वजह- टाटा मोटर्स के शेयरों में इस गिरावट के पीछे की वजह चीन और यूके के मार्केट में जागुआर लैंड रोवर का कमजोर आउटलुक को माना जा रहा है। इसके अलावा घरेलू मार्केट में डोमेस्टिक पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में भी नरमी देखने को मिल रही है। इसके अलावा यूरोप में बने व्हीकल्स पर प्रस्तावित टैरिफ की वजह से भी जेएलआर की सेल्स खतरे में है। जोकि रिटेल वैल्यूम के 25 प्रतिशत के बराबर है।

क्या कहना है ब्रोकरेज हाउस का- टाटा मोटर्स के बिक्री फरवरी के महीने में प्रभावित हुई है। ब्रोकरेज फर्म मोतिलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की रिपोर्ट के अनुसार फरवरी में टाटा मोटर्स के ऑटो सेल्स में 5.7 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिल सकती है। इस बार 81,505 यूनिट्स की बिक्री हो सकती है। एक साल पहले इसी महीने में 86,406 यूनिट्स की बिक्री की हुई थी।

क्या स्थिति है कंपनी की

लक्ष्मीश्री इंवेस्टमेंट एंड सिक्योरिटीज के रिसर्च हेड अंशुल जैन कहते हैं, टाटा मोटर्स के शेयर 1065 रुपये पर ब्रेकआउट के बाद नीचे आने लगे। इसका डाउन साइड टारगेट 659 रुपये है। लेकिन यह काफी संघर्ष कर रहा है। एक तगड़ी तेजी की उम्मीद की जा रही थी। लेकिन भारी बिकवाली ने दबाव बढ़ा दिया।

सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन में भारी गिरावट, 80000 डॉलर के नीचे आया दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन में लगातर पांचवें दिन गिरावट दर्ज की जा रही है। आज यह नवंबर के बाद पहली बार 80,000 डॉलर के नीचे आ गई। इससे पहले गुरुवार को इंट्रा-डे ट्रेडिंग के दौरान 5 प्रतिशत से अधिक गिर गई थी। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति पद संभालने के बाद बिटकॉइन अपने रिकॉर्ड हाई लेवल से लगभग 25 प्रतिशत से अधिक गिर चुका है। पिछले हफ्ते बायबिट एक्सचेंज के एक रिकॉर्ड-ब्रेकिंग हैक ने भी क्रिप्टो बाजार को झकझोरा है।

ब्लूमबर्ग के मुताबिक सिंगापुर में दोपहर 12:05 बजे बिटकॉइन 5.5 प्रतिशत गिरकर 79,627 पर आ गया। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी ईथर में 7.3 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि सोलाना और एक्सआरपी में क्रमशः 7.1 प्रतिशत और 7.8 प्रतिशत की गिरावट आई।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि कनाडा और मैक्सिको पर 25 प्रतिशत टैरिफ 4 मार्च से लागू होंगे, जबकि चीनी आयात पर 10 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगेगा। इसके बाद

एमएससीआइ एसी एशिया पैसिफिक इंडेक्स लगभग 2 प्रतिशत गिरा था। इस सप्ताह मंदी की भावना ने स्पॉट यूएस बिटकॉइन एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड को भी प्रभावित किया है। निवेशकों ने मंगलवार को 1 बिलियन से अधिक की निकासी की, जो पिछले साल की शुरुआत के बाद से सबसे बड़ी एक दिवसीय निकासी है।

बिटकॉइन की कीमतें क्यों गिर रही हैं- विशेषज्ञों के अनुसार, इटीएफ से लगातार आउटफ्लो और ट्रंप के श्व टैरिफ खतरों ने बिटकॉइन की कीमतों में 74000 तक गिरावट की आशंका के साथ बाजार पर और दबाव डाला है।

पीआई42 के सह-संस्थापक और सीईओ अविनाश शेखर ने कहा, क्रिप्टो बाजार ने बिटकॉइन के साथ एक बियरिश मोड में प्रवेश किया है, जो जनवरी के टॉप 109,350 डॉलर से 25 प्रतिशत से अधिक गिरकर 80000 के नीचे आ गया है। बिटकॉइन की 80000 से नीचे की गिरावट 2025 की सबसे बड़ी बिक्री है।

अफ्रीकी बल्लेबाज ने किया ऐलान

यह मेरा आखिरी आइसीसी टूर्नामेंट है

कराची। कराची में इंग्लैंड के खिलाफ अपने अहम मुकाबले से पहले दक्षिण अफ्रीका के दाएं हाथ के बल्लेबाज रासी वैन डेर डुसेन ने कहा कि मौजूदा टूर्नामेंट संभवत : उनके क्रिकेट करियर का आखिरी बड़ा आइसीसी टूर्नामेंट होगा। शनिवार को कराची के नेशनल स्टेडियम में प्रतियोगिता के अपने आखिरी ग्रुप स्टेज मैच में प्रोटियाज का मुकाबला जोस बटलर की अगुआई वाली टीम से होगा। वैन डेर डुसेन ने कहा, यह निश्चित रूप से एक संभावना है कि यह मेरा आखिरी आइसीसी टूर्नामेंट हो। मैं यह किसी पूर्वधारणा के साथ नहीं कह रहा हूं कि मैं इसे खत्म कर दूंगा या प्रबंधन मेरे करियर को खत्म कर देगा। यह सिर्फ वास्तविकता है। इसके अलावा अनुभवी क्रिकेटर ने कहा कि उनके लिए अपने देश के लिए खेलना हमेशा उनका सबसे बड़ा और

एकमात्र लक्ष्य रहा है। वैन डेर डूसन ने कहा, मेरा अंतिम लक्ष्य हमेशा प्रोटियाज के लिए खेलना रहा है। लोग मुझसे पूछ रहे हैं, क्या आप इसके बाद लीग खेलेंगे? मुझे नहीं पता। मुझे नहीं पता कि प्रोटियाज के लिए नहीं खेलने की संभावना खत्म हो जाएगी या नहीं, मुझमें लीग में खेलने की भूख बनी रहेगी। अपने देश का प्रतिनिधित्व करना हमेशा से मेरा सबसे बड़ा और एकमात्र लक्ष्य रहा है, इसलिए अगर यह लक्ष्य पूरा नहीं होता है, तो मुझे नहीं पता कि मैं क्या करूंगा। अगर मुझे दूसरा अनुबंध दिया जाता है, तो मैं निश्चित रूप से इसे स्वीकार करूंगा और उस अवधि के लिए प्रतिबद्ध रहूंगा। 36 वर्षीय खिलाड़ी ने टीम के युवा बल्लेबाजों (ट्रिस्टन स्टब्स, टोनी डी ज़ोरज़ी और मैथ्यू ब्रीट्ज़के) की प्रशंसा की जो वर्तमान में पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में चल रही चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में उनके साथ भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा, यह बहुत अच्छी बात है कि इतने सारे युवा खिलाड़ी सामने आ रहे हैं, जो वाकई अच्छा खेल रहे हैं। ट्रिस्टन स्टब्स या टोनी डी जोरजी जैसे खिलाड़ी किनारे पर बैठे हैं। अगर आप घरेलू ढांचे में भी जाएं, तो मैथ्यू ब्रीट्जके आए और उन्होंने 150 रन बनाए। आप इससे भी पीछे जा सकते हैं; लुआन-ड्रे प्रीटोरियस ने वन-डे कप में वेस्टर्न प्रोविंस के खिलाफ शतक बनाया। रयान [रिकेल्टन] वास्तव में अभी शुरुआत कर रहे हैं, इसलिए बहुत सारे अच्छे खिलाड़ी हैं।

मजाक में बोले वसीम जाफर

भारत को अबू धाबी और शारजाह में खेलना चाहिए था

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व बल्लेबाज वसीम जाफर ने मजाक में कहा कि भारत को अबू धाबी और शारजाह में खेलना चाहिए था और शायद चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में एक ही स्थान पर खेलने के आलोचकों का मुंह बंद करने के लिए किसी दूसरे होटल में ठहरना चाहिए था। भारत एकमात्र ऐसी टीम है जिसने अपने सभी मैच एक ही मैदान, दुबई

इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले हैं। पाकिस्तान के मुख्य कोच आकिब जावेद, ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस, इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर और कई अन्य लोगों का मानना ??है कि भारत के पास बहुत बड़ा फायदा था क्योंकि उन्हें पूरे टूर्नामेंट में बेस बदलने की जरूरत नहीं पड़ी। जाफर ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक तनाव के कारण भारत के पास कोई विकल्प नहीं था।

जाफर ने कहा, आईसीसी को शारजाह में एक मैच और अबू धाबी में एक मैच आयोजित करना चाहिए था और शायद उन्हें दूसरे होटल में चेक इन करने की अनुमति देनी चाहिए थी। तब शायद यह मुद्दा नहीं उठता। भारत राजनीतिक कारणों और सरकार की भागीदारी के कारण पाकिस्तान नहीं जाना चाहता है - हर देश के पास यह विकल्प है।

प्राग मास्टर्स 2025

प्रज्ञानंद ने फिर से बाजी ड्रॉ खेली अरविंद ने कीमर को हराया

प्राग, एजेंसी। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंद ने यहां प्राग मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के दूसरे दौर में तुर्की के गुरेल एडिज़ के खिलाफ अपनी बाजी ड्रॉ खेल कर लगातार दूसरे मैच में अंक बांटे जबकि अरविंद चिदंबरम ने काले मोहरों से खेलते हुए जर्मनी के विंसेंट कीमर को हराया। पहले दौर में चैक गणराज्य के ग्रैंडमास्टर गुयेन थाई दाई वान के खिलाफ अंक बांटने वाले अरविंद ने काले मोहरों के साथ अपनी पहली जीत हासिल की।अरविंद दस खिलाड़ियों के बीच राउंड रोबिन आधार पर खेले जा रहे इस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जीत हासिल करने वाले एकमात्र खिलाड़ी थे। दूसरे दौर के अन्य मुकाबलों में दाई वान ने अमेरिका के सैम शैंकलैंड के साथ, शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन के वेई यी ने नीदरलैंड के अनीश गिरी के साथ और वियतनाम के क्वांग लीम ले ने चेक गणराज्य के नवारा डेविड के साथ अंक बांटे। अब जबकि टूर्नामेंट में सात दौर की बाजी खेली जाने बाकी हैं तब भारतीय खिलाड़ी अरविंद ने 1.5 अंक लेकर शैंकलैंड के साथ संयुक्त बढ़त हासिल कर ली है। उनके बाद गिरि, लीम, दाई वान, डेविड, कीमर और प्रज्ञानानंद का नंबर आता है। एडिज और वेई यी अपने दो मैचों में आधे-आधे अंक के साथ अंतिम स्थान पर हैं।

डोपिंग प्रतिबंध के कारण सिनर का लॉरियस नामांकन रद्द

पेरिस, एजेंसी। लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अकादमी ने घोषणा की है कि वह 2025 के लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए इतालवी टेनिस खिलाड़ी जानिक सिनर का नामांकन वापस ले रही है।

यह निर्णय हाल ही में विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) द्वारा इतालवी खिलाड़ी पर लगाए गए तीन महीने के निलंबन के बाद लिया गया है। नामांकन पैनल को भेजे गए ईमेल में अकादमी ने बताया कि मामले से जुड़ी विपरीत परिस्थितियों के बावजूद, निलंबन ने सिनर के नामांकन को अयोग्य बना दिया। लॉरियस अकादमी द्वारा चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया है कि इस वर्ष के लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए जानिक सिनर का नामांकन वापस लिया जाता है। हमने इस मामले में संबंधित वैश्विक निकायों के निर्णयों का अनुसरण किया है और - यद्यपि हम इसमें सम्मिलित परिस्थितियों को देखते हैं - हमारा मानना है कि तीन महीने का प्रतिबंध नामांकन को अयोग्य बनाता है। जानिक और उनकी टीम को सूचित कर दिया गया है। इस महीने की शुरुआत में, वाडा ने खुलासा किया कि मार्च 2024 में क्लोस्टेबोल के लिए सकारात्मक परीक्षण के बाद सिनर ने एक मामले के समाधान समझौते में प्रवेश किया था।

चैम्पियंस ट्रॉफी : इंडिया-न्यूजीलैंड

न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम इंडिया का रेस्ट फॉर्मूला

रोहित करेंगे आराम, ऋषभ पंत को मिलेगा चांस !

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया है. भारतीय टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ 6 विकेट से जीत हासिल की थी. फिर उसने पाकिस्तान को भी छह विकेट से हराया. लगातार दो जीत दर्ज करके भारतीय टीम सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है. भारतीय टीम अपना सेमीफाइनल 4 मार्च को दुबई में खेलेगी. हालांकि उसका मुकाबला किस टीम से होगा, ये 2 मार्च (रविवार) को ही तय हो पाएगा.

न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में रोहित रहेंगे बाहर ?

2 मार्च को भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में अपना आखिरी ग्रुप मुकाबला खेलने जा रही है. सेमीफाइनल से पहले ये मुकाबला भारतीय टीम के लिए किसी प्रैक्टिस मैच से कम नहीं होगा. इस मुकाबले के लिए भारतीय टीम में बदलाव भी देखने को मिल सकता है. अनुसार शुभमन गिल न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में कप्तानी कर सकते हैं. जबकि रोहित शर्मा रेस्ट लेने का फैसला कर सकते हैं. रोहित को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में

हैमस्ट्रिंग की समस्या से जूझते देखा गया था. ऐसे में रोहित सेमीफाइनल से पहले अपनी चोट को और बढ़ाना नहीं चाहेंगे. शुभमन गिल अस्वस्थ होने के चलते बुधवार को प्रैक्टिस के लिए नहीं उतरे थे. हालांकि गुरुवार को शुभमन नेट्स पर लौटे और नेट्स में काफी समय तक बल्लेबाजी की.

अगर रोहित शर्मा न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले से बाहर रहते हैं, तो ऋषभ पंत या वॉशिंगटन सुंदर को प्लेइंग-11 में शामिल किया जा सकता है. ऋषभ को इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में भी एक भी मैच खेलने का मौका नहीं था. फिर ऋषभ चैम्पियंस ट्रॉफी में दोनों मुकाबलों से बाहर रहे. ऋषभ ने बुधवार और गुरुवार को नेट पर काफी समय बल्लेबाजी की. दूसरी ओर सुंदर को भी अपनी बारी का इंतजार है. भारतीय टीम के पास बैकअप ओपनर नहीं है, ऐसे में रोहित शर्मा के बाहर होने पर न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में शुभमन गिल और केएल राहुल ओपनिंग करते दिख सकते हैं. केएल राहुल ने वनडे इंटरनेशनल में पिछले दो-तीन सालों में मध्य क्रम में ही बैटिंग की है, लेकिन रोहित के बाहर होने की स्थिति में बैटिंग ऑर्डर में बदलाव दिखेगा.

भारतीय स्क्वॉड: रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, वॉशिंगटन सुंदर.

क्रिकेट फैंस के लिए गुड न्यूज

चैंपियंस ट्रॉफी के बाद जल्द 3 बार भिड़ेंगी भारत-पाकिस्तान की टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले दिनों चैंपियंस ट्रॉफी में भारत और पाकिस्तान का आमना-सामना हुआ. भारतीय टीम ने पाकिस्तान को आसानी से हरा दिया. रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है, लेकिन पाकिस्तान का टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया है. बहरहाल, क्रिकेट फैंस के जेहन में सवाल है कि अब भारत और पाकिस्तान की टीमें कब आमने-सामने होंगी? अगर आप भारत-पाकिस्तान मैच के फैन हैं तो आपके लिए अच्छी खबर है. दरअसल, आपको एक बार फिर जल्द भारत-पाकिस्तान की भिड़त देखने को मिल सकती है.

अब भारत और पाकिस्तान की भिड़त कब होगी ?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एशियन क्रिकेट काउंसिल ने एशिया कप पर मुहर लगा दी है. इस टूर्नामेंट का आयोजन सितंबर में हो सकता है. वहीं, एशिया कप की मेजबानी श्रीलंका को मिल सकती है. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो एशिया की मेजबानी श्रीलंका और संयुक्त अरब अमीरात को मिल सकती है. साथ ही टूर्नामेंट टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा. ऐसा माना जा रहा है कि एशिया कप में भारत-पाकिस्तान समेत अन्य 8 टीमों को दो ग्रुप में बांटा जाएगा. भारत और पाकिस्तान सेम ग्रुप में होंगे. अगर ऐसा हुआ तो भारत और पाकिस्तान की टीमें टूर्नामेंट में 3 बार आमने-सामने हो सकती हैं.

रेस्ट-डे पर अकेले प्रैक्टिस करने पहुंचे गिल

- अस्वस्थ होने के कारण एक दिन पहले नहीं किया था अभ्यास, 2 मार्च को भारत-न्यूजीलैंड मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय उपकप्तान शुभमन गिल गुरुवार को अकेले दृष्टष्ट अकादमी में प्रैक्टिस के लिए पहुंचे। टीम इंडिया का गुरुवार को रेस्ट-डे था, इसलिए वे अकेले प्रैक्टिस किए। इससे पहले, बुधवार को गिल टीम के साथ प्रैक्टिस सेशन में शामिल नहीं हुए थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वे अस्वस्थ थे। हालांकि, गुरुवार दोपहर को गिल ने दो घंटे से ज्यादा समय तक अभ्यास किया। उनके साथ टीम के दो थ्रोडाउन स्पेशलिस्ट रघु और नुवान के साथ असिस्टेंट कोच अभिषेन नायर भी मौजूद थे। मौजूदा चैंपियंस ट्रॉफी में भारत का अगला मैच रविवार (2 मार्च) को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला जाएगा।

गुरुवार को भारतीय टीम के लिए रेस्ट-डे था। पूरी टीम बुधवार रात को लगभग तीन घंटे प्रैक्टिस की थी। इस दिन गिल मैदान पर नहीं पहुंचे थे। इसके अलावा हैमस्ट्रिंग में चोट से जूझ रहे रोहित शर्मा ने बैटिंग सेशन में हिस्सा नहीं लिया था। रोहित बुधवार को प्रैक्टिस सेशन के दौरान ग्राउंड में आए लेकिन प्रैक्टिस में हिस्सा नहीं लिया।

बाबर आजम का बाप है विराट कोहली...

लाहौर में पत्रकार के सवाल पर बच्चे का जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। तकरीबन 29 साल बाद पाकिस्तान को किसी आईसीसी टूर्नामेंट्स की मेजबानी मिली. चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी पाकिस्तान कर रहा है. लेकिन टूर्नामेंट शुरू होने के महद 5 दिनों बाद पाकिस्तान का सफर समाप्त हो गया. मोहम्मद रिजवान की कप्तानी वाली पाकिस्तान को न्यूजीलैंड और भारत के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा. जबकि बांग्लादेश और पाकिस्तान का मैच बारिश की भेंट चढ़ गया. बहरहाल, चैंपियंस ट्रॉफी में घटिया प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान टीम की लगातार फजीहत हो रही है. वहीं, बाबर आजम सबसे ज्यादा आलोचकों के निशाने पर हैं.

पृथ्वी शॉ पर आरोप लगाने वाली इंफ्लूएंसर को नहीं मिली राहत, कोर्ट ने कहा - आपके खिलाफ सबूत हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के युवा बल्लेबाज पृथ्वी शॉ और इंफ्लुएंसर सपना गिल के मामले में नया मोड़ आया है। बॉम्बे कोर्ट ने सपना गिल को बड़ा झटका दिया है। उन्होंने गिल की उस अपील को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने पृथ्वी शॉ द्वारा लगाए गए केस को रद्द करने की अपील की थी। गिल के खिलाफ मामले में कोर्ट चार्जशीट को रिव्यू करेगा।

हाई कोर्ट ने केस रद्द करने से किया इनकार- कोर्ट ने कहा, 'न्यायमूर्ति सारंग कोतवाल और एस.एम. मोदक ने पाया कि एफआईआर में स्पष्ट रूप से कुछ अपराध का संकेत मिलता है और आपके

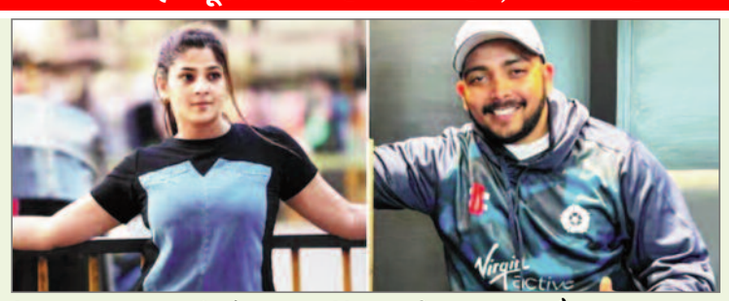

खिलाफ कुछ सामग्री है। न्यायमूर्ति कोतवाल ने गिल के वकील को निचली अदालत में आरोपमुक्ति याचिका दायर करने पर विचार करने की सलाह दी। अदालत ने कहा, हम इसे रद्द नहीं करेंगे।

दो साल पुराना है मामला- सपना गिल और पृथ्वी शॉ का मामला दो साल पुराना है। साल 2023 फरवरी में में सपना गिल की मुंबई के एक होटल में पृथ्वी शॉ के साथ सेल्फी लेने को लेकर बहस हुई। इसके बाद पृथ्वी की गाड़ी पर हमला किया गया। हमले के सिलसिले में कुछ अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया था। वे फिलहाल जमानत पर बाहर हैं। मामले में जमानत मिलने के बाद गिल ने पृथ्वी शॉ और उनके दोस्त आशीष यादव और अन्य के खिलाफ छेड़छाड़ की शिकायत लेकर अंधेरी के हवाईअड्डा पुलिस स्टेशन का दरवाजा खटखटाया था।

पृथ्वी शॉ के दोस्त ने सपना के खिलाफ दायर किया था केस- इसके अलावा पृथ्वी शॉ के दोस्त आशीष सुरेंद्र यादव ने गिल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी।

गोधरा ट्रेन घटना की 23वीं बरसी पर

एकता कपूर ने की द साबरमती रिपोर्ट पर बात

साल 2002 के दुखद गोधरा ट्रेन हादसे की 23वीं बरसी पर फिल्म निर्माता एकता कपूर ने द साबरमती रिपोर्ट के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि कुछ कहानियां सिर्फ फिल्मों से ज्यादा होती हैं। फिल्म की यात्रा पर विचार करते हुए, एकता ने कहा, कुछ कहानियां सिर्फ फिल्मों से ज्यादा बढ़कर होती हैं, वे जिम्मेदारियां होती हैं।

साबरमती रिपोर्ट एक ऐसा ही प्रयास है, जहां हमने सच्चाई को सामने लाने का लक्ष्य रखा है। इसके साथ ही यह सुनिश्चित किया है कि हम इस विषय को अत्यंत संवेदनशीलता के साथ संभालें। साबरमती रिपोर्ट में एक जिद्दी पत्रकार की भूमिका निभाने वाले अभिनेता विक्रांत मैसी ने कहा कि यह फिल्म सिर्फ एक घटना के बारे में नहीं है। यह देश और लोगों पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में हैं। कैसे इतने सारे लोगों ने प्रभावित परिवारों के बारे में सोचे बिना इस त्रासदी का इस्तेमाल अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए किया। उन्होंने आगे कहा, यह हमारा 9/11 है। ऐसी शक्तिशाली कहानी का हिस्सा बनना वाकई एक विनम्र अनुभव रहा है।

प्रधानमंत्री का समर्थन और पूरे देश से मिली प्रतिक्रिया ने मुझे महसूस कराया कि समाज को प्रतिबिंबित करने वाली सिनेमा के लिए अभी भी जगह है। बता दें कि दूरदर्शी धीरज सरना द्वारा निर्देशित इस फिल्म में राशि खन्ना और रिधि डोगरा ने भी दमदार अभिनय किया है। यह फिल्म 27 फरवरी 2002 को गोधरा में साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन में हुए अग्निकांड पर आधारित है। द साबरमती रिपोर्ट एक पत्रकार की कहानी है, जो गुजरात में 2002 में गोधरा में ट्रेन में आग लगाने की घटना की जांच करता है। सालों बाद, एक और रिपोर्टर को उसकी छिपी हुई रिपोर्ट का पता चलता है।

वे शक्तिशाली व्यक्तियों से जुड़ी एक साजिश का पर्दाफाश करते हैं, जो सच्चाई की तलाश में धमकियों का सामना करते हैं। द साबरमती रिपोर्ट को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई प्रमुख नेताओं से प्रशंसा मिली।

इंटर रिलीजन मैरिज के बाद प्रियामणि हुई थीं ऑनलाइन ट्रोलिंग का शिकार?

प्रियमणि और मुस्तफा राज की सगाई 2016 में हुई थी और एक साल बाद उन्होंने 2017 में बेंगलुरु में शादी कर ली थी। मुस्तफा के साथ अपनी इंटर रिलीजन शादी के बाद झेली गई नकारात्मकता के बारे में खुलकर बातचीत की है। साउथ अभिनेत्री प्रियामणि ने 2017 में फिल्म मेकर मुस्तफा राज से शादी की थी। उनके लिए यह मौका जश्न मनाने का था, लेकिन उनकी इंटर रिलीजन मैरिज ऑनलाइन ट्रोलिंग का शिकार हो गई। हाल ही में एक इंटरव्यू में प्रियामणि ने खुलासा किया कि सोशल मीडिया पर लव जिहाद के नाम पर मजाक ने उन्हें कितना परेशान किया।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू में प्रियामणि ने कहा, जब मैंने अपनी सगाई की अनाउंसमेंट की तो मैं बस इस खुशी के पल को उन लोगों के साथ शेयर करना चाहती थी। लेकिन मुझे नहीं पता कि किस वजह से बेवजह नफरत फैलनी शुरू हो गई और लव जिहाद के आरोप लगने लगे। उन्होंने यहां तक कह दिया कि जब कल हमारे बच्चे होंगे तो वे ISIS में शामिल हो जाएंगे।

प्रियामणि ने आगे कहा, मैं समझती हूं कि मैं मीडिया और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी हूं। लेकिन आप किसी ऐसे व्यक्ति पर हमला क्यों करना चाहते हैं, जो इन चीजों का हिस्सा ही नहीं है? शुरुआत के 2 से 3 दिनों तक यह मुझ पर भारी पड़ा क्योंकि मुझे बहुत सारे संदेश मिलते रहे।

गोविंदा की को-स्टार आयरा बंसल

ऊर्फी जावेद के शो में करेंगी सगाई

गोविंदा और वरुण शर्मा की फ्राई डे फिल्म की को-स्टार आयरा बंसल आदर्श जीवनसाथी की तलाश के लिए ऊर्फी जावेद के नए रियलिटी शो एंगेज्ड -रोका या धोखा में प्रतिभागी के रूप में शामिल हुई हैं। अभिनेत्री आयरा बंसल जिन्होंने फ्राई डे, 36 फार्म हाउस और द जोया फैक्टर जैसी फिल्में तो की हैं। साथ ही उन्होंने म्यूजिक वीडियो और रैप मॉडलिंग भी की है और भारत, मध्य पूर्व और उत्तरी अमेरिका में कई फैशन डिजाइनरों के लिए वॉक किया है।

लेकिन पहली बार वह किसी रियलिटी शो में भाग ले रही हैं। एंगेज्ड एक नए तरीके का रियलिटी शो है। जब मुझसे इसके लिए संपर्क किया गया, तो मेरे दिमाग में केवल यही चल रहा था कि मैंने अभिनय और मॉडलिंग की है, लेकिन रियलिटी शो कुछ नया है जो मैंने अभी तक नहीं किया है, इसलिए मैंने इस अवसर का लाभ उठाया। और जीवन साथी तो कब, कहाँ और कैसे मिल जाए ये सब भगवान के हाथ में होता है .आयरा ने शो का हिस्सा बनने की वजह बताते हुए कहा। एंगेज्ड - रोका या धोखा सिर्फ़ डेटिंग शो नहीं है बल्कि यह एक ऐसा शो है जहाँ आप अपना सच्चा जीवनसाथी पा सकते हैं। शो में प्रतिभागियों को एक जोड़े के रूप में अलग-अलग टास्क जीतने होते हैं, जिससे उन्हें एक-दूसरे को बेहतर तरीके से जानने, समझने और विश्वास बढ़ाने में मदद मिलती है। शो को ऊर्फी जावेद और हर्ष गुजराल होस्ट कर रहे हैं और यह वर्तमान में जियो सिनेमा और हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रहा है।

सलमान खान की सिकन्दर का धमाकेदार टीजर जारी

ईद पर दर्शकों को मिलेगी ईदी

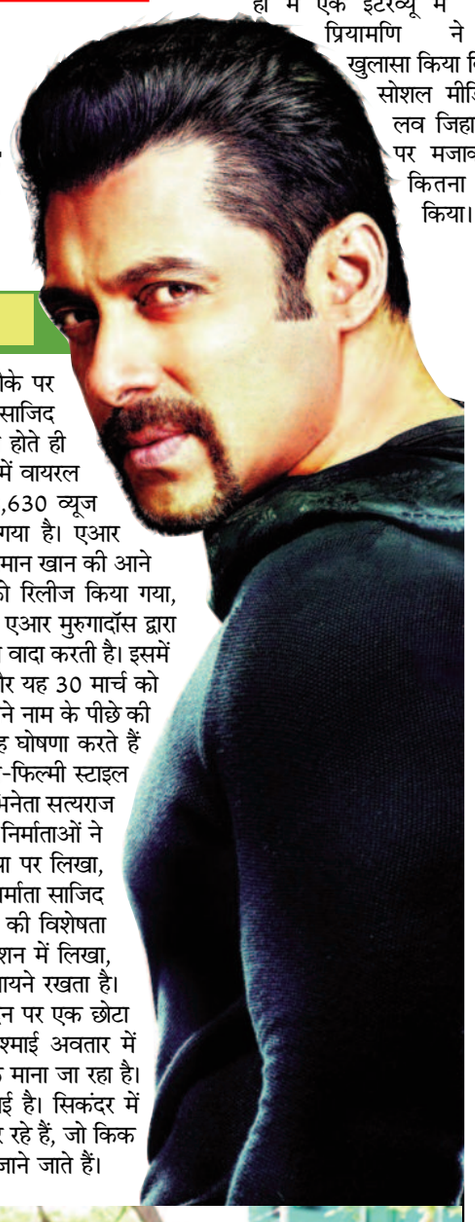

बीते साल से चर्चाओं में रही सलमान खान की ईद के मौके पर प्रदर्शित होने वाली फिल्म सिकन्दर का बहुप्रतीक्षित टीजर आज साजिद नाडियाडवाला के जन्म दिन पर जारी हो गया है। टीजर ने जारी होते ही दर्शकों को अपना दीवाना बना लिया है और इंटरनेट की दुनिया में वायरल हो गया है। जारी होने के एक घंटे में ही इसे यूट्यूब पर 8,38,630 व्यूज मिल चुके थे। टीजर में धमाकेदार एक्शन का वादा किया गया है। एआर मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रश्मिका मंदाना भी हैं। सलमान खान की आने वाली एक्शन थ्रिलर फिल्म सिकंदर का नया टीजर गुरुवार को रिलीज किया गया, जिसमें सुपरस्टार की मुख्य भूमिका की झलक देखने को मिली। एआर मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक धमाकेदार मनोरंजन वाली फिल्म होने का वादा करती है। इसमें रश्मिका मंदाना और काजल अग्रवाल भी अहम भूमिका में हैं और यह 30 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। टीजर की शुरुआत सलमान द्वारा अपने नाम के पीछे की कहानी सुनाने से होती है। जैसे-जैसे वीडियो आगे बढ़ता है, वह घोषणा करते हैं कि वह समाज को साफ करने के लिए यहां आए हैं। टीजर हिंदी-फिल्मी स्टाइल की डायलॉगबाजी से भरपूर है और इसमें रश्मिका मंदाना और अभिनेता सत्यराज का भी परिचय कराया गया है। टीजर रिलीज से पहले फिल्म के निर्माताओं ने प्रशंसकों को एक रोमांचक अपडेट दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, इंतजार लगभग खत्म हो गया है। कुछ दिन पहले, निर्माताओं ने निर्माता साजिद नाडियाडवाला के 58वें जन्मदिन के अवसर पर सलमान खान की विशेषता वाला एक नया पोस्टर भी जारी किया था। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, सभी अद्भुत प्रशंसकों के लिए, आपका धैर्य हमारे लिए बहुत मायने रखता है। सिकंदर को मिले प्यार के बाद, साजिदनाडियाडवाला के जन्मदिन पर एक छोटा सा उपहार! सिकंदर में सलमान को एक दमदार लेकिन करिश्माई अवतार में दिखाया जाएगा और इसे साल की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक माना जा रहा है। फिल्म की शूटिंग हैदराबाद और मुंबई में बड़े पैमाने पर की गई है। सिकंदर में सलमान फिर से निर्माता साजिद नाडियाडवाला के साथ काम कर रहे हैं, जो किक और मुझसे शादी करोगी जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में देने के लिए जाने जाते हैं।

जहीर संग इंटर-कास्ट मैरिज पर बोलीं सोनाक्षी दो दिल प्यार में थे... एक-दूजे का धर्म नहीं देखा

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने बीते वर्ष जून में जहीर इकबाल से शादी रचाई। यह इंटर-कास्ट शादी थी, लिहाजा दोनों ने स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत शादी का फैसला किया। इसे लेकर हाल ही में सोनाक्षी ने बात की है।

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल अपनी शादीशुदा जिंदगी में बेहद खुश हैं। फैंस की पसंदीदा जोड़ी में शामिल सोना और जहीर ने बीते वर्ष जून में शादी रचाई। दोनों ने स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत शादी की। इसके बाद रिसेप्शन पार्टी का आयोजन किया। परिवार और बेहद करीबी दोस्त ही इनकी शादी में शामिल हुए। हाल ही में सोनाक्षी सिन्हा ने अपनी इंटर-कास्ट मैरिज पर बात की।

सोनाक्षी और जहीर की शादी काफी सादगीभरे समारोह में हुई। सोनाक्षी और जहीर क्योंकि अलग-अलग धर्मों से ताल्लुक रखते हैं, लिहाजा इनकी शादी काफी चर्चा में रही। हाल ही में सोनाक्षी ने हॉटरफ्लाई के साथ एक इंटरव्यू में जहीर के साथ स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत शादी करने के बारे में बात की। अलग-अलग धर्मों से ताल्लुक रखने को लेकर उन्होंने कहा, जहीर और मैं धर्म को नहीं देख रहे थे। यहां दो लोग हैं, जो एक-दूसरे से प्यार करते हैं और शादी करना चाहते हैं, अब ऐसा करने का सबसे अच्छा तरीका क्या है?

वो दिवाली पूजा में बैठता है, मैं उसके नियाज में

सोनाक्षी सिन्हा ने आगे कहा, वह मुझ पर अपना धर्म नहीं थोप रहा है। मैं उस पर अपना धर्म नहीं थोप रही हूं। हम बैठकर इस बारे में बात नहीं करते हैं। हम एक-दूसरे की संस्कृति की तारीफ करते हैं और उसे समझते हैं। वे अपने घर में कुछ परंपराओं का पालन करते हैं। मैं अपने घर में कुछ परंपराओं को फॉलो करती हूं। उन्होंने ने यह भी बताया कि वे एक-दूसरे के धर्म का सम्मान कैसे करते हैं? सोनाक्षी ने कहा, जहीर मेरे साथ दिवाली पूजा में आकर बैठता है। और मैं उनके नियाज में जाकर बैठती हूं। यही बात मायने रखती है! मैं उनका और उनकी संस्कृति का सम्मान करती हूं और वे मेरा और मेरी संस्कृति का सम्मान करते हैं। उनके पूरे परिवार और मुझे लगता है कि ऐसा ही होना चाहिए।

इस फिल्म में नजर आएंगी सोनाक्षी

सोनाक्षी और जहीर फिल्म डबल एक्सएल में साथ काम कर चुके हैं। सोनाक्षी और जहीर इकबाल सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं और अक्सर कपल गोल्स देते दिखते हैं। सोनाक्षी के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे निकिता रॉय एंड द बुक ऑफ डार्कनेस में नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है.

साभार एजेंसी

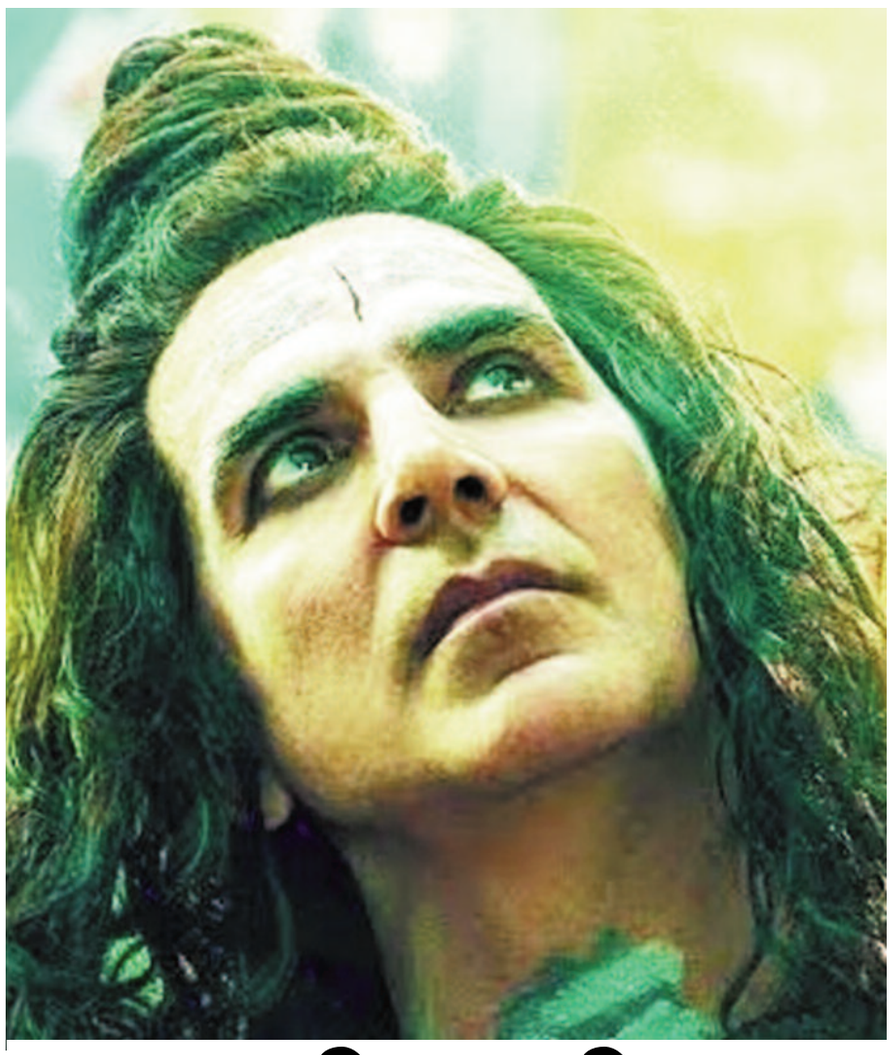

भगवान शिव का किरदार निभाकर अक्षय ने खुद को बताया भाग्यशाली

आगामी फिल्म 'कन्नप्पा' में अभिनेता अक्षय कुमार भगवान शिव की भूमिका में नजर आएंगे। इस अवसर पर वह अपने पिता को भी याद करते हैं। साथ ही बताते हैं कि कैसे उनके पिता ने भगवान शिव की भूमिका निभाई थी।

सिने परदों पर अभिनेता अक्षय कुमार ने पहले भी भगवानों की भूमिका अदा की है। इस बार वह आगामी फिल्म 'कन्नप्पा' में भगवान शिव की भूमिका निभाने वाले हैं। इसे लेकर वह एक कार्यक्रम में अपने अनुभवों को साझा करते हैं। इसमें वह बताते हैं कि उनके पिता को भी एकबार शिव की भूमिका करने के लिए कहा गया था। आइए जानते हैं कि आखिर अक्षय कुमार ने क्या कहा..

जब पिता ने निभाई शिव की भूमिका

मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान अक्षय कुमार ने बताया कि जब उनके पिता का ट्रांसफर मुंबई में हुआ था। उसी वक्त एक आदमी उनके पास आता है और पूछता है एक्टिंग करोगे? यह सुनकर पिता जी चौंक जाते हैं। फिर वह उन्हें सेट तक ले जाता है, जहां उनको भगवान शिव की पोशाक पहना दी जाती है। अक्षय कुमार बताते हैं कि उनके पिता 6.1 फिट लंबे थे। हालांकि, उनका रोल मात्र 5-10 सेकेंड का ही था। लेकिन आज उनके बेटे यानी अक्षय कुमार को भी भगवान शिव की भूमिका निभाने का अवसर मिल रहा है।

जब अक्षय ने खुद को भाग्यशाली बताया

अभिनेता अक्षय कुमार ने बताया कि 2012 में आई ओह मॉय गॉड फिल्म में उनको भगवान श्रीकृष्ण की भूमका निभाने का अवसर मिला था। फिर साल 2023 में इस फिल्म की दूसरी भाग रिलीज हुई, जिसमें उन्होंने भगवान शिव की भूमिका निभाई थी।

अब वह आगामी तेलुगु फिल्म कन्नप्पा में भगवान शिव की भूमिका निभाने वाले हैं। यह फिल्म सिनेमाघरों में 25 अप्रैल 2025 को रिलीज होने वाली है।

सान्या मल्होत्रा की जीत का सिलसिला जारी

कटहल, मीनाक्षी सुंदरेश्वर और पगलैट फिर से ओटीटी पर कर रही हैं ट्रेंड!

मिसेज की अभूतपूर्व सफलता के बाद, सान्या मल्होत्रा एक सच्ची सुपरस्टार के रूप में चमक रही हैं। अब, कटहल मीनाक्षी सुंदरेश्वर और पगलैट के साथ ट्रेंड कर रहा है, तीनों फिल्में ओटीटी पर टॉप 10 में फिर से प्रवेश कर चुकी हैं। फिर से ट्रेंड करना उनके प्रदर्शन के प्रति दर्शकों के अटूट प्यार को उजागर करता है और आज सबसे अधिक मांग वाले अभिनेत्रियों में से एक के रूप में उनकी स्थिति को मजबूत करता है। मिसेज को उनके सशक्त अभिनय के लिए व्यापक प्रशंसा मिलने के साथ, दर्शक उनकी पिछली फिल्मों को फिर से देख रहे हैं, उनकी बहुमुखी प्रतिभा और स्टार पावर का जश्न मना रहे हैं। मीनाक्षी सुंदरेश्वर के दिल को छू लेने वाले आकर्षण से लेकर पगलैट की भावनात्मक गहराई और कटहल की विचित्र प्रतिभा तक, सान्या ने सभी शैलियों में दर्शकों को मंत्रमुग्ध करना जारी रखा है। जैसे कि उनकी फिल्में एक बार फिर ओटीटी चार्ट पर हावी हो रही हैं, सान्या मल्होत्रा ??की लगातार सफलता साबित करती है कि वह सिर्फ एक कलाकार नहीं बल्कि दर्शकों की सच्ची पसंदीदा अभिनेत्री हैं, जो उन्हें अपनी पीढ़ी के सबसे बैंकेबल सितारों में से एक बनाती है। उनके प्रदर्शन को लेकर चर्चा लगातार बढ़ती जा रही है, और प्रशंसक उनके अगले प्रोजेक्ट, सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, वह एक अभिनेत्री के रूप में अपनी अभिनय क्षमता का प्रदर्शन करते हुए अनुराग कश्यप और बॉबी देओल के साथ बेनाम परियोजना में सहयोग करने के लिए तैयार हैं। सान्या मल्होत्रा निर्विवाद रूप से एक बड़ी स्टार-पॉवर है।

राजामौली की फिल्म में बढ़ा प्रियंका का रोल

प्रियंका चोपड़ा जोनस को फिल्ममेकर एसएस राजामौली ने अपनी जंगल एडवेंचर ड्रामा फिल्म ऑफर की थी। इस फिल्म में प्रियंका के साथ महेश बाबू भी लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। जहां पहले प्रियंका चोपड़ा जोनस इस रोल को नहीं करना चाह रही थीं क्योंकि उनके मुताबिक यह बहुत छोटा था, अब राजामौली ने उनके रोल को उनके अनुसार बढ़ा दिया है। बताया जा रहा है कि राजामौली ने प्रियंका की ग्लोबल आइकन इमजे को ध्यान में रखकर फिर से उनका रोल लिखा है ताकि उनकी मौजूदगी जस्टिफाई हो सके। प्रियंका, राजामौली की नई फिल्म करने के लिए केवल इस शर्त पर सहमत हुई कि उनकी मौजूदगी को सही ठहराने के लिए महिला नायक की भूमिका को बढ़ाया जाए। इस फिल्म के लिए प्रियंका ने 35 करोड़ रुपए लिए हैं। इस फिल्म के लिए प्रियंका ने 35 करोड़ रुपए की फीस ली है।